नई दिल्ली । बुधवार, 29 अप्रैल, 2026
बैशाख शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :113 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल आपको ओलंपिक खेलने के उददेश्य से तैयारी ...
@ विचार आज के दौर में भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशन्स...
@ व्यापार सेंसेक्स 417 अंक फिसला...

यूएई ने ओपेक का साथ छोड़ा

ईरान-अमेरिका जंग के बीच बदला पावर बैलेंस

एजेंसी ■ अबू धाबी

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में एक ऐसा भूचाल आया है, जिसकी गूंज दशकों तक सुनाई देगी। दुनिया के सबसे प्रभावशाली तेल संगठनों में से एक ओपेक और ओपेक+ को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अलविदा कह दिया है। अबू धाबी की यह घोषणा 1 मई 2026 से प्रभावी होगी। लगभग 60 साल तक इस समूह का हिस्सा रहने के बाद यूएई का यह फैसला न केवल तेल की कीमतों को प्रभावित करेगा, बल्कि खाड़ी देशों की राजनीति और अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच पावर बैलेंस को भी पूरी तरह बदल देगा।

यूएई के इस फैसले का क्या मतलब है?

यूएई 1967 से ओपेक का हिस्सा था। लगभग 60 साल बाद इस गठबंधन को तोड़ना अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के एक नए युग की शुरुआत है। इस फैसले की बड़ी वजह यह है कि यूएई अब अपनी तेल उत्पादन क्षमता को बढ़ाना चाहता है। अभी ओपेक+ के नियमों के कारण वह अपनी पूरी क्षमता से तेल नहीं निकाल पा रहा था। यूएई का लक्ष्य 2027 तक हर दिन करीब 50 लाख बैरल उत्पादन करना है।

इसका असर यह हो सकता है कि भविष्य में तेल की सप्लाई बढ़े और कीमतों में भारी गिरावट दिखाई दे, लेकिन फिलहाल बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। कुल मिलाकर, यह कदम वैश्विक तेल बाजार में बड़े बदलाव का संकेत है, जहां देश अब अपनी-अपनी रणनीति के अनुसार फैसले ले रहे हैं।

यूएई के इस फैसले से वैश्विक तेल बाजार पर क्या असर होगा?

यह खबर वैश्विक ऊर्जा बाजार और भू-राजनीति के लिए एक भूकंप जैसी घटना है। सरल शब्दों में, इसका मतलब है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) अब उस समूह (ओपेक) का हिस्सा नहीं रहेगा जो दुनिया में तेल की कीमतों और उत्पादन को नियंत्रित करता है।

तेल उत्पादन पर अब कोई पाबंदी नहीं

ओपेक का सदस्य होने के नाते यूएई को एक 'कोटा' मानना पड़ता था, यानी वह एक निश्चित मात्रा से ज्यादा तेल नहीं निकाल सकता था। अब 1 मई 2026 से यूएई अपनी मर्जी से जितना चाहे तेल निकाल और बेच सकेगा। इस देश ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अरबों डॉलर निवेश किए हैं और अब वह उसका पूरा फायदा उठाना चाहता है।

सऊदी अरब के साथ बढ़ता तनाव

ओपेक का नेतृत्व पारंपरिक रूप से सऊदी अरब करता है। यूएई का इस समूह को छोड़ना इस बात का सबूत है कि अब उसके हित सऊदी अरब के साथ मेल नहीं खा रहे हैं। हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच क्षेत्रीय राजनीति और आर्थिक निवेश को लेकर टकराव बढ़ा है। यह कदम ओपेक के भीतर सऊदी अरब के दबदबे को एक बड़ी चुनौती है।

'होर्मुज संकट' और सैन्य सुरक्षा का असर

रिपोर्ट्स के अनुसार, यूएई इस बात से भी नाराज है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के दौरान अन्य खाड़ी देशों ने सुरक्षा के मामले में उसका वैसा साथ नहीं दिया जैसा उसने उम्मीद की थी। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव के बीच यूएई अब अपनी स्वतंत्र ऊर्जा नीति अपनाकर अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षित रखना चाहता है।

वैश्विक कीमतों पर असर

जब यूएई जैसा बड़ा उत्पादक समूह से बाहर निकलता है, तो इससे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव आ सकता है। वह बाजार में ज्यादा तेल ला सकता है, जिससे कीमतों में कमी आ सकती है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की प्राथमिकताओं के साथ भी मेल खाता है, जो तेल की कम कीमतों के पक्षधर रहे हैं।

बंगाल चुनाव: अंतिम चरण आज, 3.2 करोड़ से ज्यादा वोटर करेंगे मतदान

1448 उम्मीदवारों की किस्मत का होगा फैसला

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। राज्य की राजधानी कोलकाता समेत छह जिलों की 142 विधानसभा सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होगा। इस चरण में 3.21 करोड़ से अधिक मतदाता 1,448 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, इन 142 सीटों पर कुल 3,21,73,837 पंजीकृत मतदाता हैं। इनमें 1,64,35,627 पुरुष, 1,57,37,418 महिला और 792 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र (एपिक) उपलब्ध करा दिए गए हैं।

मतदाताओं में 100 वर्ष या उससे अधिक आयु के 3,243 वोटर हैं, जबकि 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 1,96,801 है। इसके अलावा 146 एनआरआई वोटर और 39,961 सर्विस वोटर भी इस चरण में मतदान करेंगे।

इस चरण में कुल 1,448 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1,228 पुरुष और 220 महिला उम्मीदवार शामिल हैं। किसी भी सीट पर थर्ड जेंडर उम्मीदवार नहीं है। 142 सीटों में से 107 सामान्य श्रेणी की हैं, जबकि 34 सीटें अनुसूचित जाति (एससी) और एक सीट अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित है। दक्षिण 24 परगना जिले की भांगर सीट पर सबसे ज्यादा 15 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जबकि हुगली जिले की एक सीट पर सबसे कम पांच उम्मीदवार हैं।

कोलकाता के अलावा जिन जिलों में मतदान होगा उनमें नदिया, पूर्व बर्धमान, हुगली, दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना और हावड़ा शामिल हैं।

कुल 41,001 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 39,301 मुख्य और 1,700 सहायक मतदान केंद्र हैं। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है।

मतदान शांतिपूर्ण कराने के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। केंद्रीय बलों की 2,407 कंपनियां तैनात की गई हैं। इनके अलावा पश्चिम बंगाल पुलिस और कोलकाता पुलिस के जवान भी सुरक्षा में लगाए जाएंगे। मतगणना 4 मई को होगी।

राजा रघुवंशी हत्याकांड: सोनम रघुवंशी को मिली जमानत

एजेंसी ■ शिलांग

मेघालय की राजधानी शिलांग की एक अदालत ने चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को जमानत दे दी है। कई महीनों से जेल में बंद सोनम रघुवंशी को चौथी सुनवाई में राहत मिली, जबकि इससे पहले उसकी तीन जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी थीं।

इस फैसले से पीड़ित परिवार को गहरा झटका लगा है। परिवार के मुताबिक, अदालत का यह फैसला उनके लिए बड़ा झटका है और न्याय की उनकी लड़ाई को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि वे आगे कानूनी विकल्पों पर विचार करेंगे।

गुजरात के निकाय चुनाव में भाजपा का कब्जा

9,000 में 7,000 सीटों पर दर्ज की जीत

एजेंसी ■ अहमदाबाद

गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की है। राज्य के 15 नगर निगमों, 84 नगरपालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों के चुनाव की काउंटिंग सुबह 8 बजे से जारी है। इनमें 9992 सीटें हैं। भाजपा ने अब तक 7400 सीटें जीत ली हैं।

कांग्रेस को 1315 और अन्य को 592 सीटें मिली हैं। इस चुनाव में भाजपा का स्ट्राइक रेट 76% है। कांग्रेस दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसने 1716 सीटे जीती। वहीं, गोधरा के वार्ड नंबर 7 से निर्दलीय महिला उम्मीदवार अपेक्षाबेन नैनेशभाई सोनी ने जीत हासिल की। इस सीट पर 100% वोटर मुस्लिम हैं।

अहमदाबाद एलडीएस कॉलेज के काउंटिंग सेंटर के पास पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं की झड़प हुई। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को थप्पड़ भी मारा।

पीएम मोदी ने भाजपा की जीत के बाद सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

भेसन सीट पर बीजेपी के पूर्व विधायक भूपतभाई भयानी की हार हुई, आम आदमी पार्टी के दिनेश रूपारेलिया ने 1700 वोटों से हराया।

जामनगर नगर निगम वार्ड-12 में AAP के असलम खिलजी और कांग्रेस के अल्ताफ खफी जेल में रहते हुए चुनाव जीते। दोनों पर गुजरात अधिनियम के तहत केस दर्ज है।

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के 3 उम्मीदवारों को जीत मिली है। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की बहन नयनाबा जडेजा राजकोट से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव हार गई हैं।

भाजपा ने राज्य के सभी 15 नगर निगमों में जीत दर्ज की। राजकोट, जामनगर, अहमदाबाद, भावनगर, सूरत और मोरबी में फिर कब्जा किया है। वहीं, 9 नए नगर निगमों - आणंद, गांधीधाम, मेहसाणा, मोरबी, नाडियाड, नवसारी, पोरबंदर-छाया, सुरेंद्रनगर-वधवाण और वापी में हुए पहले चुनाव में जीत दर्ज की है।

4 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं ने वोट किया

राज्य के 15 नगर निगम, 84 नगरपालिका, 34 जिला पंचायत और 260 तालुका पंचायत के लिए 26 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। इनमें 4 करोड़ 18 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने वोट डाले थे। 15 नगर निगमों में 55.1% मतदान हुआ। नगरपालिकाओं में 65.53%, जिला पंचायतों में 66.64% और तालुका पंचायतों में 67.26% वोटिंग दर्ज की गई थी।

नायडू, वैष्णव ने विशाखापत्तनम में गूगल क्लाउड एआई हब की नींव रखी

एजेंसी ■ विशाखापत्तनम

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को गूगल क्लाउड इंडिया एआई हब की नींव रखी।

इस एआई हब में गूगल करीब 15 अरब डॉलर निवेश करेगा, जो कि देश के इतिहास में आया अब तक का सबसे बड़ी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) है।भूमि पूजन समारोह में बोलते हुए चंद्रबाबू नायडू ने गूगल और परियोजना में उसके साझेदारों, अदाणीकनेक्स और एयरटेल नेक्सट्रा से सितंबर 2028 तक परियोजना को पूरा करके उद्घाटन करने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने परियोजना के शीघ्र पूरा होने के लिए राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।उन्होंने आगे कहा कि गूगल का यह निवेश विशाखापत्तनम के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य के लिए एक गेम चेंजर है।उन्होंने याद करते हुए कहा कि 30 साल पहले, जब उन्होंने साइबराबाद को एक आईटी सिटी के रूप में स्थापित करने की नींव रखी थी।

किन्नरों को 'बधाई' वसूलने की कानून में कोई मंजूरी नही

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की

एजेंसी ■ लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ट्रांसजेंडर (किन्नर) समुदाय के एक सदस्य द्वारा दायर एक रिट याचिका को खारिज कर दिया है। इस याचिका में उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में पारंपरिक 'बधाई' या 'जजमानी' अधिकारों के लिए न्यायिक सुरक्षा और क्षेत्रीय सीमांकन की मांग की गई थी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि कोई भी व्यक्ति कानून की अनुमति के बिना लोगों से पैसे इकट्ठा करने के लिए किसी कानूनी या मौलिक अधिकार का दावा नहीं कर सकता है।

जस्टिस आलोक माथुर और जस्टिस अमिताभ कुमार राय की एक डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता रेखा देवी को राहत देने से इनकार कर दिया। रेखा देवी ने समुदाय के भीतर हिंसक विवादों से बचने के लिए, जरवल कस्बे में 'काटी का पुल' से लेकर 'घाघरा घाट' तक और कर्नलगंज में 'सरयू पुल' तक के इलाके में 'बधाई' (शुभ अवसरों पर मिलने वाला दान) इकट्ठा करने के लिए एक विशेष क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र घोषित करने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि किन्नर समुदाय के सदस्यों के पास पारंपरिक रूप से शुभ अवसरों पर 'बधाई' इकट्ठा करने का प्रथागत अधिकार रहा है, और अलग-अलग समूहों के बीच क्षेत्रीय दावों के टकराव के कारण हिंसक झड़पें हुई हैं, जिनमें जानलेवा हमले और गंभीर चोटें भी शामिल हैं।

इस याचिका को खारिज करते हुए, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि किसी भी कानूनी आधार के अभाव में, ऐसे कथित प्रथागत अधिकारों को वैध नहीं ठहराया जा सकता।

जस्टिस माथुर की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, 'यह कहने की जरूरत नहीं है कि किसी भी व्यक्ति या समूह को, कानून के अनुसार तय तरीकों को छोड़कर, किसी भी अन्य व्यक्ति से कोई पैसा, टैक्स, फीस या सेस (उपकर) इकट्ठा करने या वसूलने की अनुमति देने वाला कोई वैध या कानूनी आधार मौजूद नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा मांगे गए ऐसे अधिकार कानून द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं हैं; इसलिए, भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अदालतें कानून के किसी भी आधार के बिना याचिकाकर्ता के कार्यों को वैध नहीं ठहरा सकतीं।'

बेंच ने आगे कहा कि नागरिकों से पैसे की वसूली, चाहे वह स्वेच्छा से की गई हो या किसी अन्य तरीके से, कानून के दायरे से बाहर रहकर न्यायिक सुरक्षा प्राप्त नहीं कर सकती।

आदेश में कहा गया, 'किसी भी व्यक्ति से जानबूझकर या किसी अन्य तरीके से पैसे की वसूली करने की अनुमति नहीं दी जा सकती; इस देश के किसी भी नागरिक को केवल उतना ही टैक्स, सेस या फीस देने का निर्देश दिया जा सकता है, जितना कानून के अनुसार उससे वैध रूप से वसूला जा सकता है।'

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि न तो 'ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019' और न ही कोई अन्य मौजूदा कानूनी ढांचा, ऐसे क्षेत्रीय 'जजमानी' (पारंपरिक सेवा) दावों को मान्यता देता है या उनकी सुरक्षा करता है।

यह देखते हुए कि ऐसी राहत देने से प्रभावी रूप से 'जबरन वसूली' या 'अवैध धन-वसूली' को ही वैधता मिल जाएगी, जस्टिस माथुर की अध्यक्षता वाली बेंच ने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप, भविष्य में अन्य गैर-कानूनी समूहों द्वारा किए जाने वाले इसी तरह के दावों के लिए एक गलत मिसाल कायम कर सकता है।

ईरान ढहने की कगार पर, हमसे होर्मुज खोलने को कह रहा : ट्रंप

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को दावा किया कि ईरान बर्बादी के कगार पर है और कथित तौर पर उसने होर्मुज से नाकेबंदी हटाने की गुहार लगाई है।

हर बार की तरह ही ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर अपनी बात कही। ट्रंप के मुताबिक, ईरान चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट जल्द खोल दिया जाए ताकि जहाजों की आवाजाही सामान्य हो सके। उन्होंने लिखा कि ईरान ने अभी-अभी हमें बताया है कि वे 'पूरी तरह से ढहने की कगार' पर हैं और वे चाहते हैं कि हम जितनी जल्दी हो सके 'होर्मुज जलडमरूमध्य को खोल दें,' ताकि वे अपने 'नेतृत्व से जुड़ी उलझन को सुलझा सकें' (और मुझे विश्वास है कि वे ऐसा कर पाएंगे!)।

ट्रंप ने यह नहीं बताया है कि अमेरिका ईरान में किससे बातचीत कर रहा है। वो भी तब जब देश के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई घायल हैं और उनकी हालत को लेकर खुद अमेरिका कुछ स्पष्ट नहीं कह पा रहा है।

इस बीच, अमेरिकी मीडिया आउटलेट न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि कुछ अधिकारी ईरान की ओर से होर्मुज खोलने को तैयार हैं; इसके बदले में वो चाहते हैं कि जंग पर स्थायी तौर पर विराम लगाया जाए और अमेरिकी नाकेबंदी बंद हो। वहीं, यूरेनियम संवर्धन मामले में वो पीछे हटने को तैयार नहीं है।

वहीं, ईरान ने भी मंगलवार को कहा कि अमेरिका उस स्थिति में नहीं है कि वह दूसरे देशों को बताए कि उन्हें क्या करना चाहिए। ईरानी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेजा तलाएई-निक ने सरकारी टीवी से कहा कि वे ट्रंप का दबाव नहीं सहन करेंगे।

बता दें, अमेरिका के राष्ट्रपति ने दो दिन पहले ही दावा किया था कि अगर तीन दिन में ईरान ने स्ट्रेट पर से नियंत्रण नहीं हटाया तो तकनीकी वजहों से उसके तेल से भरे पाइपलाइन अगले तीन दिनों में फट जाएंगे।

परिवारवादी और तुष्टिकरण में डूबे दल नारी शक्ति से डरे हुए: प्रधानमंत्री मोदी

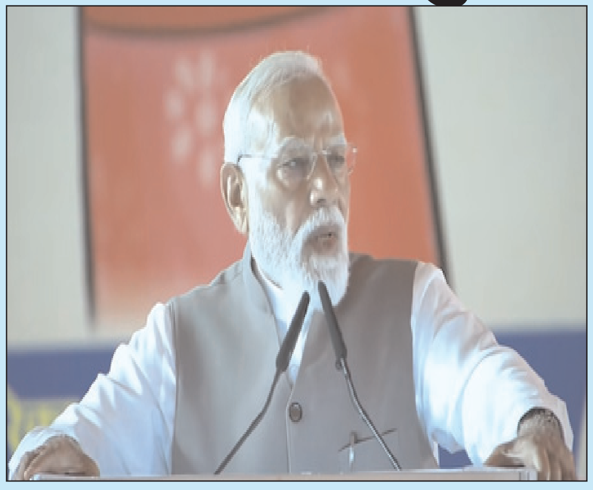

वाराणसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने बरेका में 'जन-आक्रोश महिला सम्मेलन' को संबोधित कि?या। उन्होंने विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि असल में ये सारे परिवारवादी और तुष्टिकरण में डूबे दल नारी शक्ति से डरे हुए हैं। यह परिवारवादी दल देश की उन बेटियों को विधानसभा और संसद नहीं आने देना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नई संसद बनी तो पहला काम हमने बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का ही किया। 40 वर्षों से बहनों का यह अधिकार लटका हुआ था, इसलिए 2023 में संसद में नारी शक्ति अधिनियम पारित करवाया। कानून बनने के बाद उसका लागू होना आवश्यक होता है, इसलिए पिछले दिनों संसद में इसको लेकर चर्चा की गई। संविधान में संशोधन को लेकर हम कानून लेकर आए। यह संशोधन ऐसा था जिसके बाद ज्यादा संख्या में बहनें विधानसभा और लोकसभा में पहुंच पातीं, लेकिन कांग्रेस, सपा, टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियों ने एक बार फिर देश की महिलाओं को धोखा दिया। ऐसे दलों ने 40 सालों से रोक लगाई थी और फिर इसे लाल झंडी दिखा दी। असल में यह सारे परिवारवादी और तुष्टिकरण में डूबे दल नारी शक्ति से डरे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि यह परिवारवादी दल देश की उन बेटियों को विधानसभा और संसद नहीं आने देना चाहते हैं, जो कॉलेज कैंपस से लेकर पंचायतों और स्थानीय निकायों तक अपने दम पर नेतृत्व दे रही हैं। ये जानते हैं कि अगर धरातल पर काम करने वाली बेटियां ऊपर आ गईं तो इनका नियंत्रण खत्म हो जाएगा। इनकी सत्ता पर सवाल खड़े हो जाएंगे, इसलिए जो परिवारवादी दल हैं वह संसद में हुए विरोध में सबसे आगे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सुविधा और सुरक्षा का विश्वास देने के साथ-साथ हमने बहनों की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया है। बीते 11 वर्षों में देश की करीब 10 करोड़ बहनें स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं, इन समूहों को लाखों रुपए की मदद मिल रही है, जिससे बहनें अपना काम कर रही हैं। ऐसे ही प्रयासों से 3 करोड़ बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि काशी के सांसद के तौर पर, देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुझे देशहित के एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आपका आशीर्वाद चाहिए। और यह बड़ा लक्ष्य है, लोकसभा-विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण को लागू करना। उन्होंने कहा कि अभी हाल के दिनों में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसे दलों के कारण हमारा यह प्रयास संसद में सफल नहीं हो पाया, लेकिन मैं आप सभी बहनों को फिर से भरोसा देता हूं। इसमें कोई भी कसर बाकी नहीं रहेगी।

गुजरात के केमिकल फैक्ट्री हादसे पर एनएचआरसी ने लिया संज्ञान, 16 लोगों के घायल होने के मामले में मांगी विस्तृत रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक मीडिया रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लेते हुए गुजरात सरकार से जवाब मांगा है।

यह मामला 23 अप्रैल 2026 को गुजरात के भरूच जिले के झगड़िया जीआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में हुए धमाके और उसके बाद लगी आग से जुड़ा है। इस हादसे में कम से कम 16 मजदूर घायल हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआती जांच में यह संकेत मिला है कि इस दुर्घटना के पीछे तकनीकी खराबी या रासायनिक प्रक्रिया से जुड़ा कारण हो सकता है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और जांच जारी है। जांच में सभी अहम तथ्यों का समावेश किया गया है। सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

आयोग ने कहा है कि यदि मीडिया रिपोर्ट में दी गई जानकारी सही पाई जाती है, तो यह गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन का मामला हो सकता है। इसी आधार पर आयोग ने गुजरात के मुख्य सचिव और भरूच के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी किया है और दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

आयोग ने अपनी मांग में यह भी शामिल किया है कि रिपोर्ट में घायल मजदूरों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, घटना की जांच की प्रगति और यदि किसी प्रकार का मुआवजा दिया गया है, तो उसकी पूरी जानकारी दी जाए। 24 अप्रैल 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के बाद इस घटना को लेकर औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर इस बात पर चिंता जताई जा रही है कि फैक्ट्रियों में सुरक्षा नियमों का पालन कितना प्रभावी तरीके से किया जा रहा है और क्या मजदूरों की सुरक्षा को पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है या नहीं।

साइबर ठगी पर शिकंजा कसने की तैयारी, सुप्रीम कोर्ट में अटॉर्नी जनरल ने रखे सुझाव

नई दिल्ली। भारत में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों, विशेषकर 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम को लेकर अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने सुप्रीम कोर्ट में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की है। इस रिपोर्ट में विभिन्न हितधारकों से परामर्श के बाद कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं और इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कोर्ट से निर्देश जारी करने का आग्रह किया गया है।

रिपोर्ट में दूरसंचार विभाग को टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर यूजर पहचान प्रणाली को मजबूत करने की सिफारिश की गई है। इसके तहत टेलीकम्युनिकेशन (यूजर आइडेंटिफिकेशन) नियम और बायोमेट्रिक आइडेंटिटी वेरिफिकेशन सिस्टम को शीघ्र लागू करने पर जोर दिया गया है, ताकि सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया पर राष्ट्रीय स्तर पर निगरानी रखी जा सके।

इसके अलावा, सिम एक्टिवेशन में शामिल पॉइंट ऑफ सेल एजेंट्स के सत्यापन और उनकी जवाबदेही को सख्त करने का सुझाव दिया गया है। साइबर अपराधों में उपयोग हो रहे सिम कार्ड्स को तेजी से ब्लॉक करने के लिए एक प्रभावी व्यवस्था विकसित करने की भी बात कही गई है। रिपोर्ट में यह भी प्रस्तावित है कि टेलीकॉम कंपनियां जांच एजेंसियों को रियल-टाइम डेटा, जैसे सब्सक्राइबर एक्टिवेशन और अन्य जानकारी उपलब्ध कराएं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को सुझाव दिया गया है कि वह व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू करवाए। इनमें सिम बाइंडिंग मैकेनिज्म, लंबी अवधि तक चलने वाले स्कैम कॉल्स की पहचान और रोकथाम के उपाय और स्काइप जैसे प्लेटफॉर्म्स की तर्ज पर नए सुरक्षा फीचर्स शामिल हैं। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के साथ सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है।

रिपोर्ट में ऐसे डिवाइस की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करने की व्यवस्था बनाने की भी सिफारिश की गई है, जिससे वे नए नंबर के जरिए दोबारा अकाउंट न बना सकें। इसके अलावा, डिलीट किए गए अकाउंट्स का डेटा कम से कम 180 दिनों तक सुरक्षित रखने की बात कही गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तैयार स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर को मंजूरी देने और लागू करने का भी आग्रह किया गया है।

इसके तहत संदिग्ध खातों पर अस्थायी डेबिट रोक लगाने, साइबर वित्तीय धोखाधड़ी मामलों के लिए एक समान राष्ट्रीय ढांचा तैयार करने और विभिन्न हाईकोर्ट के आदेशों से उत्पन्न भ्रम को दूर करने का लक्ष्य रखा गया है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच सरकार का आश्वासन: नहीं बढ़ेंगी पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक तेल बाजार पर असर पड़ा है, लेकिन सरकार ने लोगों की चिंता कम करने की कोशिश की है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में बताया कि अभी पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी और सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।

उन्होंने कहा, 'एलपीजी, पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और उनकी कीमतें नहीं बढ़ी हैं, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि जरूरी ईंधन की कोई कमी नहीं है।

शर्मा ने माना कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण कच्चे तेल, एलपीजी और पाइप गैस (पीएनजी) के आयात पर असर पड़ा है, लेकिन सरकार ने इससे निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं।

उन्होंने बताया कि घरेलू एलपीजी और पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। साथ ही, परिवहन के लिए इस्तेमाल होने वाली सीएनजी की सप्लाई भी पूरी तरह जारी है।हालांकि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई कुछ हद तक प्रभावित हुई थी, लेकिन अब इसे लगभग 70 प्रतिशत तक बहाल कर दिया गया है। अस्पतालों और स्कूलों जैसे जरूरी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि दवा, स्टील, बीज और कृषि जैसे जरूरी उद्योगों को भी प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि किसी तरह की बड़ी समस्या न हो।

जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए 5 किलो वाले छोटे एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई लगभग दोगुनी कर दी गई है, जिन्हें खासकर प्रवासी मजदूर इस्तेमाल करते हैं।

सरकार का यह भरोसा ऐसे समय में आया है जब वेस्ट एशिया में अनिश्चितता के कारण वैश्विक तेल बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि देश में ईंधन की सप्लाई और कीमतें स्थिर बनी रहें।

दिल्ली में तीन करोड़ की हेरोइन नेटवर्क का भांडाफोड़

नई दिल्ली। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और क्राइम ब्रांच दिल्ली की संयुक्त टीम ने एक बड़े ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 20,000 रुपए के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया और उसके पास से हेरोइन बरामद की।

पुलिस के अनुसार, आरोपी को वाहन सहित पकड़ा गया, जिसमें से शुरुआती जांच में 100 ग्राम हेरोइन (स्मैक) बरामद हुई। आगे की जांच और तलाशी के बाद इस मामले में कुल 612 ग्राम हेरोइन बरामद की जा चुकी है। इस ड्रग की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

जांच एजेंसियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी दिल्ली में सक्रिय एक बड़े नशा तस्करी नेटवर्क का मुख्य सप्लायर था और लंबे समय से इस अवैध कारोबार में शामिल था। वह शहर में अलग-अलग इलाकों में ड्रग सप्लाई करने के लिए वाहन का इस्तेमाल करता था, जिसे अब पुलिस ने जब्त कर लिया है। इस पूरे ऑपरेशन को इंस्पेक्टर विकास पन्नू के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। कार्रवाई का संचालन एसीपी कुलदीप यादव के निर्देशन में हुआ, जबकि पूरी टीम पर क्राइम ब्रांच और एएनटीएफ के डीसीपी राहुल अलवाल की निगरानी रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने में सफलता मिली।

पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं और यह ड्रग सप्लाई किन-किन राज्यों तक फैली हुई थी। शुरुआती जांच में यह संकेत मिले हैं कि यह एक संगठित गिरोह है, जो लंबे समय से सक्रिय था और अलग-अलग माध्यमों से नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहा था।

फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरफ्तारी के बाद पूरे नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक भी जल्द पहुंचा जा सकेगा।

देश में मार्च में क्रेडिट कार्ड खर्च 24 प्रतिशत बढ़कर 2,194 अरब रुपए हुआ: रिपोर्ट

नई दिल्ली। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में मार्च में क्रेडिट कार्ड से होने वाला खर्च 24 प्रतिशत बढ़कर 2,194 अरब रुपए हो गया। यह बढ़ोतरी मौसमी कारणों और पिछले कम आधार की वजह से हुई है, हालांकि अब उपभोग की वृद्धि सामान्य होती दिख रही है।

असित सी. मेहता इन्वेस्टमेंट इंटरमीडिएट्स की रिपोर्ट के अनुसार, साल-दर-साल आधार पर यह वृद्धि 8.9 प्रतिशत रही, जो अपेक्षाकृत कम है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महीने-दर-महीने खर्च में आई तेज बढ़ोतरी स्थायी मांग में तेजी नहीं दिखाती, बल्कि यह मौसमी खर्च और आंकड़ों के प्रभाव का परिणाम है। अब सेक्टर तेजी के दौर से निकलकर सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहा है।

क्रेडिट कार्ड की संख्या में भी वृद्धि हुई है। कुल सक्रिय कार्ड करीब 8 प्रतिशत बढ़कर लगभग 11.8 करोड़ हो गए हैं, जिससे यूजर्स की संख्या लगातार बढ़ रही है।

मार्च में लगभग 9.3 लाख नए क्रेडिट कार्ड जारी किए गए, जो पिछले साल के मुकाबले 7.96 प्रतिशत ज्यादा हैं। इससे पता चलता है कि वृद्धि का मुख्य कारण नए ग्राहकों का जुड़ना है, न कि प्रति व्यक्ति खर्च में बड़ी बढ़ोतरी।

हालांकि खर्च के पैटर्न में मिला-जुला रुझान देखने को मिला। प्रति कार्ड औसत खर्च महीने-दर-महीने 22.8 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन सालाना आधार पर यह सिर्फ 0.9 प्रतिशत ही बढ़ा।

इसी तरह, प्रति ट्रांजैक्शन औसत खर्च भी महीने के आधार पर बढ़ा, लेकिन सालाना आधार पर इसमें गिरावट का रुझान जारी रहा, जिससे उपभोग की तीव्रता में ज्यादा सुधार नहीं दिखा।

भारत में 2024-25 में 357 मिलियन टन हुआ कृषि उत्पादन: उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

जम्मू। शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित सतत एवं जलवायु अनुकूल कृषि पारिस्थितिकी तंत्र: नवाचार एवं नीतिगत ढांचा विषय पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने वैज्ञानिकों, नवप्रवर्तकों और अन्य हितधारकों से जलवायु अनुकूलता विकसित करने और सतत कृषि पारिस्थितिकी तंत्रों को रूपांतरित करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत इस लड़ाई में अग्रणी है और 2024-25 में कृषि उत्पादन 357 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो 2023-24 की तुलना में 25 मिलियन टन अधिक है, जिसमें बागवानी का उत्पादन 362 मिलियन टन रहा, उच्च मूल्य वाली फसलों का विविधीकरण भी शामिल है।

उपराज्यपाल ने आगे कहा कि अन्य देशों से आगे बढ़कर भारत ने राष्ट्रव्यापी मृदा परीक्षण शुरू किया और 25 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए। किसानों के लिए ऋण सीमा 3 लाख रुपये से बढ़कर 5 लाख रुपये हो गई। एक राष्ट्रीय मिशन के तहत उच्च उत्पादकता वाले बीजों के लिए 100 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया गया। 2013-14 से लेकर अब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर दालों की खरीद में 7,350 फीसदी और तिलहन की खरीद में 1,500 फीसदी की वृद्धि हुई है। हालांकि, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव तीव्र होते जा रहे हैं और पिछले वर्ष विभिन्न राज्यों में भीषण मौसम की स्थिति देखी गई।

उपराज्यपाल ने आगे कहा कि अब समय आ गया है कि हम छोटे-मोटे बदलावों से आगे बढ़कर साहसिक, विज्ञान आधारित और किसान-केंद्रित परिवर्तन को अपनाएं। नीतियों में जलवायु-अनुकूल फसलों को बढ़ावा देना आवश्यक है। हमें प्रयोगशाला और कृषि भूमि के बीच की खाई को पाटना होगा और शोधकर्ताओं को जलवायु-अनुकूलित किस्मों का निर्माण अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनानी चाहिए।

वहीं, सोशल मीडिया एक्स पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लिखा, आज शाम 'द वेव्स ऑफ रेजिलियंस, स्टोरी ऑफ रेडियो शारदा' नामक पुस्तक के विमोचन में भाग लेकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

रेडियो शारदा के संस्थापक रमेश हांग्लू और इस पुस्तक को संकलित करने में योगदान देने वाले सभी लोगों को हार्दिक बधाई।

15 साल का साथ और 7 साल का बच्चा, फिर भी अपराध नहीं?

रायपुर। 15 साल साथ रहने के बाद नहीं कह सकते यौन शोषण! सुप्रीम कोर्ट ने महिला की याचिका खारिज करते हुए सुनाया ये । लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों के लिए अहम फैसला है। एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने लिव-इन रिश्तों को लेकर बेहद सख्त और स्पष्ट टिप्पणी की है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अगर कोई जोड़ा आपसी सहमति से सालों तक साथ रहता है और बाद में पार्टनर रिश्ता तोड़कर चला जाता है, तो इसे अपराध नहीं माना जा सकता। राजधानी रायपुर के युवा वर्ग और कानूनी जानकारों के बीच इस फैसले को लेकर अब बहस छिड़ गई है।

15 साल का साथ और 7 साल का बच्चा, फिर भी अपराध नहीं ?

मामला मध्य प्रदेश का है, जो अब सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। एक महिला ने अपने पूर्व लिव-इन पार्टनर पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाया था। महिला का कहना था कि उसके पति की मौत के बाद आरोपी ने शादी का वादा किया और 15 साल तक उसके साथ रहा। इस दौरान उनका एक 7 साल का बच्चा भी हुआ। जब पार्टनर उसे छोड़कर चला गया, तो महिला ने स्न्ड्डक्र दर्ज कराई। हालांकि, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने महिला से तीखे सवाल पूछे।

शादी से पहले साथ रहने में जोखिम तो रहता ही है

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दो-टूक लहजे में कहा, जब रिश्ता आपसी मर्जी से बना हो, तो उसमें अपराध का सवाल ही कहां उठता है? कोर्ट ने पूछा कि जब महिला को पता था कि कोई कानूनी बंधन (शादी) नहीं है, तो वह उस पुरुष के साथ रहने क्यों गई? जजों ने स्पष्ट किया कि लिव-इन रिलेशनशिप में हमेशा यह जोखिम रहता है कि कोई भी पार्टनर किसी भी दिन रिश्ता तोड़ सकता है। कोर्ट के अनुसार, पार्टनर का रिश्ता तोड़कर चले जाना कोई जुर्म नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने महिला को दिया ये सुझाव

महिला के वकील ने दलील दी कि आरोपी ने अपनी पहली शादी छिपाई थी। इस पर बेंच ने कहा कि अगर शादी हुई होती, तो आप दूसरी शादी (Bigamy) या गुजारा-भत्ते का केस कर सकते थे। चूंकि शादी नहीं हुई थी, इसलिए अब जेल भेजने से कुछ हासिल नहीं होगा। कोर्ट ने महिला को बच्चे के भविष्य के लिए कुछ अन्य रास्ते सुझाए हैं जिसके तहत महिला बच्चे के लिए गुजारा-भत्ता (Maintenance) की मांग कर सकती है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को आपसी सुलह (Mediation) के लिए जाने की सलाह दी। 7 साल के बच्चे के लिए आर्थिक मुआवजे के इंतजाम पर विचार करने को कहा।

रायपुर में शतायु महिला की सफल सर्जरी

यह मामला साबित करता है कि केवल उम्र जीवनरक्षक इलाज में बाधा नहीं बननी चाहिए

रायपुर। 102 वर्ष की उम्र में, जब अधिकांश लोग शारीरिक कमजोरी को जीवन का हिस्सा मान लेते हैं, तब रायपुर की पुष्पा देवी (नाम परिवर्तित) ने साहस, दृढ़ता और चिकित्सा संभावनाओं की एक नई मिसाल पेश की। उन्होंने एक जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक करवाई, जिसे कई लोग दशकों पहले भी करवाने से हिचकिचाते।

पिछले 12 वर्षों से वह सुप्राअम्बिलिकल हर्निया (नाभि के ऊपर होने वाला हर्निया) के साथ जीवन जी रही थीं। सपोर्ट बेल्ट की मदद से उन्होंने अपनी स्थिति को संभाला और सक्रिय एवं स्वतंत्र जीवन जीती रहीं। उनकी दिनचर्या लगभग सामान्य थी, जब तक कि यह समस्या गंभीर रूप नहीं ले बैठी। हर्निया धीरे-धीरे बढ़ता गया और अंततः अवरुद्ध (ऑब्स्ट्रक्टेड) हो गया, जिससे उन्हें तेज दर्द होने लगा और यह उनकी जान के लिए तत्काल खतरा बन गया। इसी दौरान उन्हें पित्ताशय (गॉलब्लैडर) में पथरी की भी समस्या का पता चला, जिससे चिकित्सकीय स्थिति और जटिल हो गई।

102 वर्ष की उम्र में सर्जरी का निर्णय बिल्कुल आसान नहीं था। परिवार के सामने वही सवाल था, जिसका सामना कई लोग ऐसे समय में करते हैं—क्या इस उम्र में सर्जरी का जोखिम उठाना सही होगा? एनेस्थीसिया, रिकवरी और शरीर की सहनशक्ति को लेकर चिंताएं स्वाभाविक थीं।

लेकिन जब हर्निया अवरुद्ध हो गया, तब सोच-विचार के लिए समय नहीं बचा। स्थिति ने तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। तभी रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल की टीम आगे आई।

डॉ. संदीप डेव, डायरेक्टर - रोबोटिक सर्जरी, के नेतृत्व में डॉ. सिद्धार्थ तमस्कर विभागाध्यक्ष, मिनिमल एक्सेस सर्जरी, डॉ. जव्वाद नक़वी, डॉ. विक्रम शर्मा और डॉ. शमीक डेव की टीम ने इस मामले को अत्यंत सावधानी और सटीक योजना के साथ संभाला। मरीज की उम्र को देखते हुए प्री-ऑपरेटिव जांच, एनेस्थीसिया प्रबंधन और पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल—हर पहलू पर विशेष सतर्कता बरती गई।

कार डिवाइडर से टकराकर ट्रक में घुसी, एक परिवार के तीन लोगों की मौत

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में मंगलवार तड़के एक कार के सड़क डिवाइडर से टकराने और फिर एक ट्रक में जा घुसने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए, पुलिस ने बताया।

यह हादसा चांपा-फरसवानी मार्ग पर एक टोल प्लाजा के पास करीब सुबह 2 बजे हुआ, जब पीड़ित एक शादी के रिसेप्शन से लौट रहे थे, एक पुलिस अधिकारी ने बताया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पड़ोसी कोरबा जिले के निहारिका क्षेत्र के निवासी परिवार के सदस्य समारोह में शामिल होने चांपा गए थे और लौटते समय यह दुर्घटना हुई, उन्होंने कहा।

अधिकारी के अनुसार, उनकी कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर एक खड़े ट्रक में जा घुसी।

कार में सवार तीन लोगों—मोंगरा सोनी (45), देवेंद्र सोनी (22) और ढाई साल के बच्चे प्रियांश—की मौके पर ही मौत हो गई, उन्होंने बताया।

तीन घायलों को उपचार के लिए चांपा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य दो की स्थिति स्थिर है, अधिकारी ने कहा।

शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की आगे जांच जारी है, उन्होंने जोड़ा।

छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र

रायपुर। शासन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और समग्र कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने वृद्धजनों के लिए एक मजबूत और संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा तंत्र विकसित किया है, वहीं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में विभागीय योजनाएँ प्रभावी रूप से धरातल पर क्रियान्वित हो रही हैं। इन प्रयासों से वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

सरल प्रक्रिया, सहज लाभ

राज्य में वरिष्ठ नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए किसी अलग 'सीनियर सिटीजन कार्ड' की आवश्यकता नहीं है। आधार कार्ड एवं अन्य वैध दस्तावेजों के माध्यम से आयु और पात्रता का सत्यापन कर सीधे लाभ प्रदान किया जा रहा है, इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सरल और सुलभ बनी है।

प्रदेश के राजधानी रायपुर सहित विभिन्न जिलों में संचालित 27 वृद्धाश्रम निराश्रित एवं असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित आश्रय बनकर उभरे हैं। वर्तमान में यहां 675 वृद्धजन लाभान्वित हो रहे हैं। यहाँ निःशुल्क आवास, पौष्टिक भोजन, वस्त्र और अन्य आवश्यक सुविधाएँ नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिल रहा है।

गंभीर रूप से बीमार एवं बिस्तर पर आश्रित वृद्धजनों के लिए राज्य में 13 प्रशामक गृह संचालित हैं। वर्तमान में रायपुर, कबीरधाम, दुर्ग, बालोद, रायगढ़ एवं बेमेतरा में 140 वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। इन केंद्रों में निरंतर देखभाल, उपचार सहयोग और आवश्यक सेवाएँ प्रदान की जाती हैं, जिससे संवेदनशील स्थिति में भी उन्हें मानवीय और सम्मानजनक जीवन मिल सके।

प्रचंड गर्मी से झुलस रहा प्रदेश, पारा 43 डिग्री के पार!

रायपुर। राजधानी रायपुर समेत पूरा प्रदेश भीषण गर्मी से तप रहा है। करीब तीन साल बाद ऐसा हो रहा है जब लगातार 16 दिनों से अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं आया है। दिन की झुलसाने वाली धूप के बाद रात में भी गर्म हवाओं से राहत नहीं मिल रही, जिससे लोग बेहाल हैं। राज्य के मध्य इलाकों में अब भी लू जैसे हालात बने हुए हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान कुछ स्थानों पर हल्की बारिश जरूर दर्ज की गई, लेकिन गर्मी का असर बरकरार है। राजनांदगांव में सर्वाधिक तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा की दिशा बदलने के कारण जांजगीर, रायगढ़ और बिलासपुर के कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई, जिससे थोड़ी राहत मिली। वहीं जगदलपुर सहित बस्तर क्षेत्र में मौसम सामान्य रहा, लेकिन मध्य भाग अब भी भीषण गर्मी की चपेट में है। लालपुर मौसम केंद्र में पिछले दो दिनों से 44-45 डिग्री की गर्मी के बाद सोमवार को बादलों और तेज हवा के कारण तापमान में करीब 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

छत्तीसगढ़ बोर्ड आज जारी करेगा कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा के नतीजे

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित करने की तैयारी में है। राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने आधिकारिक रूप से पुष्टि की है कि कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणाम बुधवार को घोषित किए जाएंगे।

औपचारिक घोषणा बुधवार दोपहर 2:30 बजे की जाएगी, जिससे छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की हफ्तों से जारी प्रतीक्षा समाप्त हो जाएगी। इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं का स्तर काफी व्यापक रहा, जो राज्य के युवाओं की शैक्षणिक आकांक्षाओं को दर्शाता है। आंकड़ों के अनुसार, कक्षा 10वीं की हाई स्कूल परीक्षा में लगभग 3.21 लाख उम्मीदवार शामिल हुए, जबकि कक्षा 12वीं की उच्चतर माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में लगभग 2.45 लाख छात्र शामिल हुए। कुल मिलाकर, बुधवार को साढ़े पांच लाख से अधिक छात्रों का रिजल्ट आने वाला है। छात्रों के लिए अपने संदेश में छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि ये परिणाम केवल संख्यात्मक अंक नहीं हैं।

उन्होंने इसे वर्षों के कठोर अनुशासन, मेहनत और परिवारों व शिक्षकों द्वारा दिए गए निरंतर मार्गदर्शन की परिणति बताया।

मंत्री ने सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनसे आग्रह किया कि वे परीक्षा परिणाम चाहे जैसे भी हों, शांत और धैर्यपूर्ण व्यवहार बनाए रखें। उन्होंने छात्रों को सकारात्मक मानसिकता के साथ परिणाम स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि हर शैक्षणिक उपलब्धि एक नई यात्रा की नींव होती है तथा हर युवा व्यक्ति में अपने चुने हुए भविष्य के मार्ग में उत्कृष्टता प्राप्त करने की क्षमता होती है।

गुस्साए आप के कार्यकर्ताओं ने संदीप पाठक के घर पर प्रदर्शन किया

गुस्से में आप के ने संदीप पाठक के घर पर प्रदर्शन किया...दीवार पर लिखा 'गद्दार'...

मुंगेली। दल-बदल का असर छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिल रहा है। यहां मुंगेली जिले के लोरमी में आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश प्रभारी और डेमोक्रेट संदीप पाठक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

हाल ही में संदीप पाठक के आप में शामिल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से नाराज कार्यकर्ता अपने बटहा स्थित घर पहुंचे, जहां उन्होंने हंगामा किया। प्रदर्शन के दौरान घर की दीवार पर 'गद्दार' की किताब को स्पष्ट रूप से लिखा। इस पूरे घटनाक्रम की तस्वीरें सोशल प्लेटफॉर्म मीडिया एक्स (ट्विटर) पर भी शेयर की गई हैं, जो तेजी से वायरल हो रही

असल, संदीप पाठक को आप के प्रमुख रणनीतिकारों में शामिल किया जा रहा है और उन्हें अरविंद केजरीवाल का करीबी माना जाता है। राष्ट्रीय संगठन के संगठन के रूप में उन्होंने कई राज्यों में संगठन खड़ा किया और वैश्वीक रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। छत्तीसगढ़ में भी उन्हें करीब एक साल पहले प्रभारी सचिव संगठन विस्तार की जिम्मेदारी दी गई थी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पाठक का दल राज्य में आप के शेयरधारकों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। खासकर 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक जीत के पीछे उनकी रणनीति को अहम बताया गया है। इसी के बाद उन्हें अप्रैल 2022 में समाजवादी गणराज्य बनाया गया। अब उनकी बीजेपी में शामिल होने के बाद प्रदेश की राजनीति में नए पोजिशन नजर आ रहा है।

21 करोड़ की फोरेंसिक वैन बेकार, जांच के इंतजार में...

रायपुर। केंद्र सरकार के नए बीएनएस कानून के तहत गंभीर मामलों में फोरेंसिक जांच अनिवार्य किए जाने के बावजूद संसाधनों का सही तरीके से उपयोग नहीं हो पा रहा है।

छत्तीसगढ़ में अपराध जांच को आधुनिक और तेज बनाने के उद्देश्य से सरकार ने 21.35 करोड़ रुपए खर्च कर 35 मोबाइल फोरेंसिक वैन खरीदीं, लेकिन खरीदी के करीब चार महीने बाद भी ये वाहन जिलों तक नहीं पहुंच पाए हैं और अमलेश्वर में खड़े हैं।

पहले किसी केस की फोरेंसिक रिपोर्ट 2-3 दिनों में मिल जाती थी, अब वही रिपोर्ट आने में 3 से 4 हफ्ते लग रहे हैं। प्रदेश के किसी भी जिले में गंभीर अपराध होने पर अब भी सैंपल जांच के लिए रायपुर की फोरेंसिक लैब भेजे जा रहे हैं, जिससे वहां काम का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

रायपुर की हाईटेक लैब में डीएनए जांच, डिजिटल साक्ष्य, हथियार, विस्फोटक और विभिन्न जैविक नमूनों की जांच की जा रही है, लेकिन पूरे राज्य का भार एक ही जगह होने से प्रक्रिया धीमी हो गई है। विभाग का कहना है कि वाहनों को जिलों में भेजने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और एक सप्ताह के भीतर इन्हें रवाना कर दिया जाएगा, जिसके बाद जांच व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है।

निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने बिरगांव निगम आयुक्त को सौपा ज्ञापन

रायपुर। निजी स्कूलों की मनमानी और लूट के खिलाफ अभिभावकों की आवाज को बुलंद करने के लिए देवांगन कल्याण समाज के धर्म प्रचार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भी अभिभावको के साथ खड़ा हो चुके हैं । मंगलवार को देवांगन समाज के धर्म प्रचार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष लाल देवांगन ने अभिभावकों के साथ जाकर निजी स्कूलों की फीस वृद्धि और मनमानी पर सवाल उठाते हुए स्कूलों पर लगाम लगाने और सरकारी स्कूल की तरह निजी स्कूल का संचालन हो इसका मांग करते हुए निगम आयुक्त को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन के संबंध में धर्म प्रचार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भीखम लाल देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया कि निजी शिक्षण संस्थानों की मनमानी और शिक्षा विभाग की उदासीनता ने अभिभावकों की कमर तोड़ दी है। निजी स्कूल संचालक बच्चों की यूनिफॉर्म, किताबें और स्टेशनरी बाजार से खरीदने की अनुमति नहीं दे रहे हैं, जिससे अभिभावकों को मजबूरन स्कूल द्वारा निर्धारित दुकानों से ये सामग्रियां खरीदनी पड़ रही हैं। अभिभावकों के साथ निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपने गए प्रदेश अध्यक्ष ने आगे यह भी बताया कि बिरगांव नगर निगम सीमा क्षेत्र में जितने भी प्राइवेट स्कूल चल रहे हैं सभी केवल दुकानदारी चला रहे हैं ऐसा लगता है कि स्कूल के नाम पर मानो उन्होंने एक किराने की दुकान खोल ली है जिसमें स्कूल ड्रेस बेचा जा रहा है पुस्तक कॉपी बेची जा रही है और तो और बैग जूता मोजा से लेकर सभी सामग्रियों को निजी स्कूलों के द्वारा बेचा जा रहा है।

'प्रोजेक्ट धड़कन' से 2 साल की पारूल को मिला नया जीवन

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट धड़कन के माध्यम से नारायणपुर के ब्रेहबेड़ा गांव की रहने वाली 2 वर्षीय पारूल दुग्गा जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित थी जिसका रायपुर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में सफल ऑपरेशन किया गया है।

मंगलवार को जानकारी दी गयी की अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्र की रहने वाली पारूल को अक्सर जल्दी थकान और कमजोरी की समस्या रहती थी जिससे वह सामान्य बच्चों की तरह खेलकूद नहीं पाती थी। फरवरी 2026 में जिले में शुरू किए गए प्रोजेक्ट धड़कन अभियान के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन जांच की गई। इस स्क्रीनिंग प्रक्रिया के दौरान 3000 से अधिक बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें पारूल सहित तीन बच्चों में गंभीर हृदय रोग के लक्षण पाए गए।

चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह पर शासन और जिला प्रशासन के समन्वय से इन बच्चों को बेहतर इलाज के लिए रायपुर भेजा गया। पारूल की स्थिति को देखते हुए 10 अप्रैल 2026 को रायपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उसकी हृदय सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की। अस्पताल में आवश्यक देखभाल और उचित उपचार के बाद बच्ची अब पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुकी है।

नारायणपुर जिला प्रशासन के अनुसार इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य दूरस्थ क्षेत्रों के उन बच्चों तक पहुंचना है जिन्हें उचित जांच के अभाव में समय पर इलाज नहीं मिल पाता। प्रोजेक्ट धड़कन के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाएं अब सीधे उन गांवों तक पहुंच रही हैं जहां भौगोलिक परिस्थितियों के कारण चिकित्सा सेवाएं पहुंचना चुनौतीपूर्ण रहता है। शासन का प्रयास है कि आने वाले समय में स्क्रीनिंग के दायरे को और बढ़ाकर अधिक से अधिक बच्चों को इस स्वास्थ्य सुरक्षा चक्र से जोड़ा जाए ताकि समय पर उपचार सुनिश्चित कर बाल स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

लद्दाख के नए 5 जिलों में डीसी और एसपी की नियुक्ति, एलजी वी.के. सक्सेना ने दी मंजूरी

श्रीनगर। लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने मंगलवार को केंद्र शासित प्रदेश के नवगठित पांच जिलों में डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। यह जानकारी उपराज्यपाल सचिवालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से डीसी और एसपी की जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

प्रशासन ने बताया कि नए पांच जिलों के गठन के एक दिन बाद ही उपराज्यपाल ने इन पदों पर नियुक्तियों को मंजूरी देकर प्रशासनिक कार्य तुरंत शुरू करने का रास्ता साफ कर दिया है। नवगठित जिलों नुब्रा, शैम, चांगथांग, जांस्कर और द्रास में डीसी तथा एसपी के पद भर दिए गए हैं। इस फैसले का उद्देश्य शासन व्यवस्था को तुरंत लागू करना, कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और दूरदराज के इलाकों तक प्रशासन को पहुंचाना है।

उपराज्यपाल सक्सेना ने नव नियुक्त अधिकारियों से बिना देरी अपने-अपने जिलों का कार्यभार संभालने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ काम करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और समावेशी विकास सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि अधीनस्थ अधिकारियों के बाकी पदों को भी प्राथमिकता के आधार पर भरा जाएगा। साथ ही आवश्यक संसाधनों और व्यवस्थाओं को भी जल्द पूरा किया जाएगा, ताकि प्रशासन सुचारू रूप से काम कर सके। उपराज्यपाल ने कहा कि दीर्घकालिक प्रशासनिक और विकास लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए मजबूत प्रशासनिक ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिससे नए जिलों के गठन का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकेंद्रीकृत शासन व्यवस्था से सेवाओं की डिलीवरी बेहतर होगी, प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी और जमीनी स्तर पर कानून-व्यवस्था मजबूत होगी। इस बीच लेह और कारगिल के मौजूदा जिला प्रशासन अपने वर्तमान अधिकारियों के साथ काम करते रहेंगे और संक्रमण काल में नए जिलों के प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखेंगे।

महिला आरक्षण के लिए पीएम मोदी ने किए प्रयास, विपक्ष ने रची साजिश : सीएम योगी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न लोक-कल्याणकारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया तथा 'महिला सम्मेलन' में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर तीखा प्रहार भी किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी सिक्किम और पश्चिम बंगाल के दौरे के बाद सीधे काशी पहुंचे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि समाज में केवल चार ही प्रमुख वर्ग हैं, नारी, गरीब, युवा और अन्नदाता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह दृष्टिकोण व्यापक है और इसके सकारात्मक परिणाम विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी को लेकर पहले जो धारणा थी, वह अब पूरी तरह बदल चुकी है और यह शहर आज दुनिया भर के आकर्षण का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास और विरासत का सुंदर समन्वय देखने को मिल रहा है और काशी आज नए स्वरूप में वैश्विक मंच पर उभर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 से 12 वर्षों में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए व्यापक अभियान चलाया है। उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया, लेकिन विपक्ष ने साजिश के तहत इसका विरोध किया।

मैड्रिड ओपनः सिनर ने नॉरी को हराकर क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

मैड्रिड। वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर ने मंगलवार को सीधे सेटों में कैमरून नॉरी को मात देकर मैड्रिड ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। मनोलो सैन्टाना स्टेडियम में दिन की शुरुआत में खेलते हुए, सिनर ने एटीपी टूर पर अपनी पहली ही भिड़ंत में 6-2, 7-5 से जीत दर्ज की। करीब 87 मिनट तक चले इस मुकाबले में सिनर ने बेहतरीन नियंत्रण और संयम दिखाया। यह टूर स्तर पर उनकी लगातार 20वीं, जबकि मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार 25वीं जीत है।

सिनर ने शुरुआती सेट में पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा। उन्होंने नॉरी को एक भी ब्रेक-प्वाइंट का मौका नहीं दिया और बेसलाइन से ही खेल को नियंत्रित किया। पूरे मुकाबले के दौरान उन्होंने शानदार तीव्रता दिखाई, हालांकि दूसरे सेट के बीच में एक छोटा सा भटकाव आया, जब 3-2 की बढ़त के बाद उन्होंने अपनी सर्विस गंवा दी, जिससे नॉरी को मुकाबले में बने रहने का मौका मिल गया।

ब्रिटिश खिलाड़ी ने किसी तरह वापसी करते हुए मुकाबले में अपनी जगह बनाई, लेकिन निर्णायक मोड़ पर वह दबाव को झेल नहीं पाए। 5-5 के स्कोर पर सर्विस करते समय, नॉरी 15/30 पर एक 'डबल फॉल्ट' कर बैठे और, दो ब्रेक-प्वाइंट्स बचाने के बावजूद, अंततः अपनी सर्विस गंवा दी। इसके बाद सिनर ने अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और मैच को अपने नाम कर लिया।

इस नतीजे के साथ, सिनर अंतिम-8 चरण में पहुंच गए हैं, जहां उनका मुकाबला या तो स्पेन के युवा खिलाड़ी राफेल जोडर से होगा या चेक गणराज्य के खिलाड़ी विट कोप्रिवा से। पिछले साल के अंत में पेरिस में और इस सीजन में इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे-कार्लो में खिताब जीतने के बाद, अब वह लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनने की दौड़ में शामिल हो गए हैं।

इस जीत ने सिनर को एक खास क्लब में भी शामिल कर दिया। वह नोवाक जोकोविच (2011 और 2015) के बाद दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने एक ही सीजन में अपने पहले 20 मास्टर्स 1000 मैच जीते हैं। एटीपी के अनुसार, सिनर ने कहा, 'मेरे लिए यह काफी असामान्य है। मुझे याद नहीं कि पिछली बार मैंने 11 बजे कब खेला था, लेकिन मेरे लिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि समय क्या है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता हूं। हम खुद को, अपने शरीर को और अपने दिमाग को ढालने की कोशिश करते हैं।

पंजाब रेल ट्रैक ब्लास्ट : आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

चंडीगढ़। धमाके के 24 घंटे से भी कम समय में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब पुलिस ने मंगलवार को पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित एक 'खालिस्तान समर्थक' आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया।

यह मॉड्यूल शंभू शहर के पास रेलवे ट्रैक पर देर रात धमाके की कोशिश के लिए जिम्मेदार था। पुलिस ने इस मामले में चार कट्टरपंथी और आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से भारी मात्रा में आतंकवादी उपकरण बरामद किए गए।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मानसा के प्रदीप सिंह खालसा, मानसा के बप्पियाना गांव के कुलविंदर सिंह उर्फ बग्गा, तरनतारन के पंजवार के सतनाम सिंह उर्फ सत्ता और तरनतारन के गोइंदवाल बाईपास के गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी के रूप में हुई है। आरोपियों के खिलाफ विभिन्न जघन्य अपराधों के मामले दर्ज हैं।

बरामद किए गए सामान में एक हैंड ग्रेनेड, दो 30 बोर पिस्तौलें, गोला-बारूद, विस्फोटों में इस्तेमाल किए जाने वाले तकनीकी रूप से संचार उपकरण और लैपटॉप शामिल हैं, जिनका उपयोग वे अपने संचालकों के साथ संवाद करने के लिए करते थे।

पटियाला रेंज के उप महानिरीक्षक कुलदीप चहल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वरुण शर्मा ने मीडिया को बताया कि रेलवे ट्रैक पर विस्फोट के प्रयास के लिए जिम्मेदार आतंकी मॉड्यूल का रिकॉर्ड 12 घंटे के अंदर पर्दाफाश हो गया। उन्होंने कहा कि आरोपी खालसा इस मॉड्यूल का मुख्य सरगना था और मलेशिया स्थित खालिस्तान समर्थक आतंकवादी के साथ-साथ पाकिस्तान स्थित हथियार आपूर्तिकर्ताओं के भी करीबी संपर्क में था। उन्होंने बताया कि आरोपी खालसा कट्टरपंथी युवाओं को आतंकी प्रशिक्षण के लिए मलेशिया भेजता था और फिर उन्हें आतंकी गतिविधियों का काम सौंपता था। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी ने 'चलदा वहीर चक्रवर्ती, अतरिये' नाम से एक कट्टरपंथी संगठन भी बनाया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने शंभू रेलवे स्टेशन पर मुख्य लाइन पर कम तीव्रता वाला आईईडी विस्फोट किया था।

सीमा पर भोटेकोशी नदी किनारे चीन के दीवार निर्माण का नेपाल ने जताया विरोध

काठमांडू। चीन ने नेपाल-चीन सीमा पर भोटेकोशी नदी के किनारे अपनी तरफ एक सुरक्षा दीवार बनानी शुरू की है, जिससे नेपाल में काफी विरोध हो रहा है।

नेपाल को चिंता है कि इस निर्माण से नदी का रास्ता बदल सकता है। इसका असर नेपाल की तरफ पड़ सकता है। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि चीन का यह कदम 1963 में दोनों देशों के बीच हुए सीमा समझौते का उल्लंघन है। इस समझौते के मुताबिक, सीमा पर कोई भी निर्माण करने से पहले एक-दूसरे को जानकारी देना जरूरी है।

समझौते में यह भी साफ लिखा है कि कोई भी देश अकेले अपने स्तर पर सीमा से जुड़ी नदी का रास्ता नहीं बदल सकता।

नेपाल के गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने आईएएनएस को जानकारी देते हुए इस बात की पुष्टि की है कि चीन अपनी सीमा के अंदर ही नदी के किनारे यह दीवार बना रहा है। भोटेकोशी नदी सिंधुपालचौक जिले के तातोपानी बॉर्डर पॉइंट से होकर गुजरती है और कुछ हिस्सों में यह दोनों देशों के बीच प्राकृतिक सीमा का काम करती है। सिंधुपालचौक के मुख्य जिला अधिकारी राम कृष्ण अधिकारी ने भी कहा कि दीवार चीन की तरफ ही बनाई गई है। यह निर्माण दोनों देशों के आपसी समझौते के दायरे में आता है या नहीं, इसका फैसला संबंधित नेपाली अधिकारी करेंगे।

गृह मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार, सिंधुपालचौक के जिला प्रशासन ने हाल ही में इस निर्माण की जानकारी सरकार को दी थी, जिसके बाद मामला विदेश मंत्रालय को भेजा गया, ताकि कूटनीतिक स्तर पर कार्रवाई की जा सके।

बैंक फ्रॉड-मनी लॉन्ड्रिंग केसः ईडी ने आर-कॉम से जुड़ी 3034 करोड़ की संपत्तियां कुर्क कीं

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक बड़े मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड की 3034.90 करोड़ रुपये की संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त कर ली हैं। इस कार्रवाई के साथ ही रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) से जुड़े मामलों में कुल जब्ती की राशि 19,344 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 5 के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य संपत्तियों को नष्ट या स्थानांतरित होने से बचाना और बैंकों व आम जनता के हितों की रक्षा करना है। इस पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की जा रही है। जांच में आरएएजी समूह से जुड़े उन मामलों की पड़ताल की जा रही है, जिनमें बैंकिंग प्रणाली और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप शामिल हैं। ईडी की कार्रवाई कई सीबीआई एफआईआर के आधार पर शुरू हुई, जो भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और भारतीय जीवन बीमा निगम जैसी संस्थाओं की शिकायतों पर दर्ज की गई थीं। इन शिकायतों में कंपनी, अनिल डी. अंबानी और अन्य के खिलाफ गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।

पत्नी की हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद की सजा पर लगाई रोक, आरोपी को जमानत

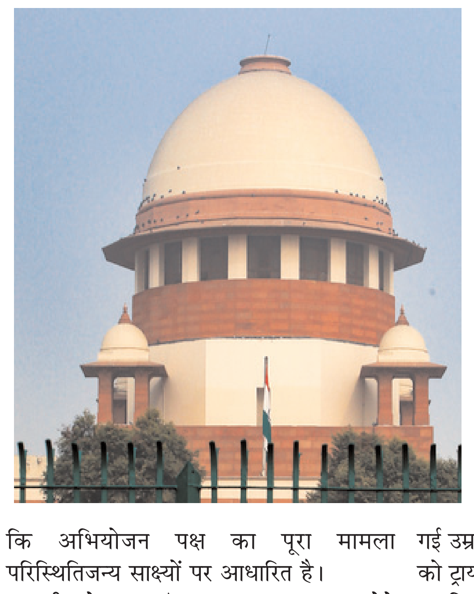

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पत्नी की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे एक दोषी की सजा पर रोक लगाते हुए उसे जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि मामला पूरी तरह परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में लंबित अपील पर निकट भविष्य में सुनवाई की संभावना नहीं है।

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ शिवेंद्र द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसकी सजा निलंबित करने की मांग खारिज कर दी गई थी।

शिवेंद्र को ट्रायल कोर्ट ने सह-आरोपी के साथ पत्नी की हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके बाद उसने हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दाखिल कर दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 389(1) के तहत सजा स्थगित करने की मांग की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले के तथ्यों पर गौर करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है।

पीठ ने कहा, 'हम इस तथ्य पर ध्यान देते हैं कि पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर टिका है।' अदालत ने यह भी माना कि याचिकाकर्ता करीब आठ साल जेल में बिता चुका है। साथ ही मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में लंबित मामलों की स्थिति पर भी टिप्पणी की।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल हाईकोर्ट वर्ष 2013 और 2014 की आपराधिक अपीलों पर अंतिम सुनवाई कर रहा है, जबकि याचिकाकर्ता की अपील वर्ष 2018 की है। ऐसे में उसकी सुनवाई आने तक आरोपी को तीन से चार साल और जेल में रहना पड़ सकता है।

पीठ ने कहा, 'मामले के समग्र दृष्टिकोण को देखते हुए हम याचिकाकर्ता के पक्ष में विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए तैयार हैं।' इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए आरोपी को ट्रायल कोर्ट द्वारा तय शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

अदालत ने स्पष्ट किया कि यह राहत मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में लंबित आपराधिक अपील के अंतिम निस्तारण तक प्रभावी रहेगी।

चीन में आंधी तूफान को लेकर अलर्ट, भारी बारिश से जीवन अस्त-व्यस्त

बीजिंग। दक्षिणी चीन में तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है। चाइना नेशनल मीटियोरोलॉजिकल सेंटर (चीनी राष्ट्रीय मौसम विज्ञान) ने मंगलवार को गंभीर संवहनीय (कन्वेक्टिव) मौसम के लिए ब्लू अलर्ट और भारी वर्षा के लिए येलो अलर्ट को बरकरार रखा है।

मौसम एजेंसी के अनुसार, मंगलवार सुबह 8 बजे शुरू हुई बारिश बुधवार सुबह 8 बजे तक जारी रहेगी। इसके साथ ही दक्षिणी और दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं और ओलावृष्टि हो सकती है। कुछ इलाकों में हवा की रफ्तार 62 किमी प्रति घंटे से अधिक रहने का अनुमान है, जबकि गुआंग्शी झुआंग के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में यह 89 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। अल्प अवधि में अत्यधिक वर्षा की भी चेतावनी दी गई है। दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों में प्रति घंटे 20 मिमी से अधिक बारिश हो सकती है, जबकि गुयांगदोंग प्रोविन्स और गुआंग्शी के कुछ हिस्सों में यह 50 मिमी प्रति घंटे से भी अधिक हो सकती है। इसके अलावा, भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का खतरा भी बना हुआ है। चोंगकिंग, युन्नान प्रांत, हू आई और नदी के दक्षिणी क्षेत्र के अलावा यांग्त्जी नदी के दक्षिणी इलाकों में तेज बारिश की आशंका जताई गई है।

कुछ क्षेत्रों—जैसे अनहुई प्रांत, जियांग्शी प्रांत, गुआंग्शी और गुआंगडोंग—में 100 से 130 मिमी तक वर्षा हो सकती है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज तूफानों और भारी बारिश के संयुक्त प्रभाव से अचानक बाढ़, भूस्खलन और शहरी जलभराव का खतरा बढ़ सकता है, खासकर पहाड़ी और निचले इलाकों में। इस बीच, सरकारी मीडिया ने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ की वजह से दक्षिणी चीन के एक शहर से 200 से ज्यादा निवासियों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा और कई कारें पानी में डूबती उतराती भी देखी गईं।

महिला टी20 विश्व कप 2026 : इंग्लैंड टीम का ऐलान, 18 वर्षीय टिली कोलमैन को मिली जगह

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। बाएं हाथ की 18 वर्षीय अनकैप्ड स्पिन गेंदबाज टिली कोर्टीन-कोलमैन को पहली बार इंग्लिश टीम में जगह दी गई है।

टिली कोलमैन सोफी एक्लेस्टोन और चार्ली डीन के साथ मिलकर इंग्लैंड के स्पिन अटैक को मजबूती प्रदान करेंगी। टिली कोलमैन का प्रदर्शन हाल ही में हुए 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में शानदार रहा था। उन्होंने 9 मुकाबलों में 5.75 के शानदार इकोनॉमी रेट से 11 विकेट चटकाए थे। सदर्न ब्रेव को फाइनल तक पहुंचाने में कोलमैन ने अहम भूमिका निभाई थी। घरेलू वनडे मुकाबलों में भी उन्होंने अपनी गेंदबाजी से खासा प्रभावित किया है। वह 7 पारियों में 10 विकेट निकाल चुकी हैं।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम की घोषणा की। इस मेगा इवेंट के लिए इंग्लैंड टीम की कप्तानी साइवर-ब्रंट के हाथों में सौंपी गई है। वहीं, चार्ली डीन उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी।

संपादकीय

राजा रवि वर्मा के चित्रों में जीवित गौरवशाली भारतीय परंपरा

महेन्द्र तिवारी

भारतीय चित्रकला के गौरवशाली इतिहास में राजा रवि वर्मा एक ऐसे युगपुरुष के रूप में प्रतिष्ठित हैं जिन्होंने अपनी कूची और रंगों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को एक नई पहचान और वैश्विक गरिमा प्रदान की। 29 अप्रैल 1848 को केरल के किलिमनूर नामक छोटे से गांव में जन्मे इस महान कलाकार ने उस समय कला की साधना प्रारंभ की जब वह केवल राजदरबारों की दीवारों और प्राचीन मंदिरों के गर्भगृहों तक ही सीमित थी। रवि वर्मा का जन्म एक ऐसे कुलीन परिवार में हुआ था जहाँ कला, साहित्य और संस्कृति का संगम पहले से ही विद्यमान था और इसी वातावरण ने उनकी अंतर्निहित प्रतिभा को पल्लवित होने का सुअवसर प्रदान किया। बचपन से ही उनके हाथों में रंगों और रेखाओं का जो जादू था उसे उनके परिवार ने शीघ्र ही पहचान लिया और उन्हें कला के क्षेत्र में निरंतर प्रोत्साहित किया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा के साथ ही चित्रकला का अभ्यास निरंतर चलता रहा और शीघ्र ही उनकी ख्याति त्रावणकोर के महाराजा तक पहुँच गई। महाराजा के संरक्षण ने रवि वर्मा के जीवन को एक निर्णायक मोड़ दिया जहाँ उन्हें न केवल संसाधन उपलब्ध हुए बल्कि वैश्विक कला की बारीकियों को समझने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

उस दौर में भारत में तैल चित्रकला की प्रविधि बहुत कम प्रचलित थी और भारतीय कलाकार मुख्य रूप से पारंपरिक शैलियों में ही कार्य कर रहे थे। रवि वर्मा ने यूरोपीय शैली की यथार्थवादी कला का गहराई से अध्ययन किया और उसे भारतीय विषयों के साथ समाहित करने का साहसिक प्रयास किया। उन्होंने अपनी कला में पाश्चात्य प्रविधि और भारतीय आत्मा का जो संगम किया उसने चित्रकला के इतिहास में एक नवीन अध्याय जोड़ दिया। उनकी कला की सबसे विलक्षण विशेषता यह थी कि उन्होंने भारतीय पौराणिक कथाओं के पात्रों को मानवीय संवेदनाओं के साथ जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों के जो पात्र अब तक केवल कल्पनाओं या पांडुलिपियों के विवरणों तक ही सीमित थे वे रवि वर्मा के चित्रों में हाड़-मांस के मनुष्य की तरह जीवंत होकर सामने आए। उनके द्वारा चित्रित राम, सीता, कृष्ण, द्रौपदी और शकुंतला के चित्रों में भावनाओं की जो गहराई और चेहरों पर जो भाव विद्यमान थे उन्होंने जनमानस के हृदय को स्पर्श किया। विशेष रूप से देवी लक्ष्मी और सरस्वती के जो स्वरूप उन्होंने अपनी तूलिका से गढ़े वे आज भी करोड़ों भारतीय घरों के पूजा स्थलों में श्रद्धा के साथ देखे जा सकते हैं।

रवि वर्मा की कला का एक महत्वपूर्ण पक्ष भारतीय स्त्री के सौंदर्य और उसकी गरिमा का चित्रण था। उनके चित्रों में स्त्रियां केवल सौंदर्य का प्रतीक मात्र नहीं थीं बल्कि वे भावनात्मक रूप से अत्यंत सशक्त और गरिमापूर्ण दिखाई देती थीं। उन्होंने भारतीय नारी को एक ऐसे आदर्श रूप में प्रस्तुत किया जिसमें सौम्यता, शक्ति और मर्यादा का अद्भुत संतुलन था। उनके द्वारा चित्रित साड़ी पहने हुए स्त्रियों के चित्रों ने न केवल भारतीय वेशभूषा को एक वैश्विक पहचान दी बल्कि वह भारतीय नारीत्व की एक शाश्वत छवि बन गई। उनके चित्रों में रंगों का चयन और वस्त्रों की सिलवटों का सूक्ष्म चित्रण इतना यथार्थवादी था कि दर्शक उन चित्रों के साथ एक आत्मीय जुड़ाव महसूस करने लगता था। उनकी कला में केवल बाहरी सौंदर्य ही नहीं बल्कि पात्रों की मानसिक अवस्था और उनके अंतर्द्वंद्व को भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था। शकुंतला का अपने पैर से कांटा निकालने का बहाना करके पीछे मुड़कर देखना हो या दमयंती का हंस से संवाद, हर चित्र एक पूरी कहानी स्वयं में समेटे हुए था।

भारतीय चित्रकला को महलों से निकालकर झोपड़ियों तक पहुँचाने का श्रेय भी निर्विवाद रूप से राजा रवि वर्मा को ही जाता है। वर्ष 1894 में उन्होंने मुंबई में एक शिलामुद्रणालय अर्थात लिथोग्राफी प्रेस की स्थापना करके एक क्रांतिकारी कदम उठाया। इस प्रेस के माध्यम से उनके चित्रों की हजारों प्रतियां छपने लगीं और बहुत ही कम मूल्य पर सामान्य लोगों के लिए उपलब्ध होने लगीं। इससे पहले कला केवल धनी वर्ग और शासकों के विलास का साधन समझी जाती थी परंतु रवि वर्मा ने अपनी इस दूरदर्शिता से कला का लोकतंत्रीकरण कर दिया। उनके द्वारा बनाए गए चित्र कैलेंडरों और पोस्टरों के रूप में प्रत्येक घर की शोभा बनने लगे। इसी माध्यम से भारतीय देवी-देवताओं की एक निश्चित छवि जनमानस के मस्तिष्क में स्थायी रूप से अंकित हो गई। यह उनकी कला का ही प्रभाव था कि उस समय के साधारण भारतीय भी अपनी संस्कृति और धार्मिक प्रतीकों के साथ गर्व से जुड़ सके रवि वर्मा की सफलता केवल भारत तक ही सीमित नहीं रही बल्कि उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी भारतीय कला का परचम लहराया। वर्ष 1873 में ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में उन्हें पुरस्कृत किया गया जिससे उनकी ख्याति विश्वव्यापी हो गई। इसके पश्चात उन्हें भारत की विभिन्न रियासतों जैसे बड़ौदा, मैसूर और उदयपुर के राजाओं का निमंत्रण और संरक्षण प्राप्त हुआ। उन्होंने देश के विभिन्न अंचलों की व्यापक यात्राएं कीं और वहां की विविधतापूर्ण संस्कृति, वेशभूषा और जनजीवन को अपनी कला में स्थान दिया। उनकी इन यात्राओं ने उनकी कला को और अधिक समृद्ध और समावेशी बनाया। हालांकि उनकी इस पाश्चात्य शैली की कुछ पारंपरिक कलाकारों ने आलोचना भी की और इसे भारतीयता के विरुद्ध बताया परंतु समय ने सिद्ध किया कि रवि वर्मा ने वास्तव में भारतीय कला को आधुनिकता के साथ जोड़कर उसे नया जीवन प्रदान किया था।

आज के दौर में भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशन्स

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए।

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं।

राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं।

आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है।

दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिपबिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'ग्रीन एनर्जी' जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इसके बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी ष्टश्वक्क लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था। लेकिन अपेक्षित परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं, तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है।

रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं।

हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ कुछ अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहता है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है।

रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं।

तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5त्, 6त्, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश 'डिजिटल ब्रिज' बनाकर साथ काम करें, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है।

शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं।

सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है।

भविष्य की दृष्टि से भारत और दक्षिण कोरिया को केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यापार लक्ष्य स्पष्ट हों, निवेश प्रक्रियाएँ सरल हों, नई तकनीकों पर संयुक्त मिशन बनें, रक्षा उद्योग सहयोग बढ़े और युवाओं के बीच सीधा संपर्क मजबूत किया जाए। 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर से अधिक ले जाने का लक्ष्य व्यावहारिक रूप से संभव है, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीतिगत स्पष्टता दिखाई जाए।

भारत के लिए दक्षिण कोरिया केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि तकनीकी और रणनीतिक सहयोगी है। वहीं दक्षिण कोरिया के लिए भारत एक विशाल बाजार, विश्वसनीय लोकतांत्रिक मित्र और भविष्य की आर्थिक शक्ति है। बदलती विश्व व्यवस्था में ऐसे साझेदारों का महत्व और बढ़ जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत-दक्षिण कोरिया संबंध आज के दौर में नई संभावनाओं के मोड़ पर खड़े हैं। यदि दोनों देश व्यावहारिक सहयोग, पारस्परिक विश्वास और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हैं, तो यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एशिया और विश्व में स्थिरता, समृद्धि और संतुलन की नई मिसाल बन सकती है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

China, Bangladesh, Nepal, Sri Lanka के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने बदल डाले South Asia के समीकरण

नीरज कुमार दुबे

भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को निर्णायक रूप से अपने पक्ष में ढालने की दिशा में सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहा है। हम आपको बता दें कि क्षेत्रीय राजनीति में बदलते समीकरणों के बीच भारत ने संवाद, रणनीति और शक्ति संतुलन के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूती से स्थापित किया है। चीन से लेकर दक्षिण एशिया के अन्य देशों तक, हर मोर्चे पर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह न केवल क्षेत्रीय स्थिरता का केंद्र है, बल्कि भविष्य की वैश्विक दिशा तय करने में भी उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है।

सबसे पहले भारत और चीन संबंधों की बात करें तो दोनों देशों के बीच मतभेदों के बावजूद संवाद की प्रक्रिया जारी है। ब्रिक्स तंत्र के अंतर्गत सहयोग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चीन ने भारत की अध्यक्षता का समर्थन किया है और भारत ने भी इस मंच पर चीन की भूमिका की सराहना की है। हाल ही में चीन के विशेष दूत झाई जुन ने नई दिल्ली में बैठक के दौरान यह कहा कि दोनों देश प्रमुख विकासशील राष्ट्र होने के नाते अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर निरंतर संवाद बनाए हुए हैं। भारत की ओर से भी यह संकेत दिया गया कि क्षेत्रीय तनाव को कम करने और शांति स्थापित करने के लिए ब्रिक्स देशों के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि ब्रिक्स सम्मेलन के लिए चीन के शीर्ष नेतृत्व का भारत दौरा प्रस्तावित है, जो गलवान घटना के बाद संबंधों में एक नई दिशा का संकेत देता है। एससीओ सम्मेलन में शिरकत करने गये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई चर्चा भी दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भारत-नेपाल संबंध

वहीं भारत और नेपाल संबंधों पर नजर डालें तो हाल के घटनाक्रम सहयोग के नए अवसरों की ओर इशारा करते हैं। नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद वहां भारत का पहला उच्च स्तरीय संपर्क होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी काठमांडू जाने की तैयारी में हैं। दोनों देशों के बीच बहुआयामी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इस यात्रा को दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे व्यापार, ऊर्जा और आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को नई गति मिल सकती है।

साथ ही, यह भी संकेत मिला है कि भारत नेपाल के नए नेतृत्व के साथ प्राथमिकताओं को समझकर आगे बढ़ना चाहता है। नेपाल द्वारा अमेरिका और चीन के साथ भी संपर्क बढ़ाने के बीच भारत का यह संतुलित दृष्टिकोण कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

भारत-बांग्लादेश संबंध

अब भारत और बांग्लादेश संबंधों की बात करें तो हाल के समय में इसमें उतार चढ़ाव देखने को मिला है, लेकिन अब दोनों देश संबंधों को पुनः मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत ने बांग्लादेश में अपने उच्चायुक्त के रूप में एक अनुभवी राजनेता दिनेश त्रिवेदी की नियुक्ति की है, जो इस संबंध की संवेदनशीलता को दर्शाता है। बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में आई खटास को दूर करने के प्रयास तेज हुए हैं। हाल ही में उच्च स्तरीय बैठकों में व्यापार, ऊर्जा और जनसंपर्क जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। भारत ने बांग्लादेश में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेकर यह संकेत दिया कि वह संबंधों को स्थिर और सकारात्मक दिशा में ले जाना चाहता है। दोनों देशों के बीच लगातार संवाद जारी है, जो दीर्घकालिक साझेदारी की मजबूती को दर्शाता है।

बोध कथा

अति वाचालता का दुष्परिणाम

एक राजा बहुत अधिक बोलता था। उसका मंत्री विद्वान और शुभ चिंतक था। इसलिए सोचता रहता था कि राजा को कैसे इस दोष से मुक्त करुं और वह ज्ञान दू जो कि मनुष्य के हृदय में बहुत गहराई से उतरकर उसके स्वभाव का अंग बन जाता है। मंत्री उचित अवसर की तलाश में था कि राजा को अपने इस दोष का आभास हो और उसके द्वारा होने वाली हानि को समझकर निकल जाए। एक दिन राजा मंत्री के साथ उद्यान में घूमते हुए एक शिला पर बैठ गया। शिला के ऊपर आम के पेड़ पर कौवे का एक घोंसला था। उसमें काली कोयल अपना अण्डा रख गई। कोयल अपना घोंसला नहीं बनाती, वरन कौवे के घोंसले में ही अंडा रख देती है। कौवी उस अंडे को अपना समझकर पालती रहती है। आगे चलकर उसमें से कोयल का बच्चा निकला। कौवी उसे अपना पुत्र समझकर पालती थी। कोयल के बच्चे ने असमय जबकि उसके पर भी नहीं निकले थे, कोयल की आवाज की। कौवी ने सोचा- यह अभी विचित्र आवाज करता है, बड़ा होने पर क्या करेगा?' कौवी ने चोंच से मार-मारकर उसकी हत्या कर दी और घोंसले से नीचे गिरा दिया। राजा जहां बैठा था, वह बच्चा वहीं उसके पैरों के पास गिरा। राजा ने मंत्री से पूछा-मित्र ! यह क्या है? मंत्री को राजा की भूल बताने का यह अवसर मिल गया। मंत्री ने कहा- महाराज! अति वाचाल (बहुत बोलने वालों) की यही गति होती है। पूछने पर मंत्री ने पूरी बात राजा को समझाकर बताई कि कैसे यह बच्चा असमय आवाज करने से नीचे गिरा और मृत्यु को प्राप्त हुआ। यदि यह चुप रहता तो यथा समय घोंसले से उड़ जाता। इतना कहकर मंत्री ने राजा को मौका देखकर उसकी वाचालता दूर करने के लिए प्रत्यक्ष उदाहरण बताकर नीति बताई।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

गांधीगिरी से लेकर बादामगिरी

रविंद्र गिन्नोरे

बादाम ने नये सिरे से अपनी महत्ता सिद्ध कर दी। अब तक वैद्य, हकीम बादाम को याददाश्त बढ़ाने के लिए बताते थे। इस से भी एक क़दम आगे बढ़ कर एक घटना ने बादाम को और प्रभावी सिद्ध कर दिया। अनजाने में यह खोज हुई कि बादाम सरकार के सड़े गले सिस्टम को चुस्त-दुरुस्त करने की ताक़त भी रखता है।

बादाम का एक अनोखा गुण सामने आया। बादाम ने सरकारी सिस्टम की टेबल से फाइल को चलायमान कर दिया। सरकारी विभाग में जहां फाइलें लटकी रहती है, फाइलें गुम हो जाती हैं। ऐसे अधिकारी कीटेबल पर आधा किलो बादाम चढ़ाई और फाइल मिल गई और काम हो गया।

इक्कीसवीं सदी के दौर में नये नये अनुसंधान हो रहें हैं। याददाश्त तेज करने के साथ सरकारी सिस्टम को चलाने में बादाम सर्वोपरि पाया गया। बादाम अधिकारियों के बंद दिमाग़ की खिड़की क्या उनके दरवाजे भी खोलने में माहिर है। अब यह बात दावे के साथ कही जा सकती है कि बादामगिरी के चलते गांधीगिरी फेल हो गयी।

बादाम टेबल और सिस्टम का किस्सा जाने बिना बात अधूरी रहेगी। दरअसल सरकारी विभाग में एक आम आदमी के मकान की फाइल अटकी पड़ी थी। साल भर से वह चक्कर लगा रहा था। उसे एक ही उत्तर मिलता रहा 'फ़ाइल आएगी तो काम हो जाएगा।'

सरकारी सिस्टम में फाइलें चलती हैं। फाइलें कहीं पास होती हैं कहीं फाइलें गायब जाती हैं। सरकारी फाइलों में हजारों, लाखों की तकदीर बंद रहती है, मगर ना ही फ़ाइल खुलती हैं ना ही आम आदमी का भाग्य जागता है।

आम जनता को राहत पहुंचाने के फरमान, देश के विकास के आदेश, जन्म से मृत्यु तक की इबारतें फाइलों में लटकी रहती है। सरकारी सिस्टम से फाइलें एक विभाग से दूसरे विभाग पहुंचती हैं। एक टेबल से दूसरी टेबल में पहुंचायी जाती है। फाइलों को चलाने की भेंट पूजा बिल्कुल फिक्स है जो फाइलों को हरक़त देती है। आनलाइन तकनीक में भी यही दस्तूर चल रहा है। ऐसे सरकारी सिस्टम का कोई तोड़ नहीं। अब तक गांधीजी के दुर्लभ फोटो नजराना में पेश करते रहे हैं फ़ाइल को चलाने के लिए। एक आम आदमी ने अधिकारी की टेबल में बादाम बिखेरकर गांधी जी के फोटो की वाट लगा दी। इधर बादाम चढ़ाई और उधर फ़ाइल निकली और काम हो गया? इसे कहते हैं बादामगिरी।

इतिहास

28 अप्रैल के इतिहास में प्रमुख घटनाओं में 1986 का चेरनोबिल परमाणु आपदा, 2004 में अबू ग़रेब यातना छवियों का सार्वजनिक होना, और 2005 में एयरबस ॅ380 की पहली उड़ान शामिल हैं। यह दिन 1961 में सिएरा लियोन की स्वतंत्रता और 1828 में लंदन चिड़ियाघर के खुलने का भी गवाह रहा है। 28 अप्रैल की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ: 1791: सैमुअल एफ.बी. मोर्स का जन्म, जो एक चित्रकार, विद्युत टेलीग्राफ के आविष्कारक और मोर्स कोड के निर्माता थे। 1828: लंदन चिड़ियाघर रीजेंट पार्क में खोला गया। 1865: अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी समुद्री आपदा, स्टीमशिप 'स्स सुल्तान' मिसिसिपी नदी में विस्फोट के साथ डूब गई, जिसमें लगभग 1,800 लोगों की मौत हो गई। 1961: सिएरा लियोन स्वतंत्र गणराज्य बना, जिससे 150 से अधिक वर्षों का ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन समाप्त हुआ।

भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 417 अंक फिसला; निफ्टी 0.40 प्रतिशत टूटा

मुंबई । पश्चिम एशिया तनावों के बीच अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते को लेकर अनिश्चितता के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 416.72 अंकों यानी 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,886.91 पर था, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 97 (0.40 प्रतिशत) अंक गिरकर 23,995.70 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 77,094.79 पर खुलकर 77,493.53 का इंट्रा-डे हाई और 76,741.06 का इंट्रा-डे लो बनाया। वहीं निफ्टी50 24,049.90 पर खुलकर 24,181.80 का इंट्रा-डे हाई और 23,957.05 का इंट्रा-डे लो बनाया।

व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.42 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.28 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी ऑयल एंड गैस (1.55 प्रतिशत की तेजी) और निफ्टी मेटल (0.51 प्रतिशत की तेजी) को छोड़कर तकरीबन सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में ट्रेड करते नजर आए।

सबसे ज्यादा निफ्टी पीएसयू बैंक में 2.15 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 1.23 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो में 1.01 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली।

निफ्टी 50 पैक में एक्सिस बैंक, मारुति, एचसीएल टेक, श्रीराम फाइनेंस, इंडिगो, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज-ऑटो, एसबीआई और इंफोसिस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, और ये टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल रहे।

वहीं, इसके विपरीत ओएनजीसी, अदाणी एंटरप्राइजेज और कोल इंडिया के शेयरों में 5-3 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, इटरनल और टाटा स्टील के शेयर भी बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड 2.98 प्रतिशत बढ़कर 111.46 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करते नजर आया, क्योंकि महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के प्रस्ताव से नाखुश हैं, क्योंकि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक समझौते का प्रस्ताव रखा है और पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त होने तक अपने परमाणु कार्यक्रम का कोई जिक्र नहीं किया है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोने और चांदी करीब आधा प्रतिशत तक की गिरावट के साथ खुले

मुंबई । सोने और चांदी मंगलवार को गिरावट के साथ खुले, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम आधा प्रतिशत तक कम हो गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 05 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,51,721 रुपए के मुकाबले कमजोरी के साथ 1,51,700 रुपए पर खुला।

सुबह 9:50 यह 0.14 प्रतिशत या 207 रुपए की कमजोरी के साथ 1,51,514 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने 1,51,500 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,51,802 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

चांदी का 05 मई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,41,824 रुपए के मुकाबले 2,40,490 रुपए पर खुला। फिलहाल यह 0.59 प्रतिशत 1,424 रुपए की गिरावट के साथ 2,40,400 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,40,218 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,41,250 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। यह दिखाता है कि सोने और चांदी दोनों में एक सीमित दायरे में कारोबार हो रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखी गई है। कॉमेक्स पर सोना 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,680 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74.48 डॉलर प्रति औंस पर था।

बीते एक साल में डॉलर में सोना 40 प्रतिशत से अधिक और चांदी 126 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दे चुका है।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बना हुआ है। दोनों देशों के बीच शांति की वार्ता फिलहाल बड़ा उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। अमेरिका ने ईरान के शांति प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। अमेरिका को दिए प्रस्ताव में ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने को तैयार हो गया था और अमेरिकी समुद्री नाकेबंदी हटने के बाद परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने को तैयार था, लेकिन अमेरिका का मानना है कि दोनों मुद्दों का हल एक साथ निकाला जाना चाहिए, अन्यथा उसका पक्ष कमजोर हो जाएगा।

मध्य पूर्व में तनाव शुरू होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट से पहली बार निकला एलएनजी टैंकर : रिपोर्ट

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से तनाव शुरू होने के बाद से पहली बार होर्मुज स्ट्रेट से कोई लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) टैंकर निकलने में सफल रहा है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट्स में शिप ट्रैकिंग डेटा के हवाले से दी गई।

शिप ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, मार्च की शुरुआत में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के दास द्वीप प्लांट से एनएनजी लोड करने वाला टैंकर मुबाराज भारत के दक्षिणी छोर से गुजरा है।

रिपोर्ट में बताया गया कि तनाव के कारण एलएनजी टैंकर कई हफ्तों तक फारस की खाड़ी में रहा और ट्रांसमिशन सिग्नल 31 मार्च के करीब बंद हो गए हैं, जिसके बाद भारत के करीब आने पर सिग्नल फिर से शुरू हुए।

अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही करीब बंद है। फारस की खाड़ी में मौजूद इस संकरे रास्ते से करीब दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल और गैस का निर्यात होता है।

तनाव के कारण ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह ब्लॉक कर दिया है। वहीं, अमेरिका ने भी होर्मुज स्ट्रेट से आने-जाने वाले ईरानी जहाजों को पूरी तरह से ब्लॉक किया हुआ है। शिप ट्रैकिंग डेटा में बताया गया कि एलएनजी टैंकर मुबाराज का गतंव्य स्थान चीन है और इसके 15 मई तक पहुंचने का अनुमान है।

हाल के हफ्तों में कतर से एलएनजी ले जाने वाले कई जहाज होर्मुज स्ट्रेट के पास पहुंचे थे, लेकिन लगातार भू-राजनीतिक तनाव के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। ईरान-अमेरिका में तनाव कम करने को लेकर बातचीत चल रही है। ईरान ने अमेरिका को एक नया शांति प्रस्ताव दिया है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट खोलने का वादा किया गया है, लेकिन परमाणु के मुद्दे पर बातचीत को लेकर सहमति न बनने के कारण, अमेरिका ने फिलहाल के लिए इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

अदाणीकॉनेक्स विशाखापत्तनम में 1 गीगावॉट क्षमता वाला एआई-रेडी डेटा सेंटर हब स्थापित करेगी

विशाखापत्तनम । अदाणी ग्रुप और एजकॉनेक्स की ज्वाइंट वेंचर कंपनी अदाणीकॉनेक्स ने मंगलवार को ऐलान किया है कि वह आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक गीगावाट क्षमता वाला एआई-रेडी डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म बनाएगी।

यह प्रोजेक्ट अदाणी समूह के 10 अरब डॉलर के निवेश से समर्थित है, जो कि देश में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने की ग्रुप की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर पार्टनर के रूप में, अदाणीकॉनेक्स एक मजबूत और एकीकृत एनर्जी इकोसिस्टम द्वारा समर्थित, स्केलेबल, एआई-रेडी डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रहा है।

एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर में अदाणी समूह की क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, यह प्लेटफॉर्म उच्च घनत्व वाले एआई और क्लाउड वर्कलोड की मांगों को पूरा करने के लिए विश्वसनीय, टिकाऊ और दीर्घकालिक बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर के अलावा, इस प्रोजेक्ट से आंध्र प्रदेश के आर्थिक इकोसिस्टम के विकास में योगदान मिलने की उम्मीद है, जिससे राज्य वैश्विक डिजिटल परिदृश्य में एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित होगा और भारत के व्यापक डिजिटल और ऊर्जा परिवर्तन में सहयोग मिलेगा।

यह प्रोजेक्ट अदाणी समूह की उस व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा है जिसके तहत वह अगले दशक में भारत के एआई, ऊर्जा और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में 100 अरब डॉलर का निवेश करने जा रहा है।

कार्यक्रम, सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि विशाखापत्तनम में इंडिया एआई हब का शिलान्यास समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनाने के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

गूगल ने देश में अपने सबसे बड़े एआई-केंद्रित निवेश का औपचारिक रूप से निर्माण कार्य शुरू किया, जो भारत के डिजिटल और आर्थिक परिवर्तन के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अदाणीकॉनेक्स और अन्य के सहयोग से विकसित की जा रही यह परियोजना देश के बढ़ते डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की आधारशिला बनने जा रही है।

केंद्र ने हीटवेव के बीच श्रमिकों की सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की; कूलिंग, पानी और लचीले कार्य घंटों को अनिवार्य किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और उससे जुड़ी संस्थाओं को एडवाइजरी जारी कर कहा कि देश में हीटवेव और तेजी से बढ़ते तापमान के बीच कर्मचारियों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाए जाए।

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुख सचिवों/प्रशासकों को लिखे पत्र में कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा के लिए, विशेष रूप से बाहरी और श्रम-प्रधान क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा के लिए, एक समन्वित, बहु-क्षेत्रीय और बहु-आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

मंत्रालय ने कहा, 'राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी जाती है कि वे नियोक्ताओं, उद्योगों और निर्माण कंपनियों को श्रमिक सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करें।'

मंत्रालय ने कहा, 'राज्य सरकारों से विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों और श्रमिकों के कार्य घंटों के पुनर्निर्धारण से संबंधित सलाह जारी करने का आग्रह किया गया है। साथ ही, पर्याप्त पेयजल सुविधाओं को सुनिश्चित करने और विश्राम क्षेत्रों तथा कार्यस्थलों को ठंडा रखने की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया गया है।'

इसमें निर्माण कार्य सहित ऐसी सुविधाओं की आवश्यकता वाले कार्यस्थलों के लिए आपातकालीन बर्फ की थैलियों और गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचाव सामग्री की व्यवस्था करना और श्रमिकों की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय करना भी शामिल है।

सरकार ने कहा कि कारखाने और खदान प्रबंधन को भी सलाह दी गई है कि वे श्रमिकों को अधिक लचीलापन प्रदान करें, जिसमें अत्यधिक गर्मी के दौरान काम की गति धीमी करना, जहां निरंतर काम अपरिहार्य हो वहां दो-सदस्यीय दल नियुक्त करना, विश्राम क्षेत्र उपलब्ध कराना और पर्याप्त वेंटिलेशन और शीतलन व्यवस्था सुनिश्चित करना शामिल है।

मंत्रालय ने पत्र में निर्माण श्रमिकों, ईंट भट्ठों के श्रमिकों, दिहाड़ी मजदूरों और अन्य श्रमिकों पर विशेष ध्यान देने की सिफारिश की है।

मंत्रालय ने आगे कहा, 'राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को श्रमिक चौकों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, साथ ही लू से सुरक्षा संदेश और आपातकालीन संपर्क विवरण वाले पोस्टर और बैनर प्रदर्शित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया है।

मारुति सुजुकी का मुनाफा वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 6.4 प्रतिशत गिरा, 140 रुपए प्रति शेयर के डिविडेंड का किया ऐलान

मुंबई । देश की दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी मारुती सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 3,659 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। यह पिछले वर्ष समान अवधि में दर्ज किए गए 3,911 करोड़ रुपए के शुद्ध मुनाफे से 6.4 प्रतिशत कम है।

इससे पहली तिमाही में कंपनी ने 3,879 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था।

कंपनी की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी के मुताबिक, वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कंपनी की आय सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 52,462.5 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 40,920 करोड़ रुपए थी। इसमें तिमाही आधार पर 5 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। दिसंबर तिमाही में यह 49,904 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 26 में कंपनी का कंसोलिडेटेड कर के बाद मुनाफा 14,619 करोड़ रुपए रहा है, इसमें सालना आधार पर 0.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 25 में यह 14,500.2 करोड़ रुपए पर था।

इस दौरान कंपनी की आय सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 1,83,316 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले वित्त वर्ष में 1,52,913 करोड़ रुपए पर थी।

31 मार्च, 2026 तक कंपनी की कुल संपत्ति बढ़कर 1,48,881 करोड़ रुपए हो गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 1,31,016 करोड़ रुपए थी। वहीं, गैर-चालू संपत्ति 1,09,923.6 करोड़ रुपए रही।

आय के अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 140 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड घोषित किया, जबकि पिछले वर्ष यह 135 रुपए प्रति शेयर था।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में 23.4 लाख यूनिट का वार्षिक उत्पादन दर्ज किया था।

हालांकि, मुनाफे में गिरावट के कारण कंपनी के शेयर में कमजोरी दर्ज की गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर मारुति सुजुकी का शेयर 2.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 12,890 रुपए पर बंद हुआ।

भारत के एमईआई सेक्टर में नौकरियों में 6.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी, भर्ती का रुझान मजबूत

नई दिल्ली। भारत के मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर (एमईआई) सेक्टर में वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में रोजगार में 6.6 प्रतिशत की शुद्ध बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो पिछले साल के 5.5 प्रतिशत से ज्यादा है।

मंगलवार को जारी टीमलीज सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, करीब 70 प्रतिशत कंपनियां अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रही हैं। इससे पता चलता है कि इस सेक्टर में भर्ती का रुझान काफी मजबूत हुआ है और यह देश के शीर्ष तीन सेक्टरों में शामिल है जहां सबसे ज्यादा भर्ती की जा रही है।

टीमलीज सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालासुब्रमणियन ए. ने कहा कि एमईआई सेक्टर अब रिकवरी फेज से आगे निकल चुका है और रोजगार में यह बढ़ोतरी सेमीकंडक्टर, क्लीन एनर्जी और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग में बढ़ते निवेश का नतीजा है।

रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक में सेमीकंडक्टर निवेश से 2026-28 के बीच लगभग 10 लाख नौकरियां पैदा हो सकती हैं। इनमें फैब्रिकेशन, असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग, पैकेजिंग (एटीएमपी), चिप डिजाइन और सप्लाई चेन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन, क्लीन टेक मैन्युफैक्चरिंग और पीएलआई योजनाओं के जरिए पूरे सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

कंपनी ने बताया कि इंडस्ट्री 4.0 के बढ़ते उपयोग से अब ज्यादा डिजिटल और उच्च कौशल वाले कर्मचारियों की मांग बढ़ रही है, खासकर प्लांट ऑपरेशन और इंजीनियरिंग डिजाइन में।

प्लांट इंजीनियरिंग, ऑटोमेशन इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, एटीएमपी ऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी से जुड़े मैन्युफैक्चरिंग रोल्स में सबसे ज्यादा मांग बनी हुई है।

23 उद्योगों के 1,268 नियोक्ताओं के सर्वे के आधार पर, रिपोर्ट में कहा गया कि इंजीनियरिंग सेक्टर में 33 प्रतिशत कंपनियां भर्ती बढ़ाने की योजना बना रही हैं, जबकि 46 प्रतिशत कंपनियां अपने कर्मचारियों की संख्या स्थिर रखेंगी।

गर्मी में शरीर को ठंडा रखने के लिए रोज की डाइट में जरूर करें इन चीजों को शामिल

गर्मी का मौसम आते ही शरीर में थकान, चिड़चिड़ापन, पसीना, डिहाइड्रेशन और लू जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में सिर्फ ठंडा पानी पीना ही काफी नहीं होता, बल्कि सही ठंडी तासीर वाले और पानी से भरपूर फूड्स को डाइट में शामिल करना भी जरूरी होता है। ये फूड्स शरीर का तापमान संतुलित रखते हैं और एनर्जी भी बनाए रखते हैं।

आइए जानते हैं गर्मी में शरीर को अंदर से ठंडा रखने वाले परफेक्ट फूड्स के बारे में।

खीरा

खीरा लगभग 95% पानी से बना होता है। यह शरीर को हाइड्रेट रखता है और पेट को ठंडक देता है। रोज सलाद या रायते के रूप में खीरा खाने से गर्मी से राहत मिलती है।

तरबूज

तरबूज गर्मी का सबसे बेहतरीन फल माना जाता है। इसमें पानी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होते हैं। यह शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ डिहाइड्रेशन से बचाता है।

दही और छाछ

दही और इससे बनी छाछ पाचन को दुरुस्त रखती हैं और शरीर की गर्मी कम करती हैं। दोपहर के भोजन के साथ छाछ पीना लू से बचाव में मददगार होता है।

नारियल पानी

नारियल पानी को नैचुरल एनर्जी ड्रिंक कहा जाता है। यह इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है और शरीर को तुरंत ठंडक देता है। रोज 1 गिलास नारियल पानी गर्मी में बहुत फायदेमंद होता है।

पुदीना

पुदीने की तासीर ठंडी होती है। पुदीने की चटनी, जलजीरा या पुदीना पानी पीने से शरीर में ठंडक और ताजगी बनी रहती है।

सत्तू

सत्तू को गर्मी का सुपरफूड कहा जाता है। सत्तू का शरबत पेट को ठंडा रखता है, शरीर को एनर्जी देता है और देर तक भूख नहीं लगने देता।

ककड़ी और लौकी

ककड़ी और लौकी दोनों ही पानी से भरपूर और हल्की सब्जियां हैं। ये पचाने में आसान होती हैं और शरीर का तापमान संतुलित रखती हैं।

आम पन्ना

कच्चे आम से बना आम पन्ना लू से बचाने में बेहद असरदार होता है। यह शरीर में नमक और पानी का संतुलन बनाए रखता है।

किन चीजों से बचें

गर्मी में बहुत ज्यादा तला-भुना, मसालेदार, कैफीन और शराब से दूरी बनाना बेहतर रहता है, क्योंकि ये शरीर की गर्मी बढ़ाते हैं।

अगर आप गर्मी में खुद को स्वस्थ, एक्टिव और ठंडा रखना चाहते हैं, तो इन फूड्स को रोजमर्रा की डाइट में जरूर शामिल करें। सही खान-पान से गर्मी का असर काफी हद तक कम किया जा सकता है।

दुनिया का 'हत्यारा पहाड़', जहां हर कदम होता है मौत से सामना, 73 साल में कोई नहीं कर पाया चढ़ाई, जानिए वजह

पृथ्वी पर प्रकृति ने जितनी अद्भुत सुंदरता बिखेरी है, उतनी ही गहराई में रहस्य और खतरे भी छिपे हुए हैं। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, कल-कल बहती नदियां और झरनों की मधुर आवाज हर किसी को अपनी ओर खींच लेती है। लेकिन कई बार यही मनमोहक नजारे अचानक डरावने और जानलेवा भी बन जाते हैं। आज हम आपको ऐसे ही एक अनोखे और रहस्यमयी पर्वत के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी खूबसूरती जितनी आकर्षक है, उसका खतरा उतना ही खतरनाक है। इसी वजह से दुनिया इसे 'किलर माउंटेन' या फिर 'हत्यारा पहाड़' के नाम से जानती है।

दरअसल, इस खतरनाक पहाड़ का नाम है नंगा पर्वत, जो पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान (Gilgit-Baltistan) में स्थित है। इसकी ऊंचाई करीब 8,126 मीटर है, जिससे यह दुनिया का नौवां सबसे ऊंचा पर्वत बनता है। यह हिमालय के पश्चिमी छोर पर स्थित है और पाकिस्तान का दूसरा सबसे ऊंचा पर्वत है, जो K2 के बाद आता है। यह पर्वत सिंधु नदी के सबसे उत्तरी मोड़ के पास स्थित है, जिससे इसकी भौगोलिक स्थिति और भी खास बन जाती है।

नाम के पीछे की कहानी

'नंगा पर्वत' नाम संस्कृत भाषा से लिया गया है। इसमें 'नंगा' का मतलब होता है बिना पेड़ों या वनस्पति के, यानी एक ऐसा पहाड़ जो पूरी तरह खुला और बर्फ से ढका हुआ दिखता है। 'पर्वत' का मतलब पहाड़ होता है। वहां की शिना भाषा में इसे 'डायमर' या 'देओ मीर' भी कहा जाता है, जिसका मतलब 'देवताओं का पहाड़' होता है। यह नाम इसकी विशालता और रहस्यमय सुंदरता को बखूबी दिखाता है।

क्यों कहा जाता है 'हत्यारा पहाड़'?

नंगा पर्वत को 'हत्यारा पहाड़' यूं ही नहीं कहा जाता। इसकी चढ़ाई दुनिया की सबसे कठिन और खतरनाक चढ़ाइयों में गिनी जाती है।

यहां का मौसम पल भर में बदल जाता है—कभी तेज बर्फबारी, तो कभी भयानक तूफान। इसके अलावा हिमस्खलन (एवलॉन्च) और खड़ी चट्टानें पर्वतारोहियों के लिए बड़ी चुनौती बनती हैं। इतिहास में लंबे समय तक यहां मृत्यु दर काफी अधिक रही है, जो कभी 20% के आसपास तक पहुंच गई थी।

कहा जाता है कि इस पर्वत पर जाने वाले हर 5 में से 1 पर्वतारोही कभी वापस नहीं लौटता। इस खतरनाक पर्वत ने अब तक 95 से अधिक लोगों की जान ले ली है। साल 1953 में पहली बार इस पर सफल चढ़ाई हुई थी, लेकिन उसके बाद से यहां कई हादसे हो चुके हैं।

इस पर्वत के तीन मुख्य सतहें

नंगा पर्वत अपनी तीन खास सतहों के लिए प्रसिद्ध है, जो इसकी खूबसूरती और कठिनाई दोनों को दिखाती हैं। इनमें रूपल फेस दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वतीय चेहरों में से एक माना जाता है, जिसकी ऊंचाई लगभग 4,600 मीटर है और इसे चढ़ना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। वहीं, रायकोट फेस अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, जहां से फेयरी मीडोज का शानदार दृश्य दिखाई देता है, जो दुनिया के सबसे खूबसूरत नजारों में गिना जाता है।

इसके अलावा, डियामिर फेस अन्य सतहों की तुलना में थोड़ा कम खड़ा जरूर है, लेकिन इसे आसान समझना गलत होगा, क्योंकि यह भी पर्वतारोहियों के लिए कठिन और जोखिम भरा साबित होता है। यह पर्वत जितना आकर्षक है, उतना ही जोखिम भरा भी है। इसका स्थान काफी दूरदराज इलाके में होने के कारण यहां रेस्क्यू ऑपरेशन करना बेहद कठिन होता है। हेलीकॉप्टर की सहायता भी सीमित होती है, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। इसी वजह से यह पर्वत पर्वतारोहियों के लिए एक बड़ी चुनौती और रोमांच का प्रतीक बन चुका है।

भर्ती बढ़ रही है, फिर भी ज्यादातर नए स्नातक बेरोजगार; आखिर गड़बड़ी कहां है?

नौकरी के मामले में स्नातक युवाओं की स्थिति लगातार अस्थिर होती जा रही है। जहां एक ओर उपयुक्त नौकरियों की कमी की चिंता सामने आती रहती है, वहीं नए आंकड़े बताते हैं कि समस्या सिर्फ अवसरों की कमी नहीं, बल्कि भर्ती की मांग और वास्तविक नियुक्तियों के बीच बढ़ते अंतर की है।

अनस्टॉप की एक रिपोर्ट, जो तीन करोड़ से अधिक छात्रों के साथ काम करती है, बताती है कि लगभग 88 प्रतिशत नियोक्ता सक्रिय रूप से भर्ती कर रहे हैं और 90 प्रतिशत से ज्यादा कंपनियां अपने भर्ती बजट को बनाए रखे हुए हैं या बढ़ा रही हैं।

इसके बावजूद, करीब 84 प्रतिशत स्नातक छात्र और 85 प्रतिशत इंजीनियरिंग स्नातकों को अभी तक नौकरी नहीं मिली है। ये आंकड़े बताते हैं कि समस्या अवसरों की कमी नहीं, बल्कि इस बात में बदलाव है कि किसे नौकरी मिल रही है और किसे चयन प्रक्रिया में बाहर कर दिया जा रहा है।

नोएडा की 23 वर्षीय मीडिया पेशेवर (बदला हुआ नाम) प्रकृति कहती हैं, 'मुझे समझ में आया कि समस्या सिर्फ नौकरी पाने की नहीं, बल्कि सही नौकरी पाने की है। मैंने कई मौके ठुकरा दिए क्योंकि वेतन मेरी पढ़ाई के दौरान बनी उम्मीदों के अनुसार नहीं था। कई नौकरियां मेरे कौशल से मेल नहीं खातीं या इतनी कम तनख्वाह देती हैं कि उन्हें स्वीकार करना अपनी क्षमता को कम आंकने जैसा लगता है। ऐसे में समझौता करने से बेहतर है इंतजार करना।'

भर्ती में तेजी का फायदा स्नातकों तक क्यों नहीं पहुंच रहा?

अगर कंपनियां बड़े पैमाने पर भर्ती कर रही हैं, तो महाविद्यालयों में बेरोजगारी इतनी ज्यादा क्यों है? 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026' रिपोर्ट के अनुसार, 25 साल से कम उम्र के स्नातकों में बेरोजगारी लगभग 40 प्रतिशत है।

अब कंपनियां सिर्फ पद भरने पर नहीं, बल्कि सही उम्मीदवार चुनने पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। प्रबंधन स्नातकों में भी 74 प्रतिशत तक को नियुक्ति नहीं मिली है, जबकि 17 प्रतिशत छात्रों को नौकरी का प्रस्ताव मिलने के बाद देरी या रद्द होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

इससे स्पष्ट है कि समस्या नौकरियों की संख्या में नहीं, बल्कि उन तक पहुंच में है। अवसर मौजूद हैं, लेकिन कम उम्मीदवार चयन प्रक्रिया पार कर पा रहे हैं।

इनक्रूटर के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल अग्रवाल के मुताबिक, 'महाविद्यालय से कॉरपोरेट जगत तक का सफर काफी बदल गया है। अब छात्रों का मूल्यांकन सिर्फ डिग्री या अंकों के आधार पर नहीं होता। उन्हें कई स्तर की जांच से गुजरना पड़ता है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित साक्षात्कार, योग्यता परीक्षण और तकनीकी मूल्यांकन शामिल हैं।'

क्या चयन और अस्वीकृति के बीच बड़ा अंतर है?

अग्रवाल के अनुसार, 'समस्या यह है कि चयन के मानक बदल गए हैं, लेकिन तैयारी उसी गति से नहीं बदली।' अब कंपनियां सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल को प्राथमिकता देती हैं। 'उम्मीदवार आमतौर पर योग्यता के स्तर पर नहीं, बल्कि मूल्यांकन के दौरान बाहर होते हैं।

नेतन्याहू के खिलाफ एकजुट विपक्ष: युद्धों के बीच इज़राइल की सुरक्षा नीति पर क्या असर पड़ेगा?

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों ने आगामी चुनाव के लिए एकजुट होने का ऐलान किया है, ताकि उनकी गठबंधन सरकार को सत्ता से हटाया जा सके। उनका मुख्य फोकस घरेलू मुद्दों पर रहेगा, जैसे कि अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय के लिए सैन्य भर्ती।

नया गठबंधन क्या है?

इज़राइल के दक्षिणपंथी पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट और संसदीय विपक्ष के मध्यमार्गी नेता यायर लापिड ने रविवार को तेल अवीव में घोषणा की कि वे अपनी पार्टियों—बेनेट 2026 और येश अतीद—को मिलाकर एक नया राजनीतिक मोर्चा बनाएंगे, जिसका नाम 'बेयाखाद' (हिब्रू में 'एक साथ ') होगा। इस गठबंधन का नेतृत्व बेनेट करेंगे और यह अक्टूबर 2026 तक होने वाले चुनाव में नेतन्याहू को सीधी चुनौती देगा।

यह घोषणा एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई, जिसका सीधा प्रसारण हुआ। यह साझेदारी एक दशक से भी ज्यादा पुरानी है। इससे पहले यह एक सरकार बना चुकी है, जिसने थोड़े समय के लिए नेतन्याहू को सत्ता से बाहर किया था, लेकिन 13 महीने बाद गिर गई।

उन्होंने हाथ क्यों मिलाया?

बेयाखाद गठबंधन का मुख्य उद्देश्य घरेलू स्तर पर नेतन्याहू के नेतृत्व के विकल्प के रूप में एक 'एकजुट' विकल्प पेश करना है।

घरेलू प्राथमिकताएं: उनका एजेंडा सार्वभौमिक सैन्य भर्ती पर केंद्रित है, खासकर अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स (हारेदी) समुदाय को शामिल करने पर, जो नेतन्याहू की मौजूदा सरकार के लिए एक विवादास्पद मुद्दा है।

7 अक्टूबर हमले की जांच: उन्होंने 7 अक्टूबर के हमलों में हुई सुरक्षा चूक की जांच के लिए एक औपचारिक आयोग बनाने का वादा किया है, जिसका नेतन्याहू अब तक विरोध करते रहे हैं।

नेतृत्व का स्वास्थ्य: हाल ही में एक घातक ट्यूमर हटाए जाने के बाद नेतन्याहू के स्वास्थ्य को लेकर उठे सवालों ने नेतृत्व परिवर्तन की मांग को और तेज कर दिया है।

सुरक्षा मुद्दों पर उनका रुख क्या है?

हालांकि उनका लक्ष्य नेतन्याहू को हटाना है, लेकिन सुरक्षा के प्रमुख मुद्दों पर बेनेट और लापिड की नीतियां काफी हद तक जारी रहने वाली हैं:

ईरान: दोनों नेता ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का समर्थन करते हैं, जो देश में व्यापक जनसमर्थन को दर्शाता है। लापिड ने इस संघर्ष को 'बुराई के खिलाफ न्यायपूर्ण युद्ध' बताया है, जिससे तेहरान पर दबाव बनाए रखने की उनकी प्रतिबद्धता दिखती है।

गाजा: इस गठबंधन ने उल्टा नेतन्याहू को 'कमजोर' बताया है। उनका कहना है कि उनकी नीतियों के कारण हमास को टिके रहने और दोबारा मजबूत होने का मौका मिला। वे मौजूदा स्थिति की तुलना में अधिक निर्णायक सैन्य कार्रवाई के पक्ष में हैं।

लेबनान: बेनेट और लापिड ने मार्च 2026 में दक्षिणी लेबनान पर हमले का समर्थन किया था। वे ऐसे युद्धविराम को लेकर संदेह में हैं, जो हिज़्बुल्लाह के खतरे को स्थायी रूप से खत्म नहीं करता।

क्या चोरी करना हो गया है बेहद आसान? ब्रिटेन में बढ़ती दुकानदारी चोरी की समस्या, जिससे प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर चिंतित

ब्रिटेन में दुकानों से चोरी अब मामूली अपराध नहीं रह गई है, बल्कि यह एक राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दा बन चुकी है। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इसे लेकर सख्ती करने का वादा किया है और इसे 'खुली छूट' जैसी स्थिति बताया है। लेकिन आखिर ऐसा क्या बदल गया है कि यह समस्या इतनी बढ़ गई?

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, इंग्लैंड और वेल्स में एक साल में 5,30,000 से अधिक चोरी के मामले दर्ज किए गए—यह 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी है और अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। सिर्फ 2025 में ही लगभग

5,19,000 मामले सामने आए। विशेषज्ञों का कहना है कि असल संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है, क्योंकि लाखों घटनाएं दर्ज ही नहीं होतीं।

खुदरा व्यापारियों का अनुमान है कि हर साल अरबों पाउंड का नुकसान हो रहा है, जिसकी भरपाई अक्सर उपभोक्ताओं से ज्यादा कीमत वसूलकर की जाती है। भले ही हाल में आंकड़ों में थोड़ी स्थिरता दिखी हो, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि समस्या अब भी गहराई से बनी हुई है।

कीर स्टार्मर क्यों चिंतित हैं?

प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे को प्राथमिकता देने के तीन बड़े कारण बताए हैं। सबसे अहम यह है कि अब यह छोटा अपराध नहीं रहा। दुकानों से चोरी अब संगठित, बार-बार होने वाला और बड़े आपराधिक गिरोहों से जुड़ा अपराध बन गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चोरी किया गया सामान अक्सर स्थानीय स्तर पर बेचा जाता है या अन्य अपराधों के लिए धन जुटाने में इस्तेमाल होता है।

दूसरी बड़ी चिंता हिंसा से जुड़ी है। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 80 प्रतिशत खुदरा कर्मचारियों ने दुर्व्यवहार का सामना किया है, 50 प्रतिशत से ज्यादा को धमकियां मिली हैं और करीब 10 प्रतिशत पर हमला भी हुआ है। कर्मचारियों पर होने वाले दो-तिहाई हमले चोरी की घटनाओं से जुड़े होते हैं।

केरल में एक दशक का सबसे बड़ा बिजली संकट: ट्रांसफॉर्मर जल रहे, भीषण गर्मी में बिजली कटौती

अप्रैल 2026 के अंत तक केरल इस समय एक दशक के सबसे गंभीर बिजली संकट का सामना कर रहा है। विशेषज्ञ इसे 'बहु-स्तरीय संकट' बता रहे हैं, जो रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और बिजली आपूर्ति में कमी के कारण पैदा हुआ है।

'युद्ध खत्म होना चाहिए': मंत्री ने क्या कहा

केरल के बिजली मंत्री के. कृष्णनकुट्टी ने सोमवार को कहा कि राज्य में बिजली संकट की एक बड़ी वजह पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रसोई गैस की कमी है, जिससे बिजली की खपत बढ़ गई है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि बारिश से स्थिति में सुधार हो सकता है।

मंत्री ने कहा कि रसोई गैस की कमी के चलते लोग इंडक्शन चूल्हों पर निर्भर हो गए हैं, जिससे बिजली की मांग तेजी से बढ़ी है।

'युद्ध खत्म होना चाहिए और बारिश आनी चाहिए, यही उम्मीद है,' उन्होंने कहा। उनका मानना है कि एक दिन की अच्छी बारिश भी काफी राहत दे सकती है।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची मांग

17 अप्रैल को केरल की दैनिक बिजली खपत 116.11 मिलियन यूनिट तक पहुंच गई, जो इस महीने का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। वहीं अधिकतम मांग 6,013 मेगावाट तक पहुंच गई, जो एक नया रिकॉर्ड है।

भीषण गर्मी और मांग में उछाल

तेज गर्मी के कारण एयर कंडीशनर और कूलर जैसे ज्यादा बिजली खपत वाले उपकरणों का उपयोग बढ़ गया है। दिन में सौर ऊर्जा कुछ राहत देती है, लेकिन रात में, खासकर रात 10 से 11 बजे के बीच, मांग तेजी से बढ़ जाती है, जिससे बिजली व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ता है।

क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

कृष्णनकुट्टी ने बताया कि स्थिति संभालने के लिए राज्य के बाहर से अतिरिक्त बिजली खरीदने की अनुमति दी गई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि बिजली दरों में बढ़ोतरी होगी या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि औपचारिक रूप से बिजली कटौती नहीं की जाएगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार बिजली दरों में बढ़ोतरी से बचने की कोशिश कर रही है।

'मैं सिर्फ भगवान को याद कर रही थी', अक्षय कुमार के मजाक से जब डर के मारे कांप उठीं भूमि पेडनेकर

मुंबई। बॉलीवुड सितारों की जिंदगी जितनी चमकदार पर्दे पर दिखाई देती है, उसके पीछे उतने ही मजेदार और यादगार किस्से भी छिपे होते हैं। फिल्मों की शूटिंग के दौरान कलाकार कई बार ऐसे अनुभवों से गुजरते हैं, जिन्हें वह सालों बाद भी याद करके हंस पड़ते हैं।

इस बीच, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने भी ऐसा ही दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेता अक्षय कुमार ने उनके साथ ऐसा मजाक किया था, जिससे वह बुरी तरह डर गई थीं।

यह खुलासा भूमि पेडनेकर ने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में किया। शो में बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म 'टॉयलेट : एक प्रेम कथा' की शूटिंग से जुड़ा एक अनुभव साझा किया।

भूमि पेडनेकर ने कहा, 'मुझे तेज रफ्तार से बहुत डर लगता है, खासकर बाइक पर बैठकर तेज चलना मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है। ये बात अक्षय को कहीं से पता चल गई। शूटिंग के दौरान एक दिन अक्षय ने मुझसे पूछा कि क्या तुम्हें बाइक से डर लगता है। इस पर मैंने बताया है – 'हां...बाइक की तेज स्पीड से बहुत ज्यादा डरती हूं।'

भूमि ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी थी कि फिल्म में कोई खतरनाक बाइक स्टंट नहीं रखा गया था। लेकिन शायद अक्षय उस समय उनके साथ प्रैंक करने के मूड में थे।

भूमि ने कहा, 'पहले तो अक्षय कुमार ने मुझे भरोसा दिलाया कि डरने जैसी कोई बात नहीं है। वह आराम से बाइक चला रहे थे, सब कुछ नॉर्मल लग रहा था। लेकिन अचानक अक्षय ने मुझसे कसकर पकड़ने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने बाइक की रफ़्तार तेज़ कर दी। यह देखकर मैं बुरी तरह घबरा गई।'

उन्होंने कहा, ''उस पल मैं बहुत डर गई थीं। मेरा शरीर जैसे जम सा गया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। डर के मारे मैं सिर्फ भगवान को याद कर रही थीं और यही प्रार्थना कर रही थीं कि सब ठीक रहे।''

इस पुराने किस्से को याद करते हुए शो के होस्ट और अभिनेता अक्षय कुमार भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए।

100 एकड़ में बना महिष्मती राज्य, 500 से अधिक लोगों ने मिलकर बनाया सेट, ऐसे हुई थी 'बाहुबली 2' की शूटिंग

मुंबई। साल 2017 में आज के दिन ऐसी फिल्म रिलीज हुई थी, जिसने हिंदी सिनेमा से लेकर दक्षिण भारतीय सिनेमा को हिलाकर रख दिया था। फिल्म का नाम था 'बाहुबली 2: द कॉन्क्लूजन'।

आज फिल्म के रिलीज को नौ साल पूरे हो चुके हैं और बहुत कम लोग जानते हैं कि बाहुबली 2: द कॉन्क्लूज़न पहली फिल्म थी जिसका पेड प्रीव्यू रखा गया था। आज के समय में फिल्मों का पेड प्रीव्यू रखना हर हिंदी फिल्म की परंपरा बन चुकी है। आज फिल्म के रिलीज के नौ साल पूरे होने पर हम आपको फिल्म से जुड़े कुछ अनोखे फैक्ट्स बताएंगे।

बाहुबली 2: द कॉन्क्लूज़न ने रिलीज के बाद भारत की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म का खिताब हासिल किया, लेकिन फिल्म 'दंगल' का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई, लेकिन बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि फिल्म बाहुबली की शूटिंग के दौरान ही दूसरे पार्ट की 30 फीसदी शूटिंग पहले कर ली गई थी और बाद में बाकी की बची फिल्म की शूटिंग पूरी सुरक्षा के साथ की गई।

बाहुबली और बाहुबली 2: द कॉन्क्लूज़न में दिखाए गए फिल्म सेट की चर्चा आज भी होती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सेट

को सिर्फ ग्राफिक्स की मदद से नहीं, बल्कि मुंबई से दूर हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में बनाया गया था? फिल्म के लिए 100 एकड़ में महिष्मति राज्य का निर्माण किया गया था। सेट के निर्माण में 60 करोड़ का खर्च आया था और बनाने के लिए 500 से अधिक लोगों की टीम ने मिलकर कई महीनों तक काम किया था। सेट का निर्माण कला निर्देशक साबू सिरिल ने अपनी टीम के साथ किया था, जो कालापानी, अशोक, ओम शांति ओम और रोबोट जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

फिल्म के कुछ सीन्स की शूटिंग केरल के कन्नवम वन, अथिरप्पिल्ली जलप्रपात, और ओरवाकल रॉक गार्डन में भी हुई थी। आपको बाहुबली और बाहुबली 2: द कॉन्क्लूज़न में झरने वाले सीन की शूटिंग केरल के

मां बनने से पहले दिव्यांका त्रिपाठी के नेहा मर्दा संग डांस वीडियो ने जीता फैंस का दिल

मुंबई। लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत पलों को एन्जॉय कर रही हैं। वह जल्द ही मां बनने वाली हैं और अपने फैंस के साथ खास पल साझा करती रहती हैं। इस बीच उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अभिनेत्री नेहा मर्दा के साथ नजर आ रही हैं। इस वीडियो को लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

ये वीडियो नेहा मर्दा ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसमें वह और दिव्यांका त्रिपाठी एक पुराने मशहूर गाने 'कभी आर कभी पार लागा तीरे नजर' के नए ट्रैक पर डांस करती दिखाई दे रही हैं। दोनों एक्ट्रेस बैठकर ही गाने की धुन पर स्टेप्स मैच करती नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके चेहरे की खुशी साफ झलक रही है।

वीडियो में दिव्यांका ने बेबी पिंक कलर का कुर्ता पहना हुआ है और उनका बेबी बंप भी साफ दिखाई दे रहा है। वह बेहद प्यारे अंदाज में डांस करती नजर आ रही हैं। वहीं नेहा मर्दा भी उनके साथ मस्ती भरे अंदाज में दिखाई दे रही हैं।

कुछ दिन पहले नेहा मर्दा ने दिव्यांका से मुलाकात की थी। उस दौरान उन्होंने दिव्यांका को भगवान कृष्ण की एक सुंदर प्रतिमा भेंट की थी। माना जा रहा है कि दोनों किसी खास काम के सिलसिले में मिली थीं। इस मुलाकात की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं।

19 मार्च को 'गुड़ी पड़वा' के खास मौके पर दिव्यांका और उनके पति विवेक दहिया ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी दी थी। इस खबर के सामने आते ही फैंस और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने उन्हें ढेरों बधाइयां दीं। यह कपल शादी के करीब 11 साल बाद अपने पहले बच्चे का स्वागत करने जा रहा है।

लव स्टोरी की बात करें तो दिव्यांका 'ये है मोहब्बतें' के दौरान विवेक दहिया को दिल दे बैठी थीं। विवेक से उनकी मुलाकात एक्टर पंकज भाटिया ने कराई थी। इसके बाद मुलाकातों का सिलसिला चला और दोनों प्यार में पड़ गए। दोनों ने 8 जुलाई 2016 को शादी की थी। उन्होंने चंडीगढ़ और मुंबई में रिसेप्शन भी रखा।

6 साल अटकी रही शाहरुख खान की यह ब्लॉकबस्टर फिल्म, नहीं ली थी एक रुपया भी फीस

मुंबई। हिंदी सिनेमा में रोजाना नई फिल्में रिलीज होती है और बॉक्स ऑफिस पर नए आयाम गढ़ती है, लेकिन 90 के दशक की फिल्मों को बीट कर पाना आज के समय की फिल्मों के बस की बात नहीं है।

आज शाहरुख खान और सलमान खान को एक साथ लंबे समय तक स्क्रीन पर देख पाना दुर्लभ हो गया है, लेकिन एक फिल्म ऐसी थी, जिसने करण-अर्जुन के बाद स्क्रीन पर तहलका मचा दिया था, लेकिन फिल्म के रिलीज में काफी देरी हुई। हम बात कर रहे हैं साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'हम तुम्हारे हैं सनम की'।

इस फिल्म में शाहरुख खान और सलमान खान के अलावा माधुरी दीक्षित लीड रोल में थी, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि फिल्म को बनाने और रिलीज करने में 6 साल का लंबा समय लग जाएगा। साल 1997 में फिल्म को बनाने की शुरुआत हुई, लेकिन फिल्म के टाइटल और अलग-अलग गानों के लिए म्यूजिक कंपोजर और सिंगर्स को बदलने की वजह से रिलीज में अच्छी-खासी देरी हुई। इतना ही नहीं, रिलीज से पहले फिल्म के कई सीन्स में भी बदलाव किए गए, क्योंकि फिल्म में 1997 के फैशन को ध्यान में रखते हुए लुक और हेयरस्टाइल डिजाइन किए गए थे, लेकिन रिलीज से पहले कुछ लुक और खासकर माधुरी के लुक में बदलाव किए गए। सारे लुक्स को नहीं, लेकिन कुछ लुक्स को काफी हद तक बदल दिया गया।

90 के दशक में बनी इस फिल्म में तीन बड़े मेगास्टार को साइन किया गया और तीनों की दोस्ती की वजह से ही फिल्म रिलीज तक पहुंच पाई। अगर फिल्म में कोई और हीरो या हिरोइन होती तो शायद ही फिल्म रिलीज हो पाती। तीनों स्टार्स ने फिल्मों की शूटिंग और बदलाव में पूरा साथ दिया, और साल 2002 में 28 मई को फिल्म को पर्दे पर रिलीज किया गया। बहुत कम लोग जानते हैं कि रोमांटिक किरदार निभाने वाले शाहरुख खान ने फिल्म में एक शक्की पति का किरदार निभाया और उन्होंने प्रोड्यूसर से साफ कहा था कि ऐसे किरदार मुझे समझ नहीं आते, लेकिन निर्माता के.सी. बोकाड़िया के कहने पर फिल्म के लिए 'हां' की थी और फीस के तौर पर 1 रुपया भी लेने से मना कर दिया था।शाहरुख को फीस के तौर पर 95 लाख रुपए देने थे, लेकिन शूटिंग और रिलीज में देरी की वजह से फिल्म का बजट पहले ही बढ़ चुका था, ऐसे में शाहरुख ने निर्माता से पैसा न देने के लिए कहा था। खुद निर्माता के.सी. बोकाड़िया ने खुलासा किया था कि शाहरुख जैसा अच्छा अभिनेता नहीं हो सकता है। हमने पैसे देने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

मैं शोर नहीं, सिर्फ अपने काम में भरोसा रखता हूं : अभिनेता किशन दास

मुंबई। तमिल फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता किशन दास प्रचार से दूर नजर आते हैं। वह अपने काम पर ध्यान देना ज्यादा पसंद करते हैं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर बताया कि आखिर वह अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स की जानकारी जल्दी क्यों नहीं देते।

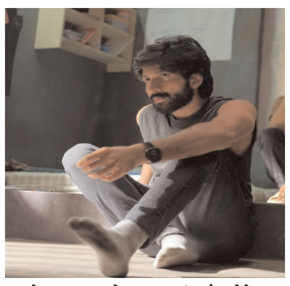

किशन दास ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, ''पिछले कुछ महीनों से कई लोग मुझसे लगातार पूछ रहे हैं कि मैं आगे क्या करने वाला हूं और मेरे नए प्रोजेक्ट्स को लेकर कोई खबर क्यों नहीं आती। शुरुआत से ही मेरा मानना रहा है कि किसी भी फिल्म या प्रोजेक्ट के बारे में तब तक बात नहीं करनी चाहिए, जब तक उसका काम पूरा न हो जाए।

उन्होंने कहा, ''अगर मैं पहले दिन से ही अपने काम का प्रचार करने लगूं, तो इससे लोगों को सिर्फ यह लगेगा कि मेरे पास बहुत ज्यादा काम है। लेकिन, मैं ऐसा दिखावा नहीं करना चाहता।अभिनेता ने कहा, ''जब किसी फिल्म का काम पूरा हो जाता है और उसके बाद दर्शकों को उसके बारे में बताया जाता है, तो लोग उस फिल्म से ज्यादा जुड़ाव महसूस करते हैं। इससे फिल्म का सफर छोटा, लेकिन ज्यादा खास बन जाता है, क्योंकि लोगों को जानकारी मिलने के कुछ समय बाद ही वह फिल्म देखने को मिल जाती है।

किशन ने कहा, ''मैं लगातार मेहनत कर रहा हूं और सही समय आने पर सभी जरूरी जानकारी साझा करता रहूंगा। मैं अपने दर्शकों को अच्छा सिनेमाघर अनुभव देना चाहता हूं। इसी सोच के साथ काम कर रहा हूं।

कुछ दिन पहले किशन दास ने एक और भावुक संदेश साझा किया था, जिसमें उन्होंने अपने संघर्षों को याद किया। अभिनेता ने कहा, ''जब भी मुझे खुद पर या अपने सफर पर शक होता है, तब मैं अपने पुराने दिनों को याद कर लेता हैं।

भारत और रूस के रक्षा मंत्रियों की मुलाकात, अंतरराष्ट्रीय हालात व रक्षा सहयोग पर बात

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद राजनाथ सिंह ने इस बातचीत को बेहतरीन और सार्थक बताया। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान मंगलवार को भारत और रूस के बीच यह अहम द्विपक्षीय वार्ता हुई।

यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब वैश्विक स्तर पर सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बदल रही हैं। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा हालात पर विस्तार से चर्चा हुई। खास तौर पर रक्षा सहयोग, सैन्य तकनीक और संयुक्त परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। भारत और रूस के बीच लंबे समय से मजबूत रक्षा संबंध रहे हैं।

भारतीय सशस्त्र बलों में उपयोग होने वाले कई प्रमुख सैन्य उपकरण और प्लेटफॉर्म रूस से जुड़े हैं। इसमें लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां और मिसाइल प्रणाली जैसे अहम संसाधन शामिल हैं, जो भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत बनाते हैं। दोनों देश रक्षा उत्पादन में सहयोग को और विस्तार देने पर सहमति जताते रहे हैं। भारत में ही संयुक्त रूप से रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी और तकनीकी क्षमता में भी वृद्धि होगी।

दोनों पक्ष समय समय पर रक्षा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी करते हैं। तय समयसीमा में रक्षा परियोजनाओं को पूरा को लेकर दोनों पक्षों के बीच सहमति है। माना जा रहा है कि सैन्य-तकनीकी सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए नए क्षेत्रों की पहचान पर भी यहां चर्चा हुई।

इससे पहले मंगलवार को ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन के बीच एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई है। यह मुलाकात भी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के इतर आयोजित की गई। दोनों देशों के रक्षामंत्रियों ने यहां क्षेत्रीय सुरक्षा और आपसी सहयोग पर चर्चा की। राजनाथ सिंह यहां एससीओ के अन्य सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। वह किर्गिस्तान में रह रहे भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे।

माना जा रहा है कि इस उच्चस्तरीय बातचीत के दौरान दोनों देशों के रक्षामंत्रियों ने एशिया की मौजूदा सुरक्षा स्थिति व क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर विचार विमर्श किया। साथ ही भारत-चीन के बीच संवाद को मजबूत करने जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। वहीं सीमा क्षेत्रों में बेहतर समन्वय और तनाव कम करने के लिए प्रभावी संचार तंत्र को और मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया।

विदेश मंत्री से मिलीं यूएन महासभा की अध्यक्ष बेयरबॉक

नई दिल्ली। भारत के दौरे पर आईं संयुक्त राष्ट्र महासभा की 80वीं अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। द्विपक्षीय बैठक में जयशंकर के साथ अहम मुद्दों पर चर्चा की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विदेश मंत्री ने इस मुलाकात के दौरान हुई चर्चा का खुलासा किया। उन्होंने लिखा कि एनालेना बेयरबॉक की मेजबानी करना सुखद रहा। इस दौरान हमने यूएन80, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावों और पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति पर सार्थक और व्यापक चर्चा की।

उन्होंने आगे लिखा कि हमने इस बात पर विशेष जोर दिया कि आज की बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप बहुपक्षवाद में सुधार आवश्यक है, जिसमें विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों की आवाज और प्राथमिकताओं को उचित प्रतिनिधित्व मिले। विदेश मंत्री ने उनकी सराहना करते हुए अंत में कहा, 'संयुक्त राष्ट्र में उनके नेतृत्व और महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं।'

आधिकारिक यात्रा के दूसरे दिन की शुरुआत उन्होंने राजघाट पहुंच महात्मा गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर की थी। इसके बाद ही उनकी जयशंकर से मुलाकात हुई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की 80वीं अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक भारत की अपनी आधिकारिक यात्रा पर सोमवार को दिल्ली पहुंचीं। वह भारत सरकार के निमंत्रण पर आई हैं। फरवरी में नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल होने के लिए सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस की यात्रा के बाद यह भारत में संयुक्त राष्ट्र के किसी उच्च पदेन अधिकारी की दूसरी यात्रा है।

एनालेना बेयरबॉक 2022 में भी भारत आई थीं। बतौर जर्मनी की विदेश मंत्री अपनी एक यात्रा के दौरान उन्होंने नई दिल्ली मेट्रो में भी सफर किया था।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष के तौर पर यह उनकी पहली यात्रा है। पहली यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था कि 'इसमें कोई शक नहीं कि भारत 21वीं सदी की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में महत्वपूर्ण किरदार निभाएगा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी और उससे बाहर भी।'

नया अमेरिकी बिल : हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी

वाशिंगटन। अमेरिका में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हो रहे लगातार हमलों के बीच वहां की कांग्रेस में एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को उत्पीड़न से बचाना है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं।

इस प्रस्ताव का नाम 'सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शन' (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध माना जाएगा।

इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया।

सुओजी ने कहा, 'किसी को भी परेशान होने या डराए-धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों।' वहीं, मिलर ने कहा, 'हर अमेरिकी को

बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है।'

यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब धार्मिक स्थलों के आसपास हमलों और डराने-धमकाने की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। समर्थकों का कहना है कि हिंदू मंदिर, यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिद और चर्च- सभी इस तरह की घटनाओं का सामना कर रहे हैं।

'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' ने कहा कि 'पूरे अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने और उन्हें अपवित्र करने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है,' जिससे श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है।

बांग्लादेश : प्रेस फ्रीडम ग्रुप की मांग, 'चार पत्रकारों के खिलाफ मामले राजनीति से प्रेरित, वापस ले सरकार'

वाशिंगटन। स्वतंत्र पत्रकारिता की बात करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय समूह ने बांग्लादेश की सरकार से चार पत्रकारों को जेल से छोड़ने की गुहार लगाई है। ये चारों मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के कार्यकाल में हिरासत में लिए गए थे। समूह के अनुसार, राजनीति से प्रेरित मामले को वापस लेकर उनकी रिहाई सुनिश्चित कर अपना चुनावी वादा पूरा करें।

बांग्लादेश के कानून, न्याय और संसदीय मामलों के मंत्री, मोहम्मद असदुज्जमां को लिखे एक खत में, कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) ने सरकार से फरजाना रूपा, शकील अहमद, मोजम्मेल हक बाबू और श्यामल दत्ता को रिहा करने की अपील की। सभी को हत्या के आरोप में पिछले 18 महीनों से हिरासत में रखा गया।

इसमें कहा गया है कि कोई भरोसेमंद सबूत पेश नहीं किया गया है, और उनके खिलाफ कोई

चार्जशीट फाइल नहीं की गई है।

सीपीजे के मुताबिक, पिछली अंतरिम सरकार की ये कार्रवाई उनके कथित राजनीतिक जुड़ाव के बदले में की गई लगती हैं। हिरासत के लगभग 600 दिन बाद भी पुलिस पत्रकारों के खिलाफ आरोपों को साबित करने वाली चार्जशीट फाइल करने में नाकाम रही है।

खत में आगे लिखा गया, 'चारों को 18 महीने से ज्यादा समय से हिरासत में रखा गया है; उन पर मर्डर का आरोप है लेकिन अब तक कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया जा सका है। कमेटी ने दस्तावेज पेश किए, पारिवारिक सदस्यों की गवाही ली गई और अंतरराष्ट्रीय वकीलों ने समीक्षा की, लेकिन इस आधार पर भी कोई चार्जशीट पेश नहीं की जा सकी। इन मामलों का पैटर्न पत्रकारों की रिपोर्टिंग और कथित पॉलिटिकल जुड़ाव को ध्यान में रखकर गढ़ा जाता है—ऐसी प्रैक्टिस जिससे इतर आपने काम करने का दावा किया था।' सीपीजे ने हिरासत में लिए गए पत्रकारों की मानवीय स्थिति पर गहरी चिंता जताई, और चेतावनी दी कि बिना सही मेडिकल केयर के उन्हें लगातार जेल में रखना उनकी हेल्थ और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। खत में आगे लिखा था, 'रूपा को नवंबर 2024 में दो हफ्ते के लिए मौत की सजा पाए कैदियों के लिए रिजर्व 'सेल' में रखा गया था। दत्ता को 16 सितंबर, 2024 को हिरासत में लेने के कुछ ही दिनों में स्ट्रोक आया, जिसके बारे में उनके परिवार को तुरंत नहीं बताया गया। उन्हें दिल की समस्याओं और गंभीर स्लीप एपनिया की मेडिकल हिस्ट्री है, जिसका कस्टडी में रहते ख्याल भी नहीं रखा गया।'

इसमें आगे कहा गया, 'सितंबर में उसी दिन गिरफ्तार हुए बाबू को प्रोस्टेट कैंसर का पता चला था और 2023 के आखिर में उनकी बड़ी इनवेसिव सर्जरी हुई थी। हालांकि, उन्हें जरूरी फॉलो-अप केयर नहीं मिली है, जिससे उन्हें बिना पता चले कैंसर दोबारा होने का खतरा बना हुआ है।'

इंटरनेट ब्लैकआउट के बीच स्टारलिंक डिवाइस से जासूसी का आरोप, कई गिरफ्तार

तेहरान। ईरान में इंटरनेट ब्लैकआउट 60वें दिन में प्रवेश कर गया। इसका मतलब स्पष्ट है कि देश की बड़ी आबादी पूरी दुनिया से कटी हुई है। इंटरनेट मॉनिटरिंग ग्रुप

नेटब्लॉक्स ने इसकी जानकारी रोज की तरह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। इस बीच एक खबर स्टारलिंक डिवाइस के जरिए जासूसी कर रहे लोगों की गिरफ्तारी से भी जुड़ी है।

एजेंसी ने एक्स सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'ठीक दो महीने पहले, 28 फरवरी को, ईरान डिजिटल अंधेरे में चला गया था क्योंकि अधिकारियों ने ग्लोबल इंटरनेट का एक्सेस काट दिया था। मेट्रिक्स दिखाते हैं कि सरकार की खास ग्रुप्स के लिए टियर्ड एक्सेस शुरू करने की कोशिशों के बावजूद, 1416 घंटे बाद ब्लैकआउट अब 60वें दिन में पहुंच रहा है।'

कुछ पत्रकारों, बिजनेस और नेताओं को इंटरनेट एक्सेस दिया जा रहा है। लेकिन ज्यादातर ईरानी पूरी तरह से कट गए हैं। जनवरी में देश भर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के दौरान पहले भी इंटरनेट शटडाउन हुआ था। इस बीच, ईरान में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट डिवाइस के जरिए जासूसी करने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। देश की विभिन्न समाचार एजेंसियों ने पुलिस के हवाले से ये जानकारी दी। पुलिस का दावा है कि आरोपी संवेदनशील जानकारी, तस्वीरें और वीडियो विदेशी एजेंसियों तक पहुंचा रहे थे।

यूएनजीए प्रमुख एनालेना बेयरबॉक ने राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत दौरे की शुरुआत उन्होंने बापू को नमन करके की।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा, 'बापू के कालजयी विचारों को नमन। यूएनजीए अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक ने आज राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर अपने भारत दौरे की शुरुआत की।'

एनालेना बेयरबॉक सोमवार को दो दिन के आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचीं। उनका यह दौरा विदेश मंत्री एस जयशंकर के निमंत्रण पर हो रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि यह यात्रा संयुक्त राष्ट्र के साथ भारत की मजबूत साझेदारी को दर्शाती है। अपने दौरे के दौरान एनालेना बेयरबॉक मंगलवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक करेंगी, जिसमें दोनों पक्ष आपसी हितों से जुड़े महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा, वह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के शासन और नियमन पर एक इंटरएक्टिव सत्र में भी हिस्सा लेंगी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष के प्रवक्ता के अनुसार, 23 अप्रैल को यह भी जानकारी दी गई थी कि बेयरबॉक भारत में संयुक्त राष्ट्र टीम से भी मुलाकात करेंगी, जिसका नेतृत्व रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रीजनर कर रहे हैं।

गौरतलब है कि यह संयुक्त राष्ट्र की ओर से भारत का दूसरा हाई-लेवल दौरा है। इससे पहले फरवरी में महासचिव एंटोनियो गुटेरेस नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल होने आए थे। बेयरबॉक भारत से भली-भांति परिचित हैं। जर्मनी की विदेश मंत्री रहते हुए वह पहले भी भारत आ चुकी हैं और एक बार उन्होंने दिल्ली मेट्रो में यात्रा कर भारत के साथ रिश्तों को मजबूत करने का संदेश दिया था। हालांकि, यूएनजीए अध्यक्ष के रूप में यह उनका पहला भारत दौरा है। अपने 2022 के दौरे के दौरान उन्होंने कहा था कि 21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य को आकार देने में भारत की अहम भूमिका होगी। उन्होंने यह भी सराहा था कि भारत ने पिछले 15 वर्षों में 40 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है। भारत दौरे के बाद एनालेना बेयरबॉक चीन की यात्रा पर जाएंगी।

ट्रंप की पूर्व सहयोगी बोलीं, 'ईरान से संघर्ष का नतीजा भुगतेंगे अमेरिका के किसान'

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पूर्व सहयोगी और अब आलोचक मार्जोरी टेलर ग्रीन ने सोशल मीडिया पर ईरान के खिलाफ हथियारों के इस्तेमाल और संघर्ष की सख्त निंदा की है। पिछले कुछ दिनों से वो लगातार ट्रंप प्रशासन को विभिन्न तरीकों से घेरती आई हैं लेकिन इस बार उन्होंने जमीन से जुड़ा मुद्दा उठाया है। उन्होंने यूएस के किसानों पर पड़ने वाले गंभीर असर की बात की है।

अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से उन्होंने लिखा, 'भविष्य में एक दिन, माता-पिता अपने बच्चों को बताएंगे कि ईरान के खिलाफ ट्रंप के संघर्ष की वजह से ही खेत खराब हुए क्योंकि किसान खाद या उर्वरक नहीं खरीद पाए और खेती की लागत बहुत ज्यादा हो गई थी।'

उन्होंने अमेरिकन फार्म ब्यूरो फेडरेशन के एक सर्वे को शेयर करते हुए अपनी बात रखी। इस सर्वे में पाया गया कि लगभग 70 प्रतिशत अमेरिकी किसान अपनी जरूरत के सभी उर्वरक नहीं खरीद पा रहे हैं और इससे बचने

के लिए वो सीमित खेती कर रहे हैं।

पूर्व कांग्रेस सदस्य ने संघर्ष का समर्थन करने वाले रिपब्लिकन सीनेटर की भी आलोचना करते हुए कहा, 'दुनिया में शांति के बजाय लिंडसे ग्राहम चाहते हैं कि 'न्यूक्लियर बम गिराया जाए और ट्रंप को बॉलरूम बनाने के लिए 400 मिलियन डॉलर दे दिए जाएं!' पिछले कुछ दिनों से ग्रीन लगातार ट्रंप की नीतियों पर सवाल उठा रही हैं।

अफगानिस्तान 2030 तक 25 हजार से ज्यादा महिला शिक्षक और स्वास्थ्यकर्मी खो सकता है : यूनिसेफ

काबुल। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने मंगलवार को चेतावनी दी कि लड़कियों की शिक्षा और महिलाओं के रोजगार पर जारी प्रतिबंधों के कारण अफगानिस्तान वर्ष 2030 तक 20,000 महिला शिक्षकों और 5,400 स्वास्थ्यकर्मियों को खो सकता है।

यूनिसेफ ने अपनी ताजा रिपोर्ट 'द कॉस्ट ऑफ इनएक्शन ऑन गर्ल्स एजुकेशन एंड वीमेन लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन इन अफगानिस्तान' में कहा कि 2023 से 2025 के बीच सिविल सेवाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत से घटकर 17.7 प्रतिशत रह गई है।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि स्कूलों और अस्पतालों में प्रशिक्षित महिला पेशेवरों की घटती संख्या बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और भविष्य के अवसरों पर गंभीर असर डालेगी।

यूनिसेफ के मुताबिक, लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा व रोजगार पर रोक के कारण अफगानिस्तान को हर साल 8.4

करोड़ अमेरिकी डॉलर के आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। यह नुकसान समय के साथ और बढ़ता जाएगा, यदि महिलाओं को शिक्षा और रोजगार से दूर रखा गया।

संस्था ने कहा कि शिक्षण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे क्षेत्रों से महिलाओं को बाहर करना सीधे तौर पर बच्चों को प्रभावित करता है। इससे स्कूलों में लड़कियों की संख्या घटेगी और महिलाओं व बच्चों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाएं कमजोर होंगी।

अफगानिस्तान : कुनार यूनिवर्सिटी पर पाकिस्तानी हमले में 30 लोग घायल, उच्च शिक्षा मंत्रालय ने की निंदा

काबुल। अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने कुनार प्रांत में सैयद जमालुद्दीन अफगान यूनिवर्सिटी पर पाकिस्तानी मिसाइल हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस हमले में करीब 30 छात्र और प्रोफेसर घायल हो गए, जबकि यूनिवर्सिटी परिसर को भी काफी नुकसान पहुंचा है।

हमले के बाद सोमवार को जारी एक बयान में, मंत्रालय ने इसे 'कायरतापूर्ण, बेरहम और सभी इस्लामिक और अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों के खिलाफ' बताया।

इस हमले को शिक्षा और अफगानिस्तान की बुनियादी नींव पर हमला बताते हुए, मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से इस 'बेरहम कार्रवाई' के सामने खामोश न रहने की अपील की।

बयान में आगे कहा गया कि अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा मंत्री शेख नेदा मोहम्मद नदीम ने अधिकारियों से घायलों का तुरंत इलाज और देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया। मंत्रालय ने भरोसा दिलाया कि वह देश के शैक्षिक केंद्रों, खासकर विश्वविद्यालयों और धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा के लिए अपने सभी संसाधनों का इस्तेमाल करेगा। इस बीच, एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने कुनार की राजधानी असदाबाद में पाकिस्तानी सैन्य हमलों में आम लोगों को पहुंचे नुकसान की खबरों पर गहरी चिंता जताई है।

स्थानीय सोर्स का हवाला देते हुए, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (आईएचआरएफ) ने कहा कि सोमवार दोपहर को हुए हमलों में रिहायशी इलाकों के साथ-साथ सैयद जमालुद्दीन अफगान यूनिवर्सिटी भी शामिल थी। इन हमलों में काफी संख्या में आम लोगों की मौत हुई और करीब 48 लोग घायल हुए। ह्यूमन राइट्स संस्था ने कहा कि स्थानीय मेडिकल केंद्रों से मिली रिपोर्ट से पता चला है कि कई घायलों को यहां लाया गया और कुछ शव भी पहुंचाए गए।

आरकॉम केस में ईडी ने जब्त की अनिल अंबानी ग्रुप की 3,034 करोड़ की अतिरिक्त संपत्ति

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) बैंक फ्रॉड मामले में 3,034.90 करोड़ रुपए की अतिरिक्त संपत्तियां जब्त (अटैच) की हैं। इससे रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) से जुड़े मामलों में कुल जब्ती 19,344 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गई है। यह जानकारी मंगलवार को जारी जांच एजेंसी के एक बयान में दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनी विशेष जांच टीम (एसआईटी) इस मामले की जांच कर रही है। इसमें बैंक और सार्वजनिक धन के गलत इस्तेमाल और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच की जा रही है।

बयान में ईडी ने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकने वाले कानून धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 5 के तहत यह कार्रवाई की गई है, ताकि संपत्तियों को बेचे या छिपाए जाने से रोका जा सके और बैंकों व जनता के हित सुरक्षित रहें।

यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की कई एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी, जो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और भारतीय जीवन बीमा निगम की शिकायतों पर दर्ज की गई थीं। इन शिकायतों में अनिल अंबानी और उनकी कंपनी आरकॉम समेत अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है।

आरकॉम और उसकी ग्रुप कंपनियों ने देश-विदेश के बैंकों से लोन लिया था, जिसमें कुल 40,185 करोड़ रुपए बकाया हैं। जांच में पता चला है कि प्रमोटर ग्रुप की कुछ संपत्तियां जैसे मुंबई के उषा किरण बिल्डिंग में फ्लैट, पुणे के खंडाला में फार्महाउस और अहमदाबाद के साणंद में जमीन शामिल हैं।

इसके अलावा, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के 7.71 करोड़ शेयर भी जब्त किए गए हैं, जो राइजी इंफिनिटी प्राइवेट लिमिटेड के पास थे। यह कंपनी अनिल अंबानी के परिवार से जुड़ी एक ट्रस्ट का हिस्सा है।

रीवा में अपने स्कूल पहुंचे जनरल उपेंद्र द्विवेदी, भावनात्मक पल साझा किए

नई दिल्ली। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सैनिक स्कूल रीवा का दौरा किया है। इस सैनिक स्कूल से जनरल द्विवेदी का गहरा जुड़ाव रहा है। दरअसल, उन्होंने इस सैनिक स्कूल से पढ़ाई की है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को अपने पुराने स्कूल सैनिक स्कूल रीवा का दौरा कर भावनात्मक पल साझा किए। यह दौरा उनके लिए गर्व और स्मृतियों से भरा रहा, क्योंकि यहीं से उनके अनुशासन, साहस और नेतृत्व की यात्रा की शुरुआत हुई थी।

अल्मा मेटर पहुंचकर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने स्कूल परिसर में स्थित मेमोरियल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सेना प्रमुख ने कैडेट्स द्वारा दिए गए गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने स्कूल के शिक्षकों और कैडेट्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे इस महत्वपूर्ण संस्थान की श्रेष्ठ परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने स्कूल के गलियारों में एक बार फिर चलते हुए अपने पुराने अनुभव साझा किए और युवा कैडेट्स को प्रेरित किया कि वे ईमानदारी, समर्पण और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ें। बता दें कि सैनिक स्कूल सरीखे संस्थान देश के सैन्य लीडर्स को तैयार करने की आधारशिला रखते हैं।

संक्षिप्त खबर

दिल्ली सरकार ने जीटीबीएच में एफएनबी कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया

नई दिल्ली । बाल चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिल्ली सरकार ने गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबीएच) में पीडियाट्रिक्स (इमरजेंसी मेडिसिन) में एफएनबी (फेलोशिप ऑफ नेशनल बोर्ड) कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है, जिसमें प्रतिवर्ष 2 सीटें निर्धारित होंगी।

गुरु तेग बहादुर अस्पताल में हर वर्ष लगभग 30000 से लेकर 35000 बाल आपातकालीन मरीजों का इलाज किया जाता है, जिसके मद्देनजर पीडियाट्रिक इमरजेंसी मेडिसिन में सुपर-स्पेशियलिटी प्रशिक्षण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

इस कार्यक्रम के शुरू होने से इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के इमरजेंसी इलाज में भी मदद मिलेगी।

यह एफएनबी (फेलोशिप ऑफ नेशनल बोर्ड) कार्यक्रम नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस (एनबीई) के अंतर्गत संचालित होता है, जो दो वर्ष का पोस्ट-एमडी सुपर-स्पेशियलिटी कोर्स है और वरिष्ठ रेजिडेंसी के समकक्ष है। प्रशिक्षुओं को मौजूदा रिक्त वरिष्ठ रेजिडेंट पदों की जगह समायोजित किया जाएगा, जिससे उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा और सरकार पर कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ेगा।

यह फैसला दिल्ली सरकार की टरसरी स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत करने और उन्नत चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में सरकार दिल्ली के सभी नागरिकों के लिए एक सशक्त, संवेदनशील और भविष्य के लिए तैयार स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण के लिए लगातार प्रयासरत है।

अहमदाबाद : सताधार फोर-लेन फ्लाईओवर ब्रिज से लाखों लोग को मिली सुगम कनेक्टिविटी

अहमदाबाद। अहमदाबाद को सताधार फोर-लेन फ्लाईओवर ब्रिज की सौगात मिलने से शहर के पश्चिमी इलाके में लाखों लोगों को सुगम कनेक्टिविटी मिली है। स्थानीय लोगों ने प्रदेश की सरकार का इस ब्रिज के लिए आभार जताया है।

अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र में सताधार जंक्शन पर नवनिर्मित फोरलेन फ्लाईओवर ब्रिज की सौगात से शहर के पश्चिमी इलाके में लोगों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिली है।

29 मार्च को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने नारनपुरा से साइंस सिटी जाने वाले व्यस्ततम मार्ग पर बने सताधार फोर-लेन फ्लाईओवर ब्रिज का उद्घाटन किया था। करीब 90 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस ब्रिज की लंबाई 936 मीटर और चौड़ाई 16.60 मीटर है। इस फ्लाईओवर के शुरू होने से जहां लोगों का आवागमन आसान हो गया है, वहीं उनके समय और ईंधन की भी बचत हो रही है।

स्थानीय निवासी विशाल उपाध्याय ने कहा कि इससे बहुत लाभ हो रहा है। समय की बचत भी हो रही है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सताधार जंक्शन पर फ्लाईओवर बनाने का सुझाव दिया था, और राज्य सरकार ने इसके लिए 'स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना' के अंतर्गत अनुदान आवंटित किया था। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा रिकॉर्ड समय में सताधार फ्लाईओवर ब्रिज के निर्माण से स्थानीय लोग बेहद खुश हैं।

किरीटभाई बारोट ने कहा कि इस ब्रिज के बनने से काफी लाभ हो रहा है। स्थानीय लोगों के लिए यह आशीर्वाद है। सरकार का इसके लिए आभार व्यक्त करते हैं।

हार्दिक शाह ने कहा कि सरकार ने बहुत अच्छा कार्य किया है, जाम की समस्या से छुटकारा मिला है, सरकार धन्यवाद की पात्र है। समय की काफी बचत हो रही है। लोगों को काफी लाभ हो रहा है। सताधार फ्लाईओवर ब्रिज को अहमदाबाद शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

शहर के इस व्यस्ततम मार्ग से प्रतिदिन लगभग डेढ़ लाख लोग गुजरते हैं। जाहिर है कि इस फ्लाईओवर के शुरू होने से घाटलोडिया, सोला, पावापुरी, थलतेज और चाणक्यपुरी समेत आसपास के इलाकों में ट्रैफिक की दिक्कतें कम हुई हैं, साथ ही लाखों लोगों को सुगम कनेक्टिविटी की सुविधा मिली है।

54 वर्षों से गुजरात के विकास और समृद्धि में उकाई डैम का महत्वपूर्ण योगदान

सूरत। दक्षिण गुजरात की लाइफलाइन उकाई डैम 54 वर्षों से प्रदेश के विकास और समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसने 3.31 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान कर हरा-भरा बना दिया है। सूरत में तापी नदी पर बना उकाई डैम दक्षिण गुजरात की लाइफलाइन है। पांच दशक पहले 1972 में स्थापित यह डैम बीते 54 वर्षों से गुजरात के विकास और समृद्धि में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

इंजीनियरिंग कौशल के बेजोड़ उदाहरण उकाई डैम को 'वल्लभ सागर' के नाम से भी जाना जाता है। डैम की कुल लंबाई 4,900 मीटर है, जबकि ऊंचाई 345 फीट है, यानी करीब 30 मंजिल इमारत के बराबर है। डैम का कैचमेंट एरिया लगभग 62,225 वर्ग किलोमीटर है और इसकी वाटर स्टोरेज कैपेसिटी 7,414 मिलियन क्यूबिक मीटर है।

उकाई डैम से सूरत, तापी, नवसारी और वलसाड समेत दक्षिण गुजरात के कई जिलों की करीब 3.31 लाख हेक्टेयर जमीन पूरे साल सिंचित होती है। किसान इस डैम को किसी आशीर्वाद से कम नहीं मानते हैं।

उत्तरकाशी पुलिस ने नशा तस्कर को किया गिरफ्तार, 794.50 ग्राम चरस जब्त

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए उत्तरकाशी पुलिस द्वारा नशे और अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान के दौरान 794.50 ग्राम अवैध चरस के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद चरस की अनुमानित कीमत करीब 1.60 लाख रुपए बताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में जनपद में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। चारधाम यात्रा सीजन को देखते हुए यात्रा मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और नशा तस्करों पर विशेष नजर रखी जा रही है। जानकारी के अनुसार, 27 अप्रैल की शाम पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने मानपुर रोड स्थित कुटेटी देवी मंदिर के पास कार्रवाई की। सटीक सूचना के आधार पर टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर एक संदिग्ध आर्टिका कार (यूके07बीएल 9719) को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन सवार विजय सिंह (38) के कब्जे से 794.50 ग्राम अवैध चरस बरामद की गई। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली के एलजी संधू ने इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर में ग्रीष्मकालीन कार्य योजना की समीक्षा की

नई दिल्ली। एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के उपराज्यपाल टी.एस. संधू ने मंगलवार को एनडीएमसी मुख्यालय स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) के दौरे के दौरान 'ग्रीष्मकालीन कार्य योजना' की समीक्षा की और नागरिक-केंद्रित शहरी शासन पर जोर दिया।

उपराज्यपाल ने आईसीसीसी की तारीफ की और कहा कि इस टेक्नोलॉजी-आधारित मॉडल को पूरे देश की नागरिक एजेंसियां अपना सकती हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'ग्रीष्मकालीन कार्य योजना और चल रहे लू से बचाव के उपायों की समीक्षा करने के लिए पालिका केंद्र स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) का दौरा किया।' उन्होंने कहा, 'राजधानी के डिजिटल नर्व सेंटर के तौर पर, आईसीसीसी सेवाओं को इंटीग्रेट करने के लिए आईओटी-आधारित सिस्टम का इस्तेमाल, पानी के मैनेजमेंट से लेकर पर्यावरण की निगरानी तक, करता है। शासन के इस टेक्नोलॉजी-सक्षम मॉडल में पूरे देश के शहरी स्थानीय निकायों में दोहराए जाने की क्षमता है, ताकि नागरिक सेवाओं की डिलीवरी में सुधार हो सके।' उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रहे हैं, दिल्ली की भूमिका केंद्रीय बनी हुई है, जिसमें नई दिल्ली उस विजन का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, 'हालांकि तकनीकी क्षमताएं सराहनीय हैं, लेकिन असली प्राथमिकता कमजोर समुदायों और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए जमीन पर मजबूत अमल होना चाहिए। हम लचीले और नागरिक-केंद्रित शहरी शासन को समर्थन देने और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' इससे पहले, उपराज्यपाल ने इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर विमेन के 102वें स्थापना दिवस समारोह, 'समन्वय 2026' को संबोधित करते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया।

'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर विचार करते हुए, जो इस बात पर जोर देते हैं कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना मानवता की प्रगति अधूरी है, यह देखना प्रेरणादायक है कि इस ऐतिहासिक संस्थान की छात्राएं महिलाओं के नेतृत्व वाले, आधुनिक और ज्ञान-आधारित विकास के युग को अपना रही हैं।'

इस कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने छात्राओं को समाज में सार्थक प्रभाव डालने के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया।

गुजरात सरकार की जामनगर में कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं से लोगों को मिल रहा लाभ

जामनगर। 'छोटी काशी' के नाम से प्रसिद्ध जामनगर अब तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार जामनगर के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को गति दे रही है, जिनका सीधा लाभ शहर के लोगों को मिल रहा है।

सरकार जामनगर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के साथ-साथ भविष्य के एक प्रमुख इंडस्ट्रियल हब के रूप में भी स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। स्थानीय निवासी दिव्यराज सिंह जडेजा ने कहा कि सरकार द्वारा नागरिकों की सुख-सुविधाओं के लिए पिछले 30 वर्षों में कई कार्य किए गए हैं, और जो नए-नए क्षेत्र विकसित हुए हैं, उन सभी क्षेत्रों में 'नल से जल' योजना के माध्यम से हर व्यक्ति के घर तक पानी पहुंचाने की सुविधा सरकार द्वारा की गई है। इस तरह से देखा जाए तो पिछले 30 वर्षों में हमारा शहर अन्य सभी महानगरों की तुलना में काफी विकसित हुआ है। जामनगर में स्मार्ट सिटी के अनुरूप बेहतर नागरिक सुविधाएं विकसित करने के तहत ट्रैफिक को सुगम बनाने के लिए जहां सड़कों और फ्लाईओवर का तेजी से विस्तार किया जा रहा है, वहीं स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए आधुनिक अस्पताल बनाए जा रहे हैं। शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए नई पाइपलाइन बिछाई जा रही हैं, साथ ही सीवेज सिस्टम को भी आधुनिक बनाया जा रहा है। जामनगर नगर निगम के म्युनिसिपल कमिश्नर डीएन मोदी ने बताया कि जामनगर शहर में फिलहाल शहरी विकास वर्ष के अंतर्गत लगभग 1200 करोड़ रुपए के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है।

बस्ती में पर्यटन को रफ्तार: 901 लाख की 11 परियोजनाओं को मंजूरी, धार्मिक स्थलों का होगा कायाकल्प

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बस्ती जनपद के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए 901 लाख रुपए की 11 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य गुणवत्ता और तय समयसीमा में पूरे किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को शीघ्र लाभ मिल सके।

पर्यटन विभाग के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य योजना के तहत स्वीकृत इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सीएनडीएस को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि परियोजनाओं में देरी या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि स्वीकृत परियोजनाओं में प्रमुख रूप से धार्मिक स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं का विकास, सौंदर्यीकरण और बहुउद्देशीय अवस्थापना कार्य शामिल हैं। हरैया विधानसभा क्षेत्र के चतुर्भुजी मंदिर लोनिया (75 लाख) और महादेवा के प्राचीन स्वयंभू शिव मंदिर (65 लाख) के विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है।

इसी क्रम में रुधौली क्षेत्र के भानपुर स्थित बैडवा समय माता मंदिर (78 लाख) और महादेवा के रामजानकी मंदिर (72 लाख) के पर्यटन विकास को स्वीकृति मिली है। कप्तानगंज विधानसभा के बाबा भारीनाथ शिव स्थल (106 लाख) तथा बस्ती सदर के कोडरा चौराहे स्थित शिव मंदिर (107 लाख) के उन्नयन कार्य भी सूची में शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त बस्ती सदर के भदेश्वरनाथ गांव स्थित शिवधाम श्री बाबा भदेश्वर नाथ मंदिर के लिए सर्वाधिक 200 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, रुधौली में बहुउद्देशीय सुविधाओं (44 लाख), महादेवा के चंगेरवा गगिया कोहल स्थित प्राचीन शिव मंदिर (65 लाख), कबीर आश्रम मूडघाट (45 लाख), और हरैया के ऐतिहासिक तपसीयंधाम आश्रम (44 लाख) में अवस्थापना सुविधाओं के विकास को भी मंजूरी दी गई है।

भारत की आर्थिक ग्रोथ में मैन्यु-फैक्चरिंग हब निभा रहे अहम भूमिका

नई दिल्ली। भारत को 2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मैन्युफैक्चरिंग हब अहम भूमिका निभाएंगे। इस दौरान देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी कम से कम 25 प्रतिशत हो जाएगी, जो कि फिलहाल 16-17 प्रतिशत के बीच है। यह जानकारी केंद्र सरकार की एक आधिकारिक फैक्ट-शीट में मंगलवार को दी गई।

केंद्र ने कहा कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग रणनीति में एकीकृत मैन्युफैक्चरिंग केंद्रों के विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है। ये केंद्र फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर, नियामक सहायता, साझा सुविधाओं और कनेक्टिविटी को संयोजित करने वाले क्षेत्रीय इकोसिस्टम हैं। इन केंद्रों को व्यापक उत्पादन को बढ़ावा देने, लेन-देन लागत को कम करने और दीर्घकालिक मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे घरेलू और वैश्विक उत्पादन नेटवर्क में भारत की स्थिति मजबूत होती है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, सरकार की मैन्युफैक्चरिंग नीति इन्फ्रास्ट्रक्चर पर आधारित एकीकृत हब विकास की ओर मुड़ गई है, ताकि बड़े पैमाने पर उत्पादन, विश्वसनीयता और दीर्घकालिक औद्योगिक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जा सके।

भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी दृष्टिकोण में संरचनात्मक परिवर्तन आया है, जिसमें परियोजना-स्तरीय कार्यान्वयन से हटकर प्रणाली-स्तरीय नियोजन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस प्रकार का प्रणाली-स्तरीय नियोजन बाधाओं को कम करके, रसद दक्षता में सुधार करके और समय पर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करके विनिर्माण हब की प्रभावशीलता को सीधे बढ़ाता है।

बयान में आगे कहा गया कि इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार का पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2014-15 में 2 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में 12.2 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

वैश्विक निवेश रुझान भारत को एक पसंदीदा मैन्युफैक्चरिंग गंतव्य के रूप में तेजी से मान्यता दे रहे हैं। वर्तमान में देश विश्व स्तर पर तीसरा सबसे अधिक मांग वाला मैन्युफैक्चरिंग केंद्र है। साथ ही, उत्पादन की संरचना में भी बदलाव आ रहा है, जिसमें मध्यम और उच्च प्रौद्योगिकी गतिविधियां कुल विनिर्माण मूल्यवर्धन का 46.3 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो अधिक परिष्कृत औद्योगिक संरचनाओं की ओर क्रमिक बदलाव का संकेत देती हैं।

7.47 करोड़ उद्यमों वाले लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन का 35.4 प्रतिशत हिस्सा हैं और देश भर में मैन्युफैक्चरिंग केंद्रों का आधार हैं। यह श्रम-प्रधान क्षेत्र अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2026-27 के केंद्रीय बजट में विकास की गति को तेज करने के लिए तीन केमिकल पार्क, सात पीएम मित्रा पार्क, एमएसएमई क्लस्टर और 10,000 करोड़ रुपए की बायोफार्मा शक्ति पहल का प्रस्ताव किया गया है।वहीं, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (डीएमआईसी), चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक कॉरिडोर (सीबीआईसी), अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर (एकेआईसी) और विशाखापत्तनम चेन्नई औद्योगिक कॉरिडोर (वीसीआईसी) जैसे औद्योगिक कॉरिडोर, कनेक्टिविटी में सुधार और विभिन्न क्षेत्रों में एकीकृत योजना को सुगम बनाकर मैन्युफैक्चरिंग केंद्रों और क्लस्टरों को सहयोग प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

हीटवेव से बचाव जरूरी : आयुष मंत्रालय ने बताए फर्स्ट एड टिप्स

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में दिन का पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया है, जिससे हीटवेव का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में अपनी सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। इसी को देखते हुए आयुष मंत्रालय ने लोगों के लिए कुछ आसान और जरूरी फर्स्ट एड टिप्स जारी किए हैं, ताकि लोग गर्मी से खुद को सुरक्षित रख सकें।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया कि हीटवेव में शरीर का तापमान तेजी से बढ़ जाता है और शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में चक्कर आना, कमजोरी महसूस होना, सिरदर्द, ज्यादा पसीना आना या कभी-कभी बेहोशी जैसी स्थिति भी हो सकती है। इसलिए जैसे ही आपको ऐसा महसूस हो, तुरंत सावधान हो जाना चाहिए।

अगर आपको चक्कर या बेचैनी महसूस हो रही है, तो सबसे पहले किसी ठंडी या छायादार जगह पर चले जाएं। सीधे धूप में रुकना खतरे को और बढ़ा सकता है। इसके बाद शरीर को तुरंत आराम देना चाहिए और ढीले कपड़े पहनने चाहिए, ताकि शरीर को हवा मिल सके। शरीर को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी है, इसलिए बार-बार पानी पीते रहें। इसके अलावा ओआरएस, नींबू पानी या नारियल पानी भी फायदेमंद होता है।

अगर किसी व्यक्ति को ज्यादा गर्मी लग रही हो, तो उसके शरीर पर पानी से हल्का स्पंज करना भी राहत देता है। इससे शरीर का तापमान धीरे-धीरे कम होने लगता है। लेकिन ध्यान रखें कि अगर कोई व्यक्ति बेहोश हो जाए, तो उसे जबरदस्ती पानी या कुछ भी खाने-पीने को न दें।

आयुष मंत्रालय ने यह भी सलाह दी है कि इस मौसम में धूप में बाहर निकलने से बचें, खासकर दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच, क्योंकि इस समय गर्मी सबसे ज्यादा होती है। बाहर निकलना जरूरी हो तो सिर को ढककर रखें और हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें।

खानपान का भी खास ध्यान रखना चाहिए। हल्का और ताजा खाना खाएं, ज्यादा तला-भुना या भारी भोजन से बचें। साथ ही कैफीन और शराब जैसी चीजों से दूरी बनाए रखना बेहतर होता है, क्योंकि ये शरीर को और ज्यादा डिहाइड्रेट कर सकती हैं।

स्वस्थ जीवन का आधार 'भद्रासन', जानें इसके फायदे और करने का सही तरीका

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव और शरीरिक थकान एक आम समस्या है। ऐसे में योग और संतुलित आहार लेने से स्वास्थ्य ठीक रहता है। इन्हीं में से 'भद्रासन' आधुनिक जीवनशैली के लिए प्रभावी समाधानों में से एक है।

यह योग शुरुआती योगासन का सबसे महत्वपूर्ण योगासन है, जिसके 5-10 मिनट अभ्यास करने से मन शांत जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भद्रासन योग को अंग्रेजी में 'ग्रेसिऑस पोज' भी कहा जाता हैं।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, भद्रासन एक अत्यंत लाभकारी और स्थिर योगासन है, जिसके नियमित अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है। इसे करने के दौरान शरीर की मुद्रा कुछ इस प्रकार होती है कि रीढ़ की हड्डी सीधी रहती है और निचले हिस्से में खिंचाव आता है, जिससे शरीर प्राणायाम और गहरे ध्यान के लिए तैयार हो जाता है।

यह आसन महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। योग विशेषज्ञों का मानना है कि इसके नियमित अभ्यास से मासिक धर्म के

दर्द और असहजता से राहत दिलाने में मदद मिल सकती है। साथ ही, गर्भावस्था के दौरान भी, विशेषज्ञों की देखरेख में, लाभप्रद हो सकता है।

इस आसन का अभ्यास करना बेहद आसान है।

इसे करने के लिए सबसे पहले दोनों पैरों को सामने की ओर सीधा फैलाकर, पीठ व कमर सीधा रखते हुए बैठें। इसके बाद दोनों हथेलियों को नितंब के पास जमीन पर रखें। अब दोनों पैरों के तलवे पास ले आएं। फिर श्वास भरते हुए पैरों के पंजे हाथों से पकड़ लें। इसके बाद

श्वास भरते हुए एड़ियों को मूलधारा क्षेत्र के जितना संभव हो, नजदीक लाएं। इस अवस्था में 10 से 30 सेकेंड तक रुकें। फिर सामान्य रूप से श्वास लेते रहें।

यह आसन करने में काफी आसान है, लेकिन शुरुआत में इसके करने में बहुत ज्यादा जोर न लगाएं, धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ाएं।

गठिया या घुटने के गंभीर दर्द से पीड़ित लोगों को इस आसन से बचना चाहिए। साथ ही, गर्भवती महिलाओं को यह आसन करने से पहले योगाचार्य से परामर्श लेना चाहिए।

लीबिया में तेल और गैस की खोज भारतीय कंपनियों के वैश्विक विस्तार की झलक: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि हाल ही में भारतीय तेल कंपनियों - ऑयल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा स्थानीय साझेदारों के साथ मिलकर लीबिया में की गई तेल और गैस की खोज, देश की एनर्जी कंपनियों के विदेशों में विस्तार को दिखाती है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ऑयल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड को बधाई दी। यह दोनों कंपनियां घदामेस बेसिन में तेल और गैस खोज के लिए ऑपरेटर के रूप में अल्जीरिया की एसआईपीईएक्स के साथ एक भारतीय कंसोर्टियम का हिस्सा थे।

मंत्रालय ने कहा कि यह खोज कॉन्ट्रैक्ट एरिया 95/96 में हुई है, जहां तेल और गैस के कुओं को 8,440 फीट तक खोदा गया।

परीक्षण के दौरान, इस कुएं ने अविनात वानिन और अविन काजा संरचनाओं से प्रतिदिन 13 मिलियन क्यूबिक फीट गैस और 327 बैरल कंडेनसेट का उत्पादन हासिल किया।

सरकार ने आगे कहा कि इस खोज से रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का महत्व स्पष्ट होता है और राष्ट्रीय तेल कंपनियों द्वारा विदेशी संपत्तियों के अधिग्रहण के माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत के प्रयासों में मदद मिलती है।

सरकार ने कंसोर्टियम को इस संपत्ति से अधिक लाभ प्राप्त करने में निरंतर सफलता की कामना की और इस खोज को भारत की वैश्विक ऊर्जा उपस्थिति के लिए एक आशाजनक विकास बताया।

इस महीने की शुरुआत में, बजट सत्र के दौरान, सरकार ने सूचित किया कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उसने घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन को वर्तमान लगभग 29 मिलियन टन से बढ़ाकर 2030 तक 35 मिलियन मीट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा है।

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि सरकार घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने लोकसभा में लिखित उत्तर में बताया कि इनमें उत्पादन-साझाकरण अनुबंध व्यवस्था के तहत हाइड्रोकार्बन खोजों का शीघ्र मुद्रीकरण, डिस्कवर्ड स्मॉल फील्ड पॉलिसी, हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एंड लाइसेंसिंग पॉलिसी (हेल्प) और उत्पादन-साझाकरण अनुबंधों का विस्तार जैसी नीतियां शामिल हैं।

हाथ-पैर का ठंडा होना सिर्फ शरीर में परिवर्तन नहीं, बल्कि इन बीमारियों का है संकेत

नई दिल्ली। कुछ लोगों को हाथ-पैर के ठंडा रहने या फिर सुन्न रहने की समस्या का सामना करना पड़ता है। यह शरीर के भीतर होने वाला सामान्य परिवर्तन नहीं, बल्कि शरीर की आंतरिक कमजोरी का संकेत है। इसे नजरअंदाज करना शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है।

गर्मियों में यह दिक्कत ज्यादा बढ़ जाती है, क्योंकि बाहर का वातावरण और शरीर का तापमान तो गर्म रहता है, लेकिन हाथ और पैर बर्फ जैसे ठंडे हो जाते हैं।

यह छोटा सा लक्षण शरीर की कमजोरी और रक्त संचार के बेहतर न होने का इशारा है। जब शरीर में रक्त का संचार ठीक तरीके से नहीं हो पाता है, जिसकी वजह से हाथ और पैर तक रक्त नहीं पहुंच पाता और हाथ और पैर ठंडे रहते हैं। रक्त का संचार शरीर में गर्मी पैदा करता है और तापमान को भी बेहतर बनाए रखता है। खराब पाचन भी उसके पीछे की बड़ी वजह है। शरीर में खराब पाचन की वजह से शरीर को पूरी तरह से ऊर्जा नहीं मिल पाती है और उसका सीधा असर हाथ और पैर पर देखने को मिलता है।

तनाव और कमजोरी दोनों शरीर के संतुलन और पाचन को बिगाड़ देते हैं और यही कारण है कि हाथ और पैरों तक पहुंचने वाला रक्त सही तरीके से नसों में प्रभावित नहीं हो पाता। अगर लंबे समय तक हाथ-पैर ऐसे ही ठंडे बने रहते हैं, तो इससे नसों के सिकुड़ने की बीमारी हो सकती है, जिसे मेडिकल की भाषा में रेनॉड्स रोग कहा जाता है। इस बीमारी में रक्त को संचार में मदद करने वाली नसें सिकुड़ जाती हैं ।

मोबाइल और टीवी की लत बन रही बच्चों के विकास के लिए खतरा? जानिए सच

नई दिल्ली। आज के समय में अगर सबसे बड़ी चिंता किसी चीज को लेकर है, तो वह है बच्चों का बढ़ता हुआ स्क्रीन टाइम। मोबाइल, टीवी और टैबलेट अब बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं। सुबह उठने से लेकर रात सोने तक, कई बच्चे घंटों तक स्क्रीन से चिपके रहते हैं।

कई मां-बाप को लगता है कि अगर वे अपने बच्चे को मोबाइल या टीवी देखने देंगे तो वह शांति से एक जगह बैठा रहेगा और ज्यादा मौज-मस्ती करके तंग नहीं करेगा, लेकिन आपकी ये सहूलियत बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा बन सकती है।

टेक्नोलॉजी ने हमारी जिंदगी को आसान जरूर बनाया है, लेकिन इसका ज्यादा इस्तेमाल धीरे-धीरे आदत और फिर लत में तब्दील हो रहा है। इसका असर बच्चों पर भी पड़ रहा है। बच्चे अब आउटडोर गेम्स से दूर होते जा रहे हैं। पहले जहां बच्चे गली में क्रिकेट, खो-खो या साइकिलिंग करते थे, वहीं अब उनका ज्यादा समय वीडियो गेम्स, कार्टून और सोशल मीडिया पर गुजरता है।

इस बदलाव का असर उनकी सेहत पर साफ दिखने लगा है। कम शारीरिक गतिविधि के कारण बच्चों में मोटापा तेजी से बढ़ रहा है। कई बच्चे जल्दी थकने लगते हैं, उनका फिजिकल स्टैमिना कम हो रही है और आंखों से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। डॉक्टर भी मानते हैं कि ज्यादा स्क्रीन देखने से नींद की गुणवत्ता पर असर पड़ता है, जिससे बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास प्रभावित हो सकता है।

सिर्फ शरीर ही नहीं, दिमागी विकास पर भी इसका असर पड़ता है। लगातार स्क्रीन पर रहने से बच्चों का ध्यान कम समय तक टिक पाता है। पढ़ाई में मन कम लगना, जल्दी चिड़चिड़ापन और सोशल इंटरैक्शन में कमी जैसी समस्याएं भी देखने को मिल रही हैं। कई बच्चे असल दुनिया की बजाय वर्चुअल दुनिया में ज्यादा जीने लगते हैं, जो लंबे समय में उनके व्यक्तित्व को प्रभावित कर सकता है।

चतुरंग दंडासन से शरीर में तेज होता है ब्लड सर्कुलेशन, दूर होती है सुस्ती

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खराब खानपान, घंटों बैठे रहना और शारीरिक गतिविधियों की कमी लोगों की सेहत पर बुरा असर डाल रही है। इसकी वजह से शरीर में थकान, सुस्ती, मांसपेशियों में जकड़न और ब्लड सर्कुलेशन से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। योग में कई ऐसे आसन बताए गए हैं जो शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इन्हीं में से एक है चतुरंग दंडासन।

चतुरंग दंडासन देखने में पुशअप जैसा लगता है। इस आसन में शरीर को सीधा रखते हुए हाथों और पैरों की उंगलियों पर संतुलन बनाया जाता है। जब शरीर इस स्थिति में रहता है तो शरीर की कई मांसपेशियां एक साथ काम करने लगती हैं। इससे शरीर में खून का बहाव तेज होता है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनने लगता है।

चतुरंग दंडासन खासकर पैरों और शरीर के निचले हिस्से में ब्लड फ्लो को बेहतर करने में मदद करता है। जब शरीर का वजन हाथों और पैरों पर आता है तो खून तेजी से पूरे शरीर में घूमने लगता है। इससे शरीर में सुस्ती कम होती है और इंसान खुद को ज्यादा तरोताजा महसूस करता है। जो लोग लंबे समय तक कुर्सी पर बैठकर काम करते हैं, उनके लिए यह आसन काफी फायदेमंद माना जाता है।

यह योगासन शरीर को मजबूत बनाने में भी मदद करता है। इसे करने से हाथ, कंधे, पीठ और पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। साथ ही पेट की मांसपेशियां भी टोन होने लगती हैं।

चतुरंग दंडासन शरीर के पोश्चर को भी बेहतर बनाता है। आजकल कई लोग घंटों झुककर मोबाइल या लैपटॉप इस्तेमाल करते हैं, जिससे पीठ और गर्दन पर बुरा असर पड़ता है। यह आसन रीढ़ की हड्डी और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। इससे शरीर सीधा रखने में आसानी होती है ।

पीबीकेएस के विजय रथ पर लगा ब्रेक, आरआर ने 6 विकेट से हराया

न्यू चंडीगढ़। आईपीएल 2026 के 40वें मुकाबले में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 6 विकेट से हराया। महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स से मिले 223 रनों के लक्ष्य को आरआर ने 4 विकेट खोकर 19.2 ओवर में हासिल कर लिया। राजस्थान रॉयल्स की यह इस सीजन की छठी जीत है।

223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत शानदार रही। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 3.2 ओवर में 51 रन जोड़े। वैभव ने सिर्फ 16 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौके और 5 छक्कों की मदद से 43 रन बनाए।

ध्रुव जुरेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 16 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रियान पराग अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और 16 गेंदों में 29 रन बनाने के बाद युजवेंद्र चहल का शिकार बने। यशस्वी जायसवाल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 7 चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाए।

इसके बाद शुभम दुबे और डोनोवन फेरेरा ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिए 31 गेंदों में 71 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। फेरेरा ने 26 गेंदों का सामना करते हुए 52 रनों की नाबाद पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 6 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं, शुभम ने 12 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 31 रन बनाए और वह टीम को जीत दिलाकर लौटे। गेंदबाजी में पंजाब किंग्स की ओर से युजवेंद्र चहल ने 36 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए, जबकि अर्शदीप सिंह ने एक विकेट निकाला। इससे पहले, पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 222 रन लगाए। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या ने मिलकर पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े। प्रियांश ने 11 गेंदों में 29 रन बनाए। वहीं, कूपर कोनोली ने 14 गेंदों में 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 30 रन बनाए। प्रभसिमरन ने 44 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके और एक छक्के की मदद से 59 रनों का योगदान दिया। हालांकि, कप्तान श्रेयस अय्यर अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 27 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुए। अंत के ओवरों में मार्कस स्टोइनिस ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 22 गेंदों में 62 रनों की आतिशी पारी खेली।

आईपीएल 2026: भुवनेश्वर और हेजलवुड की पूर्व कीवी तेज गेंदबाज मिशेल मैक्लेनाघन ने तारीफ की

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में सोमवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबला खेला गया। भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड की घातक गेंदबाजी के दम पर आरसीबी ने डीसी को हरा दिया। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल मैक्लेनाघन मैच के बाद भुवनेश्वर और हेजलवुड की तारीफ की। मिशेल मैक्लेनाघन ने जियोस्टार से बात करते हुए कहा, 'भुवनेश्वर कुमार की असली ताकत लगातार कुछ नया करने में नहीं, बल्कि अपने बुनियादी हुनर ??पर पूरी तरह से महारत हासिल करने में है। वह लगातार वही चीजें बार-बार दोहरा रहे हैं, और इसमें बेहतर होते जा रहे हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट से मिले ब्रेक की वजह से अब उन्हें पूरे साल अपने समय को बेहतर ढंग से मैनेज करने में मदद मिल रही है। उन्हें अपनी फिटनेस पर काम करने और तरोताजा रहने के लिए काफी समय मिल रहा है। उनके पास काफी अनुभव है और वह जानते हैं कि दबाव वाले हालात से कैसे निपटना है। बात बस इतनी है कि आप वही कर पाएं जो आप हमेशा से करते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर का नई गेंद के साथ हमेशा जबरदस्त असर रहा है। वह हमेशा उन जगहों पर गेंद डालते हैं जिनसे बल्लेबाजों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। स्विंग पर उनका नियंत्रण है। ये हम सभी देख रहे हैं।

हेजलवुड की तारीफ करते हुए मिशेल मैक्लेनाघन ने कहा, 'वह एक ऐसे गेंदबाज हैं जिन्हें हर टीम अपने साथ रखना चाहती है। आरसीबी इस मामले में बहुत खुशकिस्मत है ।

'मैं शॉर्ट-बॉल की समस्या कभी ठीक नहीं कर पाऊंगा, इसी ताने ने मुझे प्रेरित किया': श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स एकमात्र ऐसी टीम है जिसने एक भी मैच नहीं गंवाया है। श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंचाया है। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले इंजरी से जूझने वाले अय्यर अब खिताब उठाने के लिए तैयार हैं।

श्रेयस अय्यर ने जियोस्टार के शो 'बिलीव' पर इरफान पठान से बात करते हुए इंजरी से उबरने, एक मजबूत मानसिकता बनाने और अपनी टीम के लिए मैच को फिनिश करने की जिम्मेदारी उठाने के बारे में विस्तार से बताया।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने उन लोगों को गलत साबित करने की अपनी लगातार कोशिश के बारे में बताया जो उन पर शक करते थे। अय्यर ने कहा, 'मेरे आस-पास ऐसे लोग हैं जो कहते हैं कि इस हालात में, तुम ऐसा नहीं कर सकते। यह नामुमकिन है। मुझे यह सुनना बिल्कुल पसंद नहीं है। एक क्रिकेटर के तौर पर, जो इतने ऊंचे स्तर पर खेल रहा हो, मैं यह बात बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर सकता। तब मेरे मन में यह पक्का हो जाता है कि मुझे उन्हें गलत साबित करना ही है। चुनौती यह बन जाती है। मैं इस हालात में था, तो अब मैं और भी ज्यादा मजबूती से वापसी कैसे कर सकता हूं? मैं खुद

को और भी ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित करता हूं और उन्हें गलत साबित करने के लिए जितनी जल्दी हो सके मैदान पर लौटने की कोशिश करता हूं। यही सोच मुझे लगातार आगे बढ़ने की हिम्मत देती रहती है, खासकर चोट लगने के बाद।

उन्होंने कहा, 'जब मुझे पीठ में चोट लगी थी, तो कुछ लोगों ने कहा था कि मैं अब कभी भी पहले जैसा नहीं बन पाऊंगा। मैंने खुद से पूछा, 'मैं वैसा क्यों नहीं बन सकता?' चोट लगने के बाद आप अपनी मानसिकता को किस तरह से ढालते हैं, यह बहुत मायने रखता है। आप खुद तय करते हैं कि आपको किस चीज पर ध्यान देना है और किस चीज को नजरअंदाज करना है।

आत्मविश्वास कहां से आता है और खुद को कैसे संभालते हैं? इस सवाल के जवाब में श्रेयस अय्यर ने कहा, 'एक क्रिकेटर के तौर पर समझदारी मैदान के बाहर सीखने से आती है, रिजेक्शन का सामना करने और मैच हारने से। बचपन में, अपने मैचों और चयन ट्रायल्स के दौरान, मुझे कई मुश्किल पलों का सामना करना पड़ा। उतार-चढ़ाव हर किसी की जिंदगी का हिस्सा होते हैं। मेरा मानना ??है कि आप मुश्किल समय से जितनी जल्दी उबरकर उसे पॉजिटिव चीजों में बदल लेते हैं, उतना ही बेहतर होता है। खुद से बात करना बहुत मायने रखता है। लोग हमेशा आपको नीचे खींचने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप खुद को कैसे संभालते हैं, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। कभी-कभी मैं ऐसी किताबें पढ़ता हूं जिनसे मुझे अच्छा महसूस होता है।

उन्होंने कहा, 'मैं अपना ध्यान क्रिकेट से हटाने की कोशिश करता हूं। मैं छुट्टी पर चला जाता हूं, अकेले समय बिताता हूं। चीजों को जाने देना बहुत जरूरी है। आप एक लक्ष्य तय करते हैं और उसे पाना चाहते हैं। लेकिन आपको खुद से यह भी कहना होगा कि अगर ऐसा नहीं होता है, तो भी कोई बात नहीं। इसे स्वीकार करें और आगे बढ़ें।

विराट कोहली ने बचपन के कोच राजकुमार शर्मा की क्रिकेट अकादमी के नए ब्रांच का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और मौजूदा समय के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली ने मंगलवार को नई दिल्ली के डीपीएस आरके पुरम में अपने बचपन के कोच राजकुमार शर्मा के क्रिकेट अकादमी के नए ब्रांच का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली भी इस उद्घाटन समारोह में मौजूद थे। विराट कोहली ने अपनी क्रिकेट यात्रा राजकुमार शर्मा के मार्गदर्शन में उनकी वेस्ट दिल्ली क्रिकेट अकादमी से ही शुरू की थी।

मौजूद छात्रों को संबोधित करते हुए विराट कोहली ने कहा, 'मुझे यहां बुलाने के लिए धन्यवाद। मुझे स्कूलों में बोलने की आदत नहीं है, इसलिए यह मेरे लिए थोड़ा अजीब होगा, क्योंकि मैं क्रिकेट के लिए बहुत पहले ही स्कूल के माहौल से दूर हो गया था, और इसी बारे में मैं बात करने जा रहा हूं। मैं स्कूल के माहौल को समझता हूं। मैं भी उसी प्रक्रिया और दौर से गुजरा हूं, जिसका हिस्सा आप सभी बच्चे अभी हैं। और मैं अपने अनुभव से बस इतना साझा कर सकता हूं कि कैसे मेरे जीवन में बहुत कम उम्र में ही मेरा ध्यान और प्राथमिकताएं बदल गई थीं।

कोहली ने आगे कहा, 'मैं जो कहना चाहता हूं वह यह है कि स्कूल एक ऐसी जगह है जहां आप सीखने आते हैं, आप आगे बढ़ने आते हैं, और आप बेहतर इंसान बनते हैं।

जीवन में शिक्षकों की भूमिका अहम बताते हुए कोहली ने कहा कि सबसे पहले उनके प्रति सम्मान और आदर रखें। वे आपको अपने जीवन का एक हिस्सा दे रहे हैं। उन्हें वह सम्मान, और वह ध्यान व एकाग्रता देना बहुत जरूरी है, जिसकी आवश्यकता है। कोहली ने क्रिकेट के प्रति अपनी शुरुआती प्रतिबद्धता और अपने लक्ष्यों में स्पष्टता के बारे में कहा, 'मैंने अपनी जिंदगी में बहुत कम उम्र में ही खेल को चुन लिया था।

'आपको ओलंपिक खेलने के उद्देश्य से तैयारी करनी चाहिए,' पीएम मोदी ने युवा खिलाड़ियों को दिया कड़ी मेहनत का मंत्र

गंगटोक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सिक्किम दौरे के दौरान गंगटोक में मंगलवार की सुबह स्थानीय किशोर लड़के और लड़कियों के साथ फुटबॉल खेलने का आनंद लिया। पीएम मोदी ने इस दौरान युवा खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत ओलंपिक की मेजबानी हासिल करने की कोशिश कर रहा है। आप सभी तैयार रहिए।

प्रधानमंत्री ने युवा खिलाड़ियों से बातचीत का वीडियो अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है।

वीडियो में पीएम कहते हैं, 'मुझे क्या आपलोग फुटबॉल खेलना सीखाएंगे। ऐसा तो नहीं कि आपलोग मुझे हरा देंगे।

पीएम ने एक बच्चे से कहा कि आप अच्छे कोच बन सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'खेलने के लिए सिर्फ अभ्यास काफी नहीं है। मैच होना चाहिए। इससे हम सीखते हैं। हममें जुनून पैदा होता है। आने वाले दिनों में इसे लोकप्रिय बनाना है। आपको पता होगा भारत ओलंपिक की मेजबानी

हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उस समय तक आपलोग परिपक्व खिलाड़ी बन जाएंगे। इसलिए आप सभी को अभी से बेहतर करना का प्रयास करना चाहिए और अपनी तैयारी ओलंपिक खेलने के उद्देश्य से तैयारी करिए।

पीएम मोदी बच्चों के साथ फुटबॉल खेलते हुए नजर आए और खिलाड़ियों के बीच से गेंद निकालते हुए कई गोल भी किए।

इससे पहले पीएम ने अपने एक्स अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, 'गंगटोक की एक प्यारी सुबह, सिक्किम में अपने नन्हे दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलने का मजा ही कुछ और है।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'इन युवाओं के साथ फुटबॉल का एक जबरदस्त सेशन।

प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों को फुटबॉल पर अपना ऑटोग्राफ भी दिया।

पीएम 27 अप्रैल की शाम को गंगटोक पहुंचे थे। उनका मंगलवार का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है। बच्चों के साथ समय बिताने के बाद प्रधानमंत्री गंगटोक स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा करेंगे। वह पालजोर स्टेडियम में सिक्किम के राज्य स्थापना के 50वें वर्ष के समारोह के समापन समारोह में भाग लेंगे, जहां वे राज्य भर में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शुभारंभ और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वे सभा को संबोधित भी करेंगे।

ये परियोजनाएं बुनियादी ढांचे, संपर्क, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं, और इनका उद्देश्य सिक्किम में समग्र और समावेशी विकास को गति देना है।

विनेश का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, बेवजह हंगामा न करें: संजय सिंह

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट के इस दावे को खारिज कर दिया कि महासंघ उन्हें अगले महीने होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से रोक रहा है। संजय सिंह ने कहा कि उनका रजिस्ट्रेशन पहले ही पूरा हो चुका है। वह बेवजह यह मुद्दा क्यों बना रही हैं।

सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट 10 से 12 मई तक उत्तर प्रदेश के गोंडा स्थित नंदिनीनगर महाविद्यालय में होना है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 30 अप्रैल है। विनेश ने आरोप लगाया था कि वह इस प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कर पा रही हैं, क्योंकि भारतीय कुश्ती महासंघ पोर्टल पर दिखा रहा है कि रजिस्ट्रेशन बंद हो चुके हैं और महासंघ प्रशासन उनके फोन कॉल का जवाब नहीं दे रहा है।

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने विनेश के दावों को गलत बताते हुए उनकी रजिस्ट्रेशन की एक कॉपी विशेष रूप से आईएएनएस के साथ साझा की। संजय सिंह ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि विनेश फोगाट का रजिस्ट्रेशन पहले ही पूरा हो चुका है। वह बेवजह हंगामा क्यों कर रही हैं? हमने किसी भी पहलवान को हिस्सा लेने से नहीं रोका है। उन सभी का तहे दिल से स्वागत है।

हमें इस को भूलकर आगे बढ़ना होगा, प्रशंसक अपना समर्थन बनाए रखें: अक्षर पटेल

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान अक्षर पटेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपनी टीम के 75 रन पर ऑल आउट होने को 'बदकिस्मती' करार दिया। पटेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में 264 रन को डिफेंड न कर पाने को भी इस मैच में हार का एक मनोवैज्ञानिक कारण माना।

अक्षर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले मैच बड़े टोटल को डिफेंड न कर पाने की वजह से टीम में थोड़ी हिचकिचाहट थी जिसका असर हमारे प्रदर्शन पर पड़ा। कोई भी बल्लेबाज ठीक से जम नहीं पाया। ऐसा नहीं था कि कोई सेट हो गया हो। हमने एक या दो गेंदों में ही विकेट गंवा दिए। हमने 15-16 गेंदों में छह विकेट गंवा दिए। मुझे लगता है कि यह बदकिस्मती थी,

आपको इस दिन को भूलकर आगे बढ़ना होगा। पटेल ने कहा, 'अगर आप पहला ओवर देखें, तो उसमें स्विंग थी। बाद में, जब चमीरा की दूसरी गेंद पर चौका लगा, तो स्विंग खत्म हो गई और खेल का रुख बदल गया। जब आप पहली पारी में 60-70 रन बनाते हैं, तो गेंदबाज थोड़े कम मनोबल के साथ आते हैं और यह बात उनके दिमाग में कहीं न कहीं रहती है। भले ही आप खुद को मोटिवेट करें, लेकिन कहीं न कहीं आपको लगता है कि यह स्कोर बहुत कम है। पहले ओवर में काइल (जेमिसन) को स्विंग मिल रही थी, लेकिन उस एक बाउंड्री के बाद स्थिति बदल गई। मुझे नहीं लगता कि हमारे गेंदबाजों ने कुछ भी गलत किया। जिस तरह से हमने बैटिंग की, उसे मैं बदकिस्मती ही कहूंगा। हम गेंदबाजों पर दोष नहीं डाल सकते।साहिल पारेख ने इस मैच में डेब्यू किया, लेकिन बाएं हाथ का यह युवा बल्लेबाज भुवनेश्वर द्वारा फेंकी पारी की दूसरी गेंद पर ही बोल्ड गया। पारेख का बचाव करते हुए उन्हें मौका देने पर अक्षर ने कहा, 'इसका कारण टॉप पर लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन रखना था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट: पूर्व तेज गेंदबाज जेफ अलॉट नए सीईओ बने

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज जेफ अलॉट को अपना नया सीईओ बनाया है। उनका कार्यकाल 1 जुलाई से शुरू होगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक बयान में जेफ अलॉट ने कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर न्यूजीलैंड क्रिकेट का प्रतिनिधित्व करने, महाप्रबंधक के तौर पर काम करने और आठ साल से ज्यादा समय तक बोर्ड निदेशक के तौर पर योगदान देने के बाद, इस संगठन और हमारे खेल से मेरा गहरा जुड़ाव है। मैं बोर्ड खिलाड़ियों, स्टाफ, सदस्य संघों और हमारे व्यावसायिक साझेदारों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं, ताकि मजबूत रिश्ते बनाए जा सकें। एक सकारात्मक और रचनात्मक संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके, और मैदान के अंदर

और बाहर, दोनों जगह बेहतरीन नतीजे दिए जा सकें। न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्रमुख डायना पुकेटापु-लिंडन ने इस नियुक्ति की तारीफ करते हुए अलॉट के कौशल और अनुभव के अनोखे मेल को विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के पूर्व प्रतिनिधि के तौर पर क्रिकेट की गहरी विशेषज्ञता, न्यूजीलैंड क्रिकेट में क्रिकेट के पूर्व जनरल मैनेजर और बोर्ड सदस्य के तौर पर अमूल्य अनुभव और मजबूत व्यावसायिक नेतृत्व के अनुभव के रूप में अलॉट इस भूमिका के लिए गुणों का एक ऐसा दुर्लभ और बेहद प्रासंगिक मेल लेकर आए हैं, जो शायद ही कहीं और देखने को मिलता है।

लिंडन ने कहा, 'हमें पूरा भरोसा है कि उनका खेल का अनुभव, संस्थागत जानकारी, व्यावसायिक सूझ-बूझ और अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण न्यूजीलैंड क्रिकेट के विकास और विस्तार के अगले चरण में नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति बनाते हैं।

जेफ अलॉट क्रिकेट प्रशासन में लगभग 20 साल के अनुभव के साथ यह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उनके पास व्यापार का भी व्यापक अनुभव है और भारत तथा पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में उनके मजबूत संबंध हैं। क्रिकेट प्रशासन से अलॉट का जुड़ाव बहुत गहरा है। वह 2002 में न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ी संघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415